THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 66 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.7 2082 सोमवार, 2 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश और बाढ़ ने मचाई तबाही

अबतक 30 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर राज्यों में दिनों से लगातार हो रही बारिश और उससे नदियों में आई बाढ़ ने तबाही मचा दी है। असम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में बारिश, बाढ़ और भू स्खलन होने से अबतक 30 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कई इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग ने इन राज्यों में आने वाले दिनों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। इस तरह से अचानक बारिश के बाद आई बाढ़ से पूरे नॉर्थ-ईस्ट में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

असम में अबतक आठ लोगों की मौत

लगातार भारी बारिश के कारण असम में बाढ़ और भूस्खलन के कारण अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। भारी बारिश के कारण 17 जिले जलमग्न हो गए हैं और 78,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

मिजोरम में चार लोगों की मौत

मिजोरम में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ है, जिससे चार लोगों की मौत हो गई है - जिनमें से तीन म्यांमार के शरणार्थी थे - और एक अन्य घायल हो गया। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में बारिश से संबंधित मौतों की कुल संख्या अब पांच हो गई है।

मेघालय में तीन दिनों में छह लोगों की मौत

मेघालय में भारी बारिश के कारण दो लड़कियों की बिजली गिरने से मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति डूब गया। पीटीआई के अनुसार पिछले तीन दिनों में छह मौतें हुई हैं। भूस्खलन, अचानक आई बाढ़ और बिजली आपूर्ति बाधित होने से 49 गांवों के करीब 1,100 लोग प्रभावित हुए हैं।

अरुणाचल प्रदेश में नौ लोगों की मौत मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने भूस्खलन के कारण हुई नौ मौतों पर दुख व्यक्त किया - पूर्वी कामेंग में सात और जीरो घाटी में दो - और प्रत्येक पीड़ित परिवार के लिए 4 लाख की अनुग्रह राशि की घोषणा की। आईएमडी ने 1 से 5 जून तक भारी बारिश, गरज और बिजली गिरने का अनुमान लगाया है, और 5 और 6 जून को भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

इंफाल में भी लोग परेशान

लगातार हो रही बारिश के कारण शनिवार को इंफाल के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए, जिसके कारण भारी जलभराव हो गया और रोजमर्रा की जिंदगी अस्त-व्यस्त हो गई। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। निचले इलाकों में घरों और दुकानों में पानी घुस गया, जबकि अपर्याप्त जल निकासी व्यवस्था भारी बारिश को संभालने में विफल रही, जिससे स्थानीय लोगों को अपने सामान की सुरक्षा के लिए आपातकालीन उपाय करने पड़े।

सीबीआई ने आईआरएस ऑफिसर समेत दो को किया गिरफ्तार

25 लाख की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। 25 लाख की रिश्वत मांगने के आरोप में सीबीआई ने आईआरएस ऑफिसर समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अमित कुमार जो कि सिंगल इंडियन रेवेन्यू सर्विस 2007 बैच के आईआरएस ऑफिसर हैं। अभी टैक्सपेयर सर्विस विभाग नई दिल्ली में एडिशनल डायरेक्टर के पद पर तैनात थे।

सीबीआई ने इनको गिरफ्तार कर लिया है। इनके साथ ही एक प्राइवेट शख्स हर्ष कोटक को गिरफ्तार किया गया है। रेवेन्यू विभाग से टैक्स में मदद के नाम पर शिकायतकर्ता से 45 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की गई थी। इसमें से 25 लाख रुपए बतौर पहली किश्त लेते हुए दोनों को रंगे हाथों सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता को धमकी दी गई थी वो अगर पैसे नहीं देगा तो उसको लीगल मामलों में फंसा दिया जाएगा।

साथ ही मोटी पेनाल्टी लगाए जाने की भी धमकी दी गई थी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने सीबीआई को जानकारी दी और मामला दर्ज करके जांच शुरू की गई। सीबीआई ने आईआरएस ऑफिसर और प्राइवेट शख्स के कई ठिकाने पर छापेमारी की। सीबीआई द्वारा ये छापेमारी दिल्ली, पंजाब और मुंबई के लोकेशन में की गई। इस दौरान सर्च ऑपरेशन किया गया। सीबीआई ने सबूत इकट्ठा करके घूस लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

चाय की टपरी पर खड़े 12 लोगों को कार ने मारी जोरदार टक्कर

पुणे, 1 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां एक कार सवार ने 12 लोगों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। बताया जा रहा है कि सभी लोग एक चाय की टपरी पर खड़े होकर चाय पी रहे थे, तभी कार सवार ने उनके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं स्थानीय लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया, जिसके बाद उसे पुलिस को सौंप दिया गया। जानकारी के मुताबिक कार सवार नशे में था। घटना का वीडियो भी सामने आया है। पूरा मामला, पुणे के सदाशिव पेठ इलाके का बताया जा रहा है। यहां 31 मई की शाम को नशे की हालत में कार चालक ने चाय की टपरी के पास खड़े एमपीएससी के कुछ विद्यार्थियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 12 लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है।

'किसी को डांटना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं है'

सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय का फैसला बदला

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को बरी कर दिया है। एक स्कूल और छात्रावास के प्रभारी ने एक छात्र की शिकायत पर छात्र को डांट दिया था। डांटने के बाद छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद आरोपी स्कूल प्रभारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि 'कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने से ऐसी त्रासदी हो सकती है। पूरे मामले पर विचार करने के बाद हमें लगता है कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह कल्पना नहीं कर सकता था कि एक छात्र की शिकायत के आधार पर छात्र को डांटने से ऐसी घटना हो सकती है।' सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय का आदेश पलट दिया। उच्च न्यायालय ने स्कूल प्रभारी को बरी करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छात्र की शिकायत पर डांटना एक उपचारात्मक उपाय है, जिससे लगे की शिकायत पर ध्यान दिया गया। आरोपी के वकील ने कहा कि डांट एक अभिभावक के तौर पर थी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मृतक दोबारा गलती न करे। वकील ने दलील दी कि शिक्षक और मृतक छात्र के बीच कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं थे।

फ्लैट पर बजरंगियों ने मारा छापा, हिन्दू युवती के साथ मिला मुंबई का युवक

इंदौर, 1 जून (एजेंसियां)। इंदौर के रामबाग क्षेत्र के एक फ्लैट में शनिवार रात बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे। यहां एक अविवाहित हिन्दू युवती के फ्लैट में मुंबई से आया मुस्लिम युवक रह रहा था। जब बजरंगी फ्लैट पहुंचे तो वह आपत्तिजनक अवस्था में मिला। इसके बाद उसकी धुनाई कर दी गई और पुलिस के हवाले कर दिया। बजरंग दल ने लिखित शिकायत में लव जिहाद का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि युवक रामबाग के संघ कार्यालय के समीप की मल्टी में रुका हुआ था। उस पर जासूसी करने का शक भी जताया गया है। पुलिस अब इस मामले में जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई में रहने वाला नौशाल अली खान कव्वाली के प्रोग्राम का आयोजक है। वह अक्सर इंदौर आकर गुजराती दर्जी समाज की एक युवती के फ्लैट में रहता था। समाज के लोगों ने उसे कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं माना। वह अक्सर इंदौर आकर युवती के फ्लैट में रुकता था।

दो दशकों में पहली बार चुनाव आयोग ने उठाया बड़ा कदम

उपचुनावों के लिए मतदाता सूची में संशोधन किया

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। लगभग दो दशकों में पहली बार चुनाव आयोग ने बेदाग मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए पांच निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में संशोधन किया है। अधिकारियों ने बताया कि पिछली बार 2006 में तमिलनाडु में उपचुनाव के लिए ऐसा संशोधन किया गया था। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रावधानों का हवाला देते हुए अधिकारियों ने कहा कि मतदाता सूची को हर चुनाव और उपचुनाव से पहले संशोधित किया जाना चाहिए, जब तक कि चुनाव आयोग की ओर से अन्यथा निर्देश न दिया जाए। उन्होंने कानून का हवाला देते हुए कहा कि यदि मतदाता सूची में संशोधन नहीं किया जाता है, तो भी मतदाता सूची की वैधता या निरंतर संचालन प्रभावित नहीं होगा। विशेष संशोधन के पूरा होने तक वर्तमान मतदाता सूची की वैधता जारी रहती है। अधिकारियों ने जिक्र किया कि आवश्यकता के आधार पर यह तय करना आयोग का काम है कि मतदाता सूची में संशोधन किया जाना है या नहीं।

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर 19 जून को उपचुनाव

चुनाव आयोग ने पिछले महीने घोषणा की थी कि चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर 19 जून को उपचुनाव होंगे। गुजरात में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे, जबकि केरल, पश्चिम बंगाल और पंजाब में एक-एक सीट पर उपचुनाव होंगे। मतगणना 23 जून को होगी।

कहां-कहां और क्यों हो रहा उपचुनाव?

गुजरात में कादी सीट पर उपचुनाव मौजूदा विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी के निधन के बाद जरूरी हो गया था। ऐसे ही विसावदर सीट पर एक और उपचुनाव मौजूदा सदस्य भयानी भूपेंद्रभाई गंडूभाई के इस्तीफे के कारण हो रहा है।

केरल में नीलांबुर सीट पर उपचुनाव होगा, क्योंकि पीवी अनवर ने इस्तीफा दे दिया है।

पंजाब की लुधियाना सीट पर मौजूदा सदस्य गुरप्रीत बस्सी गोगी के निधन के कारण उपचुनाव होगा।

पश्चिम बंगाल में कालीगंज विधानसभा सीट पर उपचुनाव मौजूदा विधानसभा सदस्य नसीरुद्दीन अहमद के निधन के कारण जरूरी हो गया है।

8 साल की लड़की ने 5 वर्षीय बच्ची को बाथरूम में डंडे से पीटा

भोपाल, 1 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल से दिल दहला देने वाली खबर आई है। यहां 8 साल की बच्ची 5 साल की बच्ची को पहले बाथरूम में ले गई। कुंडी लगाई और उसकी डंडे से पिटाई करने लगी। चोटी काट दी फिर फिर माथे पर सिंदूर लगा दिया। उसके बाद चोट के निशान छिपाने के लिए बच्ची की आंख पर काजल और होंठों पर लिपस्टिक भी लगा दी। खेल-खेल में हुई इस खौफनाक वारदात से हर कोई सन्न है। मामले को तांत्रिक के एंगल से जोड़कर भी देखा जा रहा है। घटना कमलानगर थाना क्षेत्र के कोटरा सुल्तानाबाद की है। थाना प्रभारी निरूपा पांडे ने बताया- पुलिस ने मौके पर देखा कि दोनों बच्चियां डरी थीं। दोनों की उम्र बहुत कम है। काउंसलिंग के बाद कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित बच्ची के पिता ने बताया है कि उनकी बेटी गुरुवार को पड़ोस की बच्ची के साथ खेल रही थी। शाम करीब 7 बजे नाबालिग बच्ची उनकी बेटी को अपने घर ले गई और उसके साथ मारपीट की। बच्ची की चीखने पर मकान के नीचे रहने वाली बुजुर्ग महिला ने उसे बचाया। उसे छुपाने के लिए बाथरूम में बंद कर दिया था। घटना के दौरान घर पर कोई नहीं था।

आसपास के लोगों ने आशंका जताई है कि संभवतः बच्ची ने घर या कहीं और तांत्रिक क्रिया देखकर इस तरह की वारदात को अंजाम दिया होगा। वहीं एक मनोवैज्ञानिक की मानें तो संभवतः आरोपी बच्ची के साथ इस तरह की घटना की पूर्व में घटित हुई होगी। इसलिए उसने अपना गुस्सा बच्ची पर निकाला। मानसिक या शारीरिक शोषण की परिणति और घर के वातावरण में ऐसा बच्चे कर सकते हैं। बच्चे ऐसी स्थिति में बड़े पर गुस्सा नहीं निकाल सकते तो वे सॉफ्ट टार्गेट ढूंढते हैं।

महाराष्ट्र में बदल रही राजनीति

राहुल गांधी और शरद पवार ने ठुकराया इस ओबीसी नेता का न्योता

मुंबई, 1 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ओबीसी नेता और राष्ट्रीय समाज पक्ष के संस्थापक महादेव जानकर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार की अनुपस्थिति ने झटका दिया। महादेव जानकर, जो कि धनगर समुदाय के प्रमुख नेता माने जाते हैं, ने इस आयोजन के लिए राहुल गांधी, शरद पवार और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को आमंत्रित किया था, लेकिन कांग्रेस की ओर से सिर्फ महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को भेजा गया, जबकि शरद पवार ने निजी कारणों से आने में असमर्थता जताई। जानकर की राजनीति में भूमिका कई रंग बदलती रही है। वे कभी बीजेपी के दिवंगत नेता गोपीनाथ मुंडे के करीबी माने जाते थे। 2015 में बीजेपी के समर्थन से महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य बने और देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री पद भी संभाला। हालांकि 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने बारामती सीट से एनसीपी की सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें करीब 70,000 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के साथ उनके रिश्तों में खटास आ गई और उन्होंने महायुति गठबंधन से अलग रास्ता चुन लिया। बीजेपी से दूरी बनाने के बाद जानकर ने विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की ओर झुकाव दिखाया। उन्होंने इसी महीने राहुल गांधी से मुलाकात की और उन्हें तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस समारोह के लिए आमंत्रित किया। जानकर ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि बीजेपी ने उन्हें चुनाव से पहले छोड़ दिया और उनके अनुसार महायुति के साथ गठबंधन करना उनकी राजनीतिक भूल थी। उन्होंने बताया कि शरद पवार ने कुछ निजी मुद्दों के चलते आने से मना कर दिया और गांधी ने भी स्वयं आने के बजाय सपकाल को भेजकर रस्मअदायगी की। बता दें कि धनगर समुदाय महाराष्ट्र की राजनीति में खास प्रभाव रखता है। सोलापुर, सांगली, बारामती, परभणी और सतारा जैसे लोकसभा क्षेत्रों में इनकी मजबूत उपस्थिति है, जो 25 से 30 विधानसभा सीटों के नतीजों को प्रभावित कर सकता है। जानकर ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को भी समारोह के लिए निमंत्रण भेजा था। लेकिन बड़े विपक्षी नेताओं की अनुपस्थिति से यह स्पष्ट है कि जानकर को फिलहाल न सत्ता पक्ष और ना ही विपक्ष से पूरा समर्थन मिल पा रहा है, जिससे उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

7 साल की मासूम के साथ क्या कर गया पड़ोसी? पोक्सो के तहत केस दर्ज

मुंबई, 1 जून (एजेंसियां)। एक बार फिर बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। मानखुर्द इलाके में एक 27 साल के व्यक्ति को 7 साल की बच्ची के साथ अनुचित व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मानखुर्द पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 और 76 तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की। घटना ने इलाके में रहने वाले निवासियों में रोष पैदा कर दिया है, और पुलिस ने तुरंत आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार, आरोपी और पीड़िता दोनों एक ही मोहल्ले में रहते हैं और पड़ोसी हैं। आरोपी ने बच्ची को अपने घर बुलाकर उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता की बहन ने परिवार को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

पूर्व पार्षद की गोली लगने से मौत संदिग्ध हालात में मिला शव

मोगा, 1 जून (एजेंसियां)। पंजाब के मोगा में एक पूर्व पार्षद की संदिग्ध हालातों में लाश मिली है। मृतक के बेटे उत्तर प्रदेश में जज हैं। घटना मोगा के 8 नंबर न्यू टाऊन की है, जहां पूर्व पार्षद प्रश्नोतम पुरी की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हुई है। प्रश्नोतम पुरी की खुद की लाइसेंसी बंदूक से गोली लगने से मौत हुई है। उन्होंने अपनी लाइसेंसी 12 बोर की राइफल से खुद को गोली मारी है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि प्रश्नोतम पुरी ने खुद को गोली मारी है। प्रश्नोतम पुरी का एक बेटा यूपी में सिविल जज जेएम है। उसके आने के बाद और परिवार का बयान दर्ज करने के बाद पुलिस करवाई करेगी। अभी आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। घटना के समय प्रश्नोतम अपने घर पर थे, उनकी पत्नी भी घर में ही थीं। अचानक गोली चलने की आवाज आई। उनकी पत्नी ने कमरे में जाकर देखा तो वह खून से लथपथ पड़े थे। पत्नी के शोर मचाने पर पड़ोसी भी मौके पर पहुंच गए और पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते हैं थाना सिटी साउथ के प्रभारी वरुण और सीआई स्टाफ के प्रभारी दलजीत बराड़ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम भी पुलिस के साथ पहुंची।

पुलिस ने शुरू की जांच

पुलिस ने शव और 12 बोर की राइफल कब्जे में ले ली है। शव को सिविल अस्पताल मोगा में रखवा दिया गया है। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। प्रश्नोत्तम पुरी बसों के मालिक थे और शहर के निजी बस एसोसिएशन के अध्यक्ष भी थे। पुलिस ने मामले की गंभीरता के साथ जांच शुरू कर दी है। पुलिस आत्महत्या और इसके कारणों का पता लगाने की लिए जांच कर रही है। मौत की असली वजह पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

बिल्लियों का आतंक 6000 लोगों को मारा पंजा

श्रीनगर, 1 जून (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में पिछले कुछ वर्षों से बिल्ली पालने का चलन तेजी से बढ़ा है। कोई आम बिल्लियों को खाना खिलाकर पाल रहा है, तो कोई विदेशी नस्लों पर हजारों रुपये खर्च कर रहा है। समाज में बढ़ती लोकप्रियता के साथ-साथ धार्मिक मान्यताओं को भी इसका कारण माना जा रहा है। मगर इसी ट्रेंड के बीच बिल्ली के काटने के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एक साल के भीतर 6000 से ज्यादा कैट बाइट के मामले दर्ज हुए हैं। श्री महाराजा हरी सिंह अस्पताल श्रीनगर (एसएमएचएस) की एंटी-रेबीज क्लिनिक के आंकड़ों के अनुसार जून 2024 से मई 2025 तक कुल 6,095 मामले सामने आए हैं, जबकि पिछले साल ये संख्या 2,824 थी। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. सलीम खान ने कहा कि कोविड के बाद पालतू जानवर पालने का चलन बढ़ा है, लेकिन अधिकांश लोग टीकाकरण, कृमिनाशक व स्वच्छता जैसे आवश्यक मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में एंटी रेबीज क्लिनिक में आने वाले मामलों की संख्या में कई गुना वृद्धि देखी है।

हमारे धर्म को गंदा धर्म कहा, महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताया

शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी, टीएमसी पर उठने लगे सवाल

कोलकाता, 1 जून (एजेंसियां)। पुलिस की तरफ से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद सियासी घमासान मचा हुआ है। इंफ्लुएंसर की गिरफ्तारी के बाद भारतीय जनता पार्टी बंगाल सरकार पर हमलावर हो चुकी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी को गलत बताया है। इसके साथ ही उन्होंने इस पूरी कार्रवाई को एक वर्ग को खुश करने की कोशिश बताया है। बीजेपी नेता पवन कल्याण ने इस गिरफ्तारी को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, शर्मिष्ठा, एक कानून की छात्रा ने अपनी बात रखी, उसके शब्द कुछ लोगों के लिए खेदजनक और आहत करने वाले थे। उसने अपनी गलती स्वीकार की, वीडियो डिलीट किया और माफी मांगी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शर्मिष्ठा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि जब टीएमसी के चुने हुए नेता, सांसद सनातन धर्म का मजाक उड़ाते हैं, तो लाखों लोगों को जो गहरा, तीखा दर्द होता है, उसके बारे में क्या? जब हमारे धर्म को 'गंदा धर्म' कहा जाता है, तो आक्रोश कहां है? उनकी माफी कहां है? उनकी त्वरित गिरफ्तारी कहां है?

ममता सरकार भड़के पवन कल्याण

कल्याण ने कहा कि ईशनिंदा की हमेशा निंदा की जानी चाहिए! धर्मनिरपेक्षता कुछ लोगों के लिए ढाल और दूसरों के लिए तलवार नहीं है। यह दो-तरफा सड़क होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल पुलिस, देश देख रहा है। सभी के लिए न्यायपूर्ण कार्य करें। #मैंशर्मिष्ठा के साथ खड़ा हूं।

सुवेंदु अधिकारी ने गिनाई पुरानी घटनाएं

सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी ने 'महाकुंभ मृत्यु कुंभ बताया 'जय श्री राम उनके लिए अपमानजनक शब्द है। इस पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि जब तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने देवी काली के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। फिरहाद हकीम ने कहा जो लोग इस्लाम में पैदा नहीं हुए हैं, वे बदकिस्मत हैं। हमें उन्हें इस्लाम के दायरे में लाना होगा और दावत-ए-इस्लाम का समर्थन करके गैर-मुसलमानों में इस्लाम का प्रचार करना चाहिए। इस बयान पर भी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। अधिकारी ने कहा कि 22 वर्षीय लॉ की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर एक व्यक्तिगत टिप्पणी की, जहां हिंदुओं को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया गया था, जिसे बाद में उन्होंने हटा दिया और माफी मांगी, फिर भी उन्हें गुड़गांव से कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस कार्रवाई परसुवेंदु अधिकारीने उठाए सवाल

सुवेंदु अधिकारी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोलकाता पुलिस ने पश्चिम बंगाल में हिंदू देवताओं की मूर्तियों को तोड़े जाने के समय इस कार्रवाई वाला उत्साह कहां था। जब राम नवमी और हनुमान जयंती के जुलूसों पर पथराव होता है? जब अनुव्रत मंडल आपके अधीनस्थ की पत्नी और माँ को बलात्कार की धमकी देते हैं, तो आप कहाँ थे? सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि मैं सभी को आश्वस्त करना चाहूंगा कि राष्ट्रवादी वकील शर्मिष्ठा के मामले को उठा रहे हैं और सबसे अच्छा कानूनी बचाव होगा उसे जो भी दिया गया। मुझे उम्मीद है कि वह दुष्ट और क्रूर ममता पुलिस के चंगुल से मुक्त हो जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 66 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.7 2082 सोमवार, 2 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देश में 9 दिन में 14 गुना बढ़े कोरोना केस

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के एक्टिव केसेज की संख्या 3783 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 22 मई को भारत में 257 केस थे। 9 दिन में कोरोना के मामलों में 14 गुना की बढ़ोतरी हुई है। केरल में सबसे ज्यादा 1400 मामले हैं। वहीं महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 एक्टिव केस हैं।

जनवरी 2025 से अब तक कोरोना से 28 मौतें हो चुकी हैं। यह जानकारी केंद्र सरकार ने जारी की है। इससे पहले 30 मई को सुबह 8 बजे तक सिर्फ 7 मौतों का आंकड़ा सामने आया था। ऐसे में बीते दो दिनों में देश के अंदर 21 लोगों की मौत दर्ज की गई। 31 मई को बेंगलुरू में 63 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई।

'सिंदूर' के समय पाक से हुए यूपीआई

हवाला लेनदेन से पकड़े गए 12 जासूस, देश के गद्दारों तक ऐसे पहुंचीं खुफिया एजेंसियां

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में गिरफ्तार किए गए पाकिस्तान के 12 जासूसों तक आखिर खुफिया एजेंसियां कैसे पहुंचीं? इस सवाल का जवाब चौंकाने वाला है। इन एजेंसियों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जब भारत ने 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए, तभी बौखलाए पाक ने भारत में अपने सभी जासूस एक्टिव किए।

उनसे सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से भारतीय सैन्य ठिकानों, सेना के मूवमेंट्स, सैन्य बेस, एयरबेस की संवेदनशील जानकारियां मंगाना तेज कीं। इसके लिए इन्हें पाकिस्तान से पे-पल पेमेंट एप, ऑनलाइन गैंबलिंग एप, ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी, हवाला, यूपीआई और क्रिप्टो करेंसी के जरिए 20 हजार से लेकर एक लाख रुपये मिले। सीजफायर के बाद भारतीय खुफिया एजेंसियों के राडार पर वे सोशल मीडिया अकाउंट और फोन नंबर आए, जो लड़ाई के दौरान लगातार एक्टिव थे और आईएसआई उनसे संपर्क में थी।

ट्रांसजेक्शन की पड़ताल में पाकिस्तान के जासूसों की जानकारी मिली :

सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाक से भारत में हुए हवाला, यूपीआई और बिटक्काइन ट्रांजेक्शन की जानकारी डार्क वेब पर मिली। इन ट्रांजेक्शन्स की पड़ताल में पाकिस्तान की जासूस ज्योति मल्होत्रा, अरमान, देवेंद्र सिंह ढिल्लो, मोहम्मद मुर्तजा अली, सुखप्रीत सिंह, करनबीर सिंह, नोमान इलाही, हारून, तुफैल, सुखदेव सिंह गोहिल, शहजाद और मोतीराम जाट की जानकारी मिली। गृह मंत्रालय को इसकी जानकारी दी गई। यदि कार्रवाई में जरा भी देरी होती तो जासूस भाग सकते थे। इसलिए तय हुआ कि जो जासूस जिस राज्य का है, वहां की जांच एजेंसी को पकड़ने की जिम्मेदारी दें। नतीजा इन 12 समेत 15 पकड़ाए।

पाकिस्तानियों से संपर्क रखने वाले 10 हजार से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट राडार पर :

सूत्रों के मुताबिक भारतीय खुफिया एजेंसियों को एआई बेस्ड एडवांस टेक्नोलॉजी आधारित सॉफ्टवेयर के जरिए 5 लाख से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट ऐसे मिले हैं, जिनका संबंध पाकिस्तान से है। इनकी स्क्रूटनी करने से पता चला है कि कुछ के रिश्तेदार पाक में हैं तो कुछ यूं ही रैंडम तरीके से पाकिस्तानियों के संपर्क में हैं और उनसे चैट भी करते हैं।

वहीं, कुछ सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक, इंस्टाग्राम व अन्य में पाक लोगों की एंट्री तो है, मगर उससे कभी बातचीत के सबूत नहीं मिले हैं। इसके अतिरिक्त करीब 10 हजार लोग ऐसे भी मिले हैं जो अपने अकाउंट पर किसी न किसी पाक में रह रहे व्यक्ति से लगातार संपर्क में रहे हैं। ये अकाउंट हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, यूपी, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के लोगों से संबंधित हैं।

पहलगाम हमला हुआ तो ममता बनर्जी चुप रहीं : शाह

अब ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रहीं, ताकि मुस्लिम वोट बैंक को खुश कर सकें

कोलकाता, 1 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में कहा- ममता बनर्जी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन एक्ट का विरोध कर रही हैं।

ममता ऐसा करके देश की माताओं और बहनों का अपमान कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव में राज्य की माताएं और बहनें ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने के लिए सीएम ममता और टीएमसी को सबक सिखाएंगी। दो दिन के पश्चिम बंगाल दौरे के पहले दिन शाह ने विजय संकल्प कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा- जब पहलगाम आतंकी हमले में बंगाल के पर्यटक मारे गए, तब ममता बनर्जी चुप रहीं। मुर्शिदाबाद दंगा राज्य प्रायोजित था। गृह मंत्रालय ने यहां बीएसएफ की तैनाती की बात कही थी, लेकिन ममता सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया, जिससे हिंसा जारी रहे।

सांप्रदायिक दंगों में 3 लोगों की मौत हुई :

शाह ने कहा कि वक्फ संशोधन एक्ट को लेकर मुर्शिदाबाद में हुए दंगों में टीएमसी के कई सीनियर लीडर शामिल थे। दंगों में 3 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ममता बनर्जी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए कानून के खिलाफ हैं। शाह ने कहा कि टीएमसी बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए बंगाल की सीमाएं खोल दी हैं। पश्चिम बंगाल की सरकार ने बीएसएफ को आवश्यक जमीन नहीं दी है। टीएमसी बीएसएफ को जमीन दे दे तो हम घुसपैठ रोक देंगे। लेकिन टीएमसी ऐसा नहीं करेगी।

शाह ने सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया

पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने से पहले शाह ने कोलकाता के राजारहाट में सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री का उद्घाटन केंद्रीय (सीएफएसएल) की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा- भारत सरकार एक सुरक्षित, पारदर्शी और साक्ष्य आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली बना रही है।

उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि अपराध रोकने वाले अपराधियों से दो कदम आगे रहें। हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली एक नए युग में प्रवेश कर रही है। केंद्र सरकार ने 2020 में तीन नए आपराधिक कानूनों- बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए के लागू होने से बहुत पहले पहला राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) स्थापित किया था।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश भर में ऐसे 8 संस्थान पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। आठ और स्थापित करने की योजना है। हमने हर जिले में फोरेंसिक वैन स्थापित करने के लिए हर राज्य को मदद दी है। कई राज्यों ने अपनी फोरेंसिक लैब का विस्तार किया है।

भाजपा-टीएमसी हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती है : अधीर रंजन चौधरी

मुर्शिदाबाद, 1 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को यहां की आम जनता के विकास से कुछ भी लेना-देना नहीं है। दोनों पार्टियां सिर्फ सत्ता पाने के लिए हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बंगाल दौरे को लेकर रविवार को कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पीएम मोदी का चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। जहां पीएम मोदी जाएंगे, वहां जाने से अमित शाह पीछे कैसे रह सकते हैं।

चौधरी ने कहा कि मकसद साफ है कि बंगाल में चुनाव को लेकर जंग शुरू हो गई है। केंद्र और राज्य सरकार में तनातनी शुरू हो गई है। पीएम मोदी के संबोधन का लगातार ममता बनर्जी की ओर से विरोध किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि पीएम मोदी किन-किन मुद्दों पर भाषण देंगे, दीदी को पहले से ही पता चल जाता है। इसीलिए, मीडिया के सामने वह पीएम मोदी के भाषणों में उठाए गए मुद्दों का विरोध जताती हैं।

उन्होंने कहा कि बंगाल में आम लोगों की बात नहीं होती है। बंगाल में रोजगार, कारोबार पर चर्चा नहीं होती है। अगर यहां पर चर्चा होती है तो बस हिंदू-मुस्लिम के वोट को कैसे अपनी ओर करना है। बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा 'ऑपरेशन सिंदूर' का इस्तेमाल करेगी तो वहीं, सीएम बनर्जी मुस्लिम वोटों को अपनी ओर लाने का प्रयास करेंगी।

केंद्रीय गृहमंत्री रविवार को कोलकाता में थे। यहां उन्होंने विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यकर्ता जनविरोधी ममता सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव सिर्फ बंगाल का भविष्य तय नहीं करता।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की बढ़ी मुश्किलें

ट्रिब्यूनल ने गंभीर मामलों में तय किए आरोप, गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका, 1 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें अब बढ़ने वाली हैं। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने रविवार को शेख हसीना और दो अन्य व्यक्तियों को पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों को हिंसक रूप से दबाने के मामले में सामूहिक हत्या सहित कई गंभीर आरोपों में अभ्यारोपित कर दिया है। रविवार की कार्यवाही के बाद यह तय हो गया है कि हसीना के खिलाफ मुकदमा उनकी अनुपस्थिति में शुरू किया जाएगा।

बांग्लादेश में यह प्रक्रिया उस समय शुरू हुई है जब हसीना सरकार के सत्ता से हटने को लगभग दस महीने बीत चुके हैं। इस मामले में तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण पीठ ने अभियोजन पक्ष द्वारा हसीना पर प्रदर्शनों को क्रूरता से कुचलने के आरोप औपचारिक रूप से दर्ज किए जाने के बाद कहा, हम आरोपों को संज्ञान में लेते हैं। इसके साथ ही न्यायाधिकरण ने शेख हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के खिलाफ एक नया गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। तीसरे आरोपी, उस समय के पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून फिलहाल हिरासत में हैं, और उनके खिलाफ मुकदमा उनकी उपस्थिति में ही चलेगा।

यह पहली बार है कि बांग्लादेश के इतिहास में किसी न्यायाधिकरण की कार्यवाही का टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया गया है।

चार प्रमुख प्रवृत्तियों से आकार लेंगे भविष्य के युद्ध : सीडीएस जनरल अनिल चौहान

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कहना है कि भविष्य के युद्ध चार प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेंगे। इनमें से एक है सभी क्षेत्रों में सेंसर्स का प्रसार। दूसरा- लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां। तीसरा, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग। चौथा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीक द्वारा संचालित युद्धक्षेत्र की बुद्धिमत्ता।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने यह जानकारी रविवार को सिंगापुर में दी। वह यहां आयोजित प्रतिष्ठित 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' में 'भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार समाधान' विषय पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में जनरल अनिल चौहान ने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य तत्वों (नॉन स्टेट एक्टर्स) को सशक्त किया है, जिससे प्रॉक्सी युद्धों और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है। उन्होंने क्षमताओं के विकास के लिए अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया। भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग करते हुए एक संयुक्त रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। उन्होंने बताया कि भारत ने 'रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण' को अपनाया है। इससे युद्धक प्रणालियां परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जा सकें।

जनरल चौहान ने कहा कि वर्तमान में चल रहा परिवर्तन सिर्फ हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिद्धांत, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन का भी कायाकल्प शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत की अनूठी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और आकांक्षाएं इसके रक्षा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। अपने संबोधन के अंत में, जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और उत्तरदायी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

उन्होंने 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' को वैश्विक स्थिरता हेतु संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बताया। 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' के दौरान भारत और फिलीपींस के रक्षा प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और फिलीपींस के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रोमियो एस ब्रावनर जूनियर के बीच यह महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस दौरान सैन्य सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों के सैन्य प्रमुखों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग और क्षमता संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह बातचीत भारत-फिलीपींस रणनीतिक समन्वय को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अपनी तारीफ खुद करने की जरूरत नहीं...

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर खड़गे ने पीएम मोदी पर कसा तंज, संसद के विशेष सत्र की मांग

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर देश का सियासी पारा हाई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला तेज कर दिया। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद के विशेष सत्र की मांग फिर से दोहराई। खड़गे ने कहा कि राष्ट्रीय मामलों में एकता होनी चाहिए और विरोधियों को हराने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर सभी नेताओं को चुप रहना चाहिए। सीडीएस जनरल अनिल चौहान के बयान के बाद खड़गे ने यह बातें कहीं है। दरअसल जनरल चौहान ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ हालिया युद्ध में नुकसान हुआ था, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के 6 भारतीय जेट विमानों को गिराने के दावे को गलत बताया था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर सभी नेताओं को बोलने से पहले सोच समझकर बोलना चाहिए।

'देखते रहिए, पीओके के टुकड़े होने वाले हैं'

तेलंगाना सीएम के बयान पर बृजभूषण शरण सिंह का जवाब

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को लेकर पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि देखते रहित पीओके के टुकड़े होने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को करारा जवाब दिया है। रेवंत रेड्डी ने कहा था कि देश को राहुल गांधी के नेतृत्व की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया था कि अगर राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री होते तो आज पीओके भारत का हिस्सा होता।

पीओके पर क्या बोले :

रेवंत रेड्डी को जवाब देते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, पीओके किसने दिया? तुष्टिकरण की राजनीति किसने शुरू की? किसके शासन में इस देश का बंटवारा हुआ? कांग्रेस के शासन में। कांग्रेस पीओके वापस नहीं ले सकती। भाजपा पीओके वापस लेगी। देखते रहिए, पीओके के टुकड़े होने वाले हैं।

राहुल के प्रधानमंत्री बनने पर क्या बोले :

राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा, राहुल गांधी कभी इस देश के प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। क्योंकि उनका विजन अभी तक स्पष्ट नहीं है। वह कठपुतली हैं। उनकी विचारधारा 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से मिलती है। वह पाकिस्तान को खुश करने के लिए बयान देते हैं। अगर राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन भी गए तो वह निश्चित रूप से इस देश को बेच देंगे।

रेवंत रेड्डी ने क्या कहा था :

29 मई को हैदराबाद में रेवंत रेड्डी ने कहा था कि पीएम मोदी को यह बताना चाहिए कि पाकिस्तान ने भारत के कितने राफेल मार गिराए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की इच्छा के बावजूद पीएम मोदी पाकिस्तान से कश्मीर नहीं ले सके। वह बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग नहीं कर सके। इंदिरा गांधी का उदाहरण देते हुए रेड्डी ने कहा था कि तब भी अमेरिका ने दबाव बनाया था, लेकिन इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करने के बाद ही दम लिया। रेवंत रेड्डी के अलावा भी कांग्रेस और विपक्ष के कई अन्य नेताओं ने संसद के विशेष सत्र की मांग की है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी कहा था कि सरकार को विशेष सत्र बुलाना चाहिए, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सवाल पूछे जा सकें। इसके साथ ही उन्होंने कारगिल की तरह ऑपरेशन सिंदूर की भी जांच कराने की मांग की थी।

मनरेगा घोटाले के एक केस में मिली बेल तो दूसरे केस में नाम आया सामने

गुजरात के मंत्री बच्चूभाई खाबड़ का बेटा गिरफ्तार

दाहोद, 1 जून (एजेंसियां)। गुजरात के दाहोद में रविवार को पुलिस ने राज्य के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री बच्चूभाई खबाड़ के बेटे बलवंत खबाड़ को गिरफ्तार कर लिया। बलवंत को कुछ दिन पहले ही मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) से जुड़े एक मामले में जमानत मिली थी। लेकिन अब उन पर एक और मामले में कार्रवाई हुई है।

पुलिस ने बताया कि बलवंत और उनके भाई किरण, दोनों पर पहले अप्रैल में दर्ज एक मामले में 29 मई को जमानत मिली थी। लेकिन किरण को उसी दिन एक नए मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था और अब बलवंत को भी रविवार को हिरासत में लिया गया।

दाहोद 'बी' डिवीजन पुलिस ने 31 मई को बलवंत के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज की। पुलिस उपाधीक्षक जगदीशसिंह भंडारी ने बताया कि बलवंत की फर्म 'श्री राज कंस्ट्रक्शन कंपनी, पिपेरो' ने 2022-23 में दाहोद के धनपुर तालुका के भानपुर गांव में मनरेगा के तहत काम पूरा किए बिना सरकार से 33.86 लाख रुपये की राशि हासिल की।

मनरेगा घोटाले में तीसरी एफआईआर :

पुलिस के मुताबिक, यह दाहोद पुलिस की ओर से अप्रैल के बाद दर्ज की गई तीसरी एफआईआर है। जांच में पता चला कि कई एजेंसियों को मनरेगा के तहत काम के लिए ठेके दिए गए, लेकिन उन्होंने न तो काम पूरा किया और न ही जरूरी सामग्री दी। फिर भी, इन एजेंसियों ने फर्जी दस्तावेज

नगालैंड में विधायकों के पार्टी छोड़ने पर अजित पवार की पहली प्रतिक्रिया

काम पूरा न होने से थी बेचैनी

पुणे, 1 जून (एजेंसियां)। नागालैंड में अजित पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को बड़ा झटका लगा है। एनसीपी के सभी सात विधायक आधिकारिक रूप से मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) में शामिल हो गए हैं। अजित-पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी राज्य में मुख्य और सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी थी और विधायकों के सत्तारूढ़ एनडीपीपी में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी।

इस विलय से सीएम नेफ्यू रियो के नेतृत्व वाली एनडीपीपी को 60 सदस्यीय विधानसभा में पूर्ण बहुमत मिल गया है, जिससे इसकी संख्या 25 से बढ़कर 120 हो गई है। पार्टी में विभाजन के बाद एनसीपी की नागालैंड इकाई ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट का साथ दिया था।

चुनाव में तीसरी बड़ी पार्टी बनी थी एनसीपी :

2023 के विधानसभा चुनावों में एनसीपी राज्य में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, एनडीपीपी और उसकी सहयोगी भाजपा के बाद, जिसने 12 सीटें जीती थी। स्पीकर शारिंगैन लोंगकुमेर द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सातों विधायकों ने उपस्थित होकर एनडीपीपी में विलय के अपने निर्णय से संबंधित औपचारिक पत्र सौंपे।

विधानसभा अध्यक्ष ने विलय को दी मंजूरी :

तेनिंग के नामरी नचांग, लॉन्गलेंग के ए पोंगशी फोम, नोक्लाक के पी लॉन्गोनअटोइज़ु के पिक्टो शोहे, वोखा टाउन के वाई म्होनबेमो हम्त्सो, मोन टाउन के वाई मनखाओ कोन्याक और सुरुहोतो के एस तोइहो येप्थो ने एनडीपीपी का दामन थाम लिया है। वक्ता ने कहा कि यह विलय दसवीं अनुसूची के तहत संवैधानिक आवश्यकता को पूरा करता है। आदेश में कहा गया कि अध्यक्ष ने विलय को मंजूरी दे दी है और विधानसभा सचिवालय को पार्टी संबद्धता रिकॉर्ड को तदनुसार अद्यतन करने का निर्देश दिया है।

जेल में रहकर पिता बना आतंकी लखवी : ओवैसी

अल्जीरिया में कहा- आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा पाकिस्तान, एफएटीएफ इसे फिर ग्रे लिस्ट में डाले

अल्जीरिया, 1 जून (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कुख्यात आतंकी जकीउर रहमान लखवी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे वह पाकिस्तान की जेल में कैद रहकर भी एक बच्चे का पिता बन गया। उन्होंने अल्जीरिया में कहा- एक आतंकवादी पाकिस्तान में कैद रहते हुए पिता बन गया। दुनिया का कोई भी देश आतंकवाद के आरोप का सामना कर रहे आतंकवादी को जेल से बाहर आने की अनुमति नहीं देगा, लेकिन वह जेल में बैठे-बैठे ही एक बेटे का पिता बन गया।

ओवैसी ने कहा कि जब पाकिस्तान फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में आया, तभी लखवी के खिलाफ मुकदमा आगे बढ़ा। उन्होंने विश्व समुदाय और एफएटीएफ से पाकिस्तान को दोबारा ग्रे लिस्ट में डालने की अपील की, ताकि उसकी गतिविधियों पर लगाम लगाई जा सके। बता दें कि ओवैसी मोदी सरकार के आतंकवाद-विरोधी सर्वदलीय विदेशी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। फिलहाल वे अल्जीरिया के दौरे पर हैं।

ओवैसी ने पाकिस्तान पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाते हुए कहा कि निर्दोष लोगों को मारना तो इस्लाम की शिक्षा के भी खिलाफ है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान 'तकफीरवाद (इस्लाम का दुश्मन)' का केंद्र बन चुका है। वहां के आतंकी संगठनों की विचारधारा में और आईएसआईएस, अल-कायदा की विचारधारा में कोई फर्क नहीं है।

यूपी के नए डीजीपी को मायावती ने गिनाईं चुनौतियां

योगी सरकार को भी घेरा, दिया बड़ा बयान

लखनऊ, 1 जून (एजेंसियां)। यूपी नए डीजीपी राजीव कृष्ण की नियुक्ति के बाद बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने योगी सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर लगातार तीन पोस्ट कर राज्य में बढ़ते अपराध और कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने नए डीजीपी के सामने अपराध नियंत्रण और कानून का राज स्थापित करने की बड़ी चुनौती बताते हुए सरकार से सक्रिय सहयोग की मांग की है। इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी नए कार्यवाहक डीजीपी को लेकर योगी सरकार पर सवाल उठा चुके हैं। और मायावती द्वारा इस तरह की पोस्ट ने अब योगी सरकार के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

मायावती का योगी सरकार पर हमला

मायावती ने एक्स अकाउंट पर पहले पोस्ट में कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में से ख़ासकर यूपी में सामंती व आपराधिक तत्वों का वर्चस्व होने से जातिवादी एवं साम्प्रदायिक द्वेष, हिंसा, अन्याय-अत्याचार तथा लोगों को उजाड़ने आदि की कार्रवाइयों से यह साबित है कि यहाँ कानून का राज सही से नहीं चल रहा है। उन्होंने दूसरी पोस्ट में नए डीजीपी राजीव कृष्ण की नियुक्ति का जिक्र करते हुए लिखा कि ऐसे माहौल में यूपी पुलिस के नए प्रमुख के सामने राज्य में अपराध नियंत्रण व कानून का राज स्थापित करके सर्वसमाज के लोगों को उचित राहत पहुँचाने का बड़ा चैलेन्ज। राज्य सरकार व सत्ताधारी दल के लोगों को भी यूपी में कानून का राज स्थापित करने में हर प्रकार का सहयोग व सक्रियता जरूरी। तीसरी पोस्ट में मायावती ने यूपी की प्रगति पर सवाल उठाते हुए कहा कि वैसे भी भारत के बहुआयामी विकास व यहां की विशाल आबादी की समग्र उन्नति में यूपी को देश की प्रगति की रीढ़ होना चाहिए, किन्तु इसके ग्रोथ इंजन बनकर उभरने के बजाय ज्यादातर अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की बदहाली को लेकर निगेटिव चर्चाओं में रहना क्या यह जन व देशहित में उचित?

डीजीपी राजीव कृष्ण की नियुक्ति

1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण को शनिवार को यूपी पुलिस का कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे डीजी विजिलेंस और पुलिस भर्ती बोर्ड के चेयरमैन के रूप में तैनात थे। राजीव कृष्ण को अपराध नियंत्रण और हाईटेक पुलिसिंग में उनके योगदान के लिए जाना जाता है।

लगातार कानून-व्यवस्था पर घेरा

यहां बता दें कि मायावती समय-समय और घटनाओं पर टिप्पणियां कर योगी सरकार और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती रहीं हैं। चूंकि अब यूपी में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट शुरू हुई है लिहाजा मायावती के तेवर उससे भी जोड़कर देखे जा रहे हैं।

आईएएस दिव्यांशु पटेल को धमकी मामले में नया मोड़, आरोपी ही निकले पीड़ित

मुरादाबाद, 1 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद नगर आयुक्त आईएएस अधिकारी दिव्यांशु पटेल को धमकी के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने तीनो आरोपियों को छोड़ दिया है। वहीँ नगर आयुक्त के यहां तैनात सुरक्षा कर्मियों पर जांच बैठा दी गयी है। पुलिस के मुताबिक सुरक्षा कर्मियों ने पार्क में सेल्फी लेते समय युवको से मोबाइल छेने थे और पांच हजार रूपए मांग रहे थे। फिलहाल इस मामले में अभी नगर आयुक्त की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। जानकारी के मुताबिक आईएएस दिव्यांशु पटेल के सेक्युरिटी गार्डों ने पार्क में सेल्फी लेते युवकों का मोबाईल फोन लूटा था। वापस करने के लिए वो युवकों से 5000 रुपए मांग रहे थे। युवकों से कहा कि नगर आयुक्त की कोठी पर आना और ले जाना, जब युवक वहां पहुंचे तो सुरक्षा गार्डों ने उन्हें झूठे मामले में गिरफ्तार करा दिया। युवक गार्डों को एक हजार रुपए दे रहे थे। पहले बताया गया था कि ये तीनों युवक नगर आयुक्त को जान से मारने की धमकी देते हुए आवास में घुसने की कोशिश कर रहे थे। जिन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया था, आरोप लगाया गया कि ये कई दिनों से नगर आयुक्त के घर की रेकी कर रहे हैं। पुलिस ने तीनो से पूछताछ की तो पता चला कि इनमें एक नाबालिग भी है और उन्होंने दोनों होमगाड्र्स की करतूत पुलिस बताई। पुलिस ने पीलीकोठी और आसपास के सीसीटीवी देखे तो युवक आराम से जाते हुए दिखे। जबकि गाड्र्स ने जो बताया था वो झूठ निकला। लिहाजा पुलिस ने तीनों को बेक़सूर बताते हुए छोड़ दिया।

पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार का भावुक पोस्ट, अब मेरे कंधे पर सितारे नहीं होंगे

लखनऊ, 1 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार ने सेवानिवृत्ति के बाद एक भावुक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने अपने समूचे कार्यकाल को याद करते हुए पुलिस महकमे का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि हमारी वर्दी अस्थायी है लेकिन ड्यूटी हमेशा रहती है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर प्रशांत कुमार ने रविवार, 1 जून को लिखा- कल जब सेवानिवृत्त हुआ तो मेरा दिल कृतज्ञता, गर्व और अपनेपन की भावना से भरा था। यह सिर्फ फेयरवेल नहीं है बल्कि यह रुकने, विचार करने और सेवा की इस असाधारण यात्रा में मेरे साथ चलने के लिए आप सभी को धन्यवाद देने का अवसर है। वर्दी में पहले दिन से लेकर इस मौके तक, मैंने हर दिन लोगों की सेवा करने, न्याय को बनाए रखने और अपनी पुलिस के साथ खड़े होने के एक मात्र उद्देश्य के साथ जिया। पूर्व आईपीएस ने लिखा- हम जो करते हैं वह सिर्फ एक नौकरी नहीं बल्कि एक

आह्वान है। इस दौरान मुझे आप सभी का साथ देने का सौभाग्य मिला है। मूसलाधार बारिश में खड़े होकर ट्रैफिक मैनेज करने वाले कॉन्सटेबल से लेकर, उस अधिकारी तक जिसने रातों की नींद हराम करके एक केस को सुलझाया। वह टीमें जिन्होंने इनोवेशन पर जोर दिया, आप इस पुलिस की सच्ची आत्मा हैं।

हमने नागरिकों में विश्वास बहाल किया- पूर्व डीजीपी

पूर्व डीजीपी ने लिखा- मैं उत्तर प्रदेश पुलिस की भव्य तस्वीर का सिर्फ एक धागा रहा हूं, और फिर भी आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण होने का एहसास दिलाया। करियर के इन सालों में हमने एक साथ त्रासदी से लेकर विजय और परिवर्तन तक देखे। हमने पुलिसिंग को आधुनिक बनाया, साइबर अपराधों का सामना किया और संकटों का जवाब दिया। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि हमने नागरिकों में खाकी के प्रति विश्वास बहाल किया। मेरे लिए, यह सबसे बड़ा पदक है जिसे मैं सेवानिवृत्ति में ले जाउंगा।

बकरों से लदा कैंटर डिवाइडर से टकराया पिता-पुत्र समेत चार की मौत, छह घायल

अलीगढ़, 1 जून (एजेंसियां)। थाना गभाना के अलीगढ़-दिल्ली हाईवे पर 1 जून तड़के 3.30 बजे बकरों से लटा कैंटर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। एक अन्य कैंटर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी। दोनों हादसों में पिता-पुत्र समेत एटा के चार लोगों की मौत हो गई। छह लोग घायल हुए हैं। थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि एटा के कस्बा मारहरा के पशु व्यापारी कुछ लोगों के साथ दो कैंटरों में बकरे-बकरियां, भेड़ लादकर दिल्ली बेचने के लिए जा रहे थे। एक कैंटर पर छह और दूसरे कैंटर पर पांच लोग सवार थे। बकरों से लदा आगे चल रहा एक कैंटर गभाना हाईवे के गांव भुकरावली के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार कैंटर बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गया। कैंटर के ऊपर बैठे छह लोग झटके से नीचे गिर गए, जिसमें हजारी लाल (65) की मौके पर मौत हो गई, जबकि इनके बेटे अमर सिंह (32) और हरीशचंद्र निवासी मारहरा एटा को मेडिकल कॉलेज में मृत घोषित कर दिया।

टॉयलेट के पानी से धो रहे थे बर्तन, भूरा खान के बृजवासी होटल में हो रहा था ये खेल

मथुरा, 1 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा के बरसाना के एक होटल में टॉयलेट के गंदे पानी से बर्तन धोने का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने इस पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की और होटल संचालक पर एक्शन लिया।

ये मामला बरसाना की गोवर्धन रोड स्थित एक होटल का है, जहां शौचालय के पानी से बर्तन धोने के बाद उनमें खाना परोसा जा रहा था। इस होटल को एक मामा और भांजे चला रहे थे। उनके होटल में गंदे पानी से खाने के बर्तन धोने का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वैसे ही लोगों के रिएक्शन आने शुरू हो गए थे। लोगों ने इस पर नाराजगी जाहिर की थी। इस मामले पर पुलिस ने होटल संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद पुलिस शेरगढ़ के रहने वाले मामा भूरा खान और भांजे को हिरासत में लेने के लिए होटल पहुंची। इस मामले को लेकर कस्बा इंचार्ज अवधेश पुरोहित ने बताया कि होटल संचालक भूरा खान के खिलाफ संक्रमित खाना परोसने और लोगों की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने के साथ चाइल्ड अधिनियम में कार्रवाई की गई है। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बरसाना में होटलों के साथ-साथ छोटे बड़े दुकानदारों की भी चेकिंग कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

यूपी में पैसेंजर ट्रेन पलटाने की साजिश ट्रैक पर रखे लोहे व सीमेंट के पाइप

शामली, 1 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से शामली होते हुए सहारनपुर जाने वाली ट्रेन को पलटाने की साजिश की गई। बलवा-शामली रेलवे मार्ग पर ट्रैक पर सीमेंट और लोहे के पाइप रखे गए, इसके अलावा कई पत्थर भी रखे मिले। सूचना पर आरपीएफ, जीआरपी मौके पर पहुंची और स्थानीय पुलिस को भी सूचना दी। फिलहाल अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। शनिवार की रात दिल्ली सात बजे चलकर शामली होते हुए ट्रेन सहारनपुर जाती है। जब ट्रेन रात साढ़े नौ बजे शामली-बलवा के बीच पहुंची तो रेलवे ट्रेक पर पत्थर, सीमेंट के पाइप और लोहे के पाइप रखे देख लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर आरपीएफ, जीआरपी को सूचना दी।

सूचना पर स्थानीय पुलिस आरपीएफ, जीआरपी, एसपी राम सेवक गौतम आदि मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। ट्रैक से पत्थर, लोहे का पाइप और सीमेंट का पाइप हटवाया गया। फिलहाल आरपीएफ ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के गांव में आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है। इसके अलावा ट्रेनों के गुजरने के दौरान रेलवे ट्रैक के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। रविवार सुबह से गुजरी कई ट्रेनों के दौरान आरपीएफ, जीआरपी अलर्ट रहे।

मद्य निषेध विभाग की कार्रवाई के दौरान युवक की मौत

पटना, 1 जून (एजेंसियां)। पटना जिले के मसौढ़ी अनुमंडल अंतर्गत निसियावां गांव में मद्य निषेध विभाग की कार्रवाई के दौरान एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शराब पीने के आरोप में कार्रवाई से बचने के लिए उपेंद्र बिंद (40 वर्ष) भाग रहे थे, तभी वे पास के एक तालाब में गिर पड़े। तालाब में डूबने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने मृतक के शव को अनुमंडल चौराहे पर रखकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने सड़क पर आगजनी कर मद्य निषेध विभाग के खिलाफ नारेबाजी की और सड़क को पूरी तरह से जाम कर दिया। प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित भीड़ ने मद्य निषेध विभाग की गाड़ी को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। आगजनी और जाम के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा और सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को शांत करने और जाम हटाने की कोशिश की। हालांकि लोगों की मांग है कि मद्य निषेध विभाग की लापरवाही के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। बताया गया कि मद्य निषेध विभाग की टीम मसौढ़ी अनुमंडल क्षेत्र में शराब की बिक्री और सेवन के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में निसियावां गांव में छापेमारी की गई थी। इसी दौरान यह दुखद घटना सामने आई।

गाजियाबाद के आश्रम में वेब सीरीज वाला कांड

युवक ने साध्वी के साथ किया रेप

गाजियाबाद, 1 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी से सटे गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र में संचालित गुरुकुल शांतिधाम में एक महिला साध्वी के साथ रेप का मामला आया है। गुरुकुल शांतिधाम में हुई इस रेप की वारदात की वजह से जिले की शांति भंग हो गई है। खबर मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने आश्रम संचालिका 60 वर्षीय दिव्य योग माया सरस्वती और उनकी सहायिका शबनम को अरेस्ट कर लिया है। हालांकि अभी भी रेप को अंजाम देने वाला आरोपी फरार है। इस आरोपी की पहचान गोकुल के रूप में हुई है। आरोप है कि आश्रम संचालिका व महिला कर्मी ने पीड़ित साध्वी को झांसे में लेकर पहले कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया। वहीं जब वह बेहोश हो गई तो उसे रेप के लिए आरोपी गोकुल को सौंप दिया। पीड़िता के मुताबिक होश आने पर उसने घटना का विरोध किया। इस दौरान तीनों आरोपियों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की थी। साथ ही उसका अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने की भी कोशिश की। वारदात के बाद से ही आरोपी गोकुल आश्रम से फरार है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी के बाद आश्रम संचालिका से कड़ाई से पूछताछ की गई है। इस दौरान दोनों आरोपियों ने वारदात को कबूल किया है। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील के मुताबिक तीसरे आरोपी गोकुल की गिरफ्तारी के लिए दबिश तेज कर दी गई है। उसके हर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। हालांकि अभी वह अंडरग्राउंड है। फिलहाल पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली बॉर्डर से सटे कौशांबी में संचालित गुरुकुल शांतिधाम में योग संयमित जीवन का पाठ पढ़ाया जाता है।

'महबूबा के तो डीएनए में ही आतंकी हैं'

बोले गिरिराज सिंह- इस देश का एलओपी कांग्रेस है

बेगूसराय, 1 जून (एजेंसियां)। बेगूसराय के सांसद सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य है कि इस देश का एलओपी कांग्रेस है। और ऐसे प्रश्न खड़ा कर रहे है। अगर इनको अभी भी ऑपरेशन सिंदूर पर सबूत चाहिए तो यह पाकिस्तान से जाकर सबूत मांगे। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी ने सब दिन सेना के शौर्य पर सबूत मांगने का काम किया है। ऑपरेशन सिंदूर को दुनिया ने देखा है। इस ऑपरेशन सिंदूर को दुनिया ने देखा और सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में घुसकर सेना ने टारगेटेड कर आतंकियों का अड्डा को उड़ाने का काम किया। आज फिर कांग्रेस सबूत मांग रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सबूत दे नहीं रही है और खड़गे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा है कि इस तरह का सबूत खड़गे के जरिए मांगा जा रहा है उनको तो शर्म करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने महबूबा मुफ़्ती पर भी जमकर भड़ास निकाली उन्होंने कहा कि महबूबा मुफ्ती जिंदगी भर आतंकियों का समर्थक रही हैं।

मोदी कैबिनेट में मंत्री रहते भी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे चिराग पासवान

पटना, 1 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली एनडीए सरकार के मंत्री चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का मन बना रहे हैं। चिराग के बाद उनके बहनोई अरुण भारती ने भी इसके संकेत दिए हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि चिराग को किसी सामान्य सीट से चुनाव लड़ना चाहिए। चिराग पासवान के बहनोई और जमुई से सांसद अरुण भारती ने चिराग पासवान के किसी सामान्य सीट से चुनाव लड़ने की बात कही है।

इससे पहले चिराग पासवान खुद कई बार यह कह चुके हैं कि वह बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं। पिछले सप्ताह चिराग पासवान ने हाजीपुर में विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कही थी। अरुण भारतीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा जब नेता पूरे बिहार का है, तो

सीट का दायरा क्यों सीमित हो ? कार्यकर्ताओं की यह भी भावना है कि इस बार चिराग पासवान जी बिहार विधानसभा के चुनाव में किसी आरक्षित सीट से नहीं, बल्कि एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ें। चिराग पासवान अब सिर्फ एक समुदाय की नहीं, पूरे बिहार की उम्मीद हैं।

हाजीपुर से सांसद हैं चिराग

चिराग पासवान हाजीपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद और मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। चिराग कुमार पासवान वर्तमान मोदी 3.0 कैबिनेट में कैबिनेट मंत्री हैं। उन्होंने 9 जून 2024 को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री के रूप मे शपथ ली थी। उन्हें पीएम मोदी का हनुमान भी कहा जाता है। पीएम मोदी के साथ उनके रिश्ते काफी अच्छे हैं और देना हमेशा गर्मजोशी के साथ मिलते हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 में बढ़ा चिराग का कद

चिराग पासवान के चाचा पशुपति पारस ने सांसदों को साथ लेकर अलग पार्टी बना ली थी और एनडीए में शामिल हो गए थे। ऐसे में चिराग के खेमे में कोई सांसद नहीं बचा था। इसके बाद उन्होंने लगातार मेहनत की और एनडीए में शामिल होकर अपने नेताओं के लिए टिकट हासिल किया। इसके बाद जनता के बीच अपनी पकड़ बनाई और पार्टी के पांच उम्मीदवारों को जीत दिलाने में सफल रहे। एनडीए की गठबंधन सरकार में उन्हें मंत्री पद भी दिया गया। अब वह पीएम मोदी के करीबी नेताओं में शामिल हैं और उनके पास मंत्रालय भी है। ऐसे में उनके विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना कम हो, लेकिन उन्होंने खुद और अब उनके जीजा अरुण बहनोई ने इसके संकेत दिए हैं।

विवादों के बीच तेज प्रताप यादव का लालू-राबड़ी को मैसेज, 'मां-पापा! आप भगवान से बढ़कर हैं

पटना, 1 जून (एजेंसियां)। तेज प्रताप यादव को उनके पिता और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। वहीं इस घटना के बाद से जमकर राजनीति हो रही है। अब लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव ने मम्मी-पापा के नाम एक संदेश लिखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट की है, जिसके बाद अब फिर से राजनीतिक माहौल गर्म होने वाला है। उन्होंने पोस्ट में अपने साथ मौजूद जयचंदों की तरफ भी इशारा किया है। उन्होंने कहा कि मुझे सिर्फ आप लोगों का प्यार और विश्वास चाहिए। बता दें कि सोशल मीडिया पर तेज प्रताप यादव के अकाउंट से की गई एक पोस्ट के बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित किया गया है। दरअसल, तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट की है। अपनी पोस्ट में उन्होंने एक्स पर लिखा, मेरे प्यारे मम्मी पापा। मेरी सारी दुनिया बस आपदोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर हैं आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप हैं तो सबकुछ है मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए ना कि कुछ और। पापा आप नहीं होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी पापा आप दोनों स्वस्थ और खुश रहे हमेशा।

बता दें कि हाल ही में राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने तेज प्रताप को छह साल के लिए पार्टी से निकाला है। इससे पहले तेज प्रताप यादव की एक तस्वीर उनके फेसबुक अकाउंट से शेयर की गई थी। इस तस्वीर में वह एक महिला के साथ नजर आ रहे थे। इसके साथ ही लिखा गया था कि दोनों 12 साल से रिलेशन में हैं। हालांकि, कुछ समय बाद तेज प्रताप ने कहा कि उनका अकाउंट हैक हुआ है और उन्हें बदनाम करने के लिए यह सब किया जा रहा है। उन्होंने फोटो को भी फेक करार दिया था और कहा था कि इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाया गया है।

सपा सांसद प्रिया सरोज और क्रिकेटर रिंकू की शादी की तारीख तय

लखनऊ, 1 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज और भारतीय क्रिकेटर रिंकू की शादी की तारीख का ऐलान हो गया है। 8 जून को लखनऊ में प्रिया और रिंकू की सगाई है। वहीं, वाराणसी में दोनों 18 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। यह शादी वाराणसी के होटल ताज से होगी। जाहिर है कि प्रिया सरोज और रिंकू सिंह की शादी की खबरों से क्रिकेट फैंस में खुशी है तो वहीं राजनीति के गलियारों से भी लोग प्रिया सरोज को बधाई दे रहे हैं। दोनों की शादी में क्रिकेट के बड़े सितारे तो दिखेंगे ही, साथ ही राजनीति जगत के बड़े नेता, फिल्मी हस्तियां और उद्योगपति भी इस खुशी में शामिल होंगे। प्रिया सरोज और रिंकू सिंह की शादी की बात इस साल के जनवरी महीने में ही हो गई थी। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के परिवार ने खुशखबरी शेयर करते हुए कहा था कि दोनों बच्चे एक दूसरे को पसंद करते हैं और शादी करना चाहते हैं। इससे दोनों परिवारों में खुशी की लहर आ गई है।

कैसे हुई थी प्रिया सरोज और रिंकू सिंह की मुलाकात

समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज ने खुद यह जानकारी दी थी कि उनकी बेटी प्रिया की एक दोस्त के पिता क्रिकेटर हैं। उन्हीं के जरिए रिंकू सिंह और प्रिया की मुलाकात हुई थी। दोनों काफी समय से एक दूसरे को जानते हैं। बता दें, 26 वर्षीय प्रिया सरोज उत्तर प्रदेश के मछलीशहर से सांसद हैं। इसी सीट से उनके पिता तूफानी सरोज तीन बार के सांसद रहे हैं। वहीं, रिंकू सिंह इंडियन क्रिकेट टीम के बड़े खिलाड़ी हैं, जो टी-20 खेल में अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस से जाने जाते हैं। शादी की चर्चा के शुरुआती दिनों में केराकत सीट से विधायक और प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज ने बताया था कि दोनों परिवारों की मुलाकात अलीगढ़ में हुई थी और यह तय किया गया था कि आईपीएल के बाद शादी की तारीख तय कर ली जाएगी। अब रिंकू और प्रिया 8 जून को एक दूसरे को अंगूठी पहनाएंगे और फिर 18 नवंबर को बनारस में शादी के पवित्र बंधन में बंध जाएंगे।

साल 2023 में किया शानदार प्रदर्शन

सबसे पहले डीपीएस के मैदान पर आयोजित इंटरनेशनल स्कूली विश्वकप में मैन ऑफ द सीरीज का खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं। क्रिकेट के जानकारों का ध्यान जब उनकी ओर गया तो उनका सफर शुरू हुआ और वह आईपीएल में पहुंचे। इसी दौरान केकेआर की ओर से खेलते हुए 2023 में शानदार प्रदर्शन के बाद वे देश में चर्चित हुए। फिर इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट टीम के सदस्य बने और एकदिवसीय टीम में स्थान पाया। अब उनकी संपत्ति करोड़ों में पहुंच गई है। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में केकेआर ने उन्हें 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: त्याग और परिश्रम भी उसी चीज के लिए करें जो आपको अपना समझते है ।

केंद्र में फासीवादी शासन को करारा सबक सिखाने की सख्त जरूरत : टीपीसीसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और एआईसीसी सचिव बस्तर प्रभारी संपत कुमार ने सुंदरैया नॉलेज सेंटर में एक गोलमेज बैठक में भाग लिया। हालिया मुठभेड़ों के मुद्दों पर कम्युनिस्ट पार्टियों के तत्वावधान में गोलमेज बैठक में टीपीसीसी अध्यक्ष एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि देश में इस समय फासीवादी तरीके से शासन किया जा रहा है जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। केंद्र सरकार द्वारा ऑपरेशन कगार के नाम पर की गई कार्रवाई की हम कड़ी निंदा करते हैं। हम इसे शांति और संविधान के खिलाफ विध्वंसकारी कार्रवाई मानते हैं। उन्होंने कहा कि माओवादियों ने जब बातचीत के लिए तैयार होने की घोषणा की थी, तब भी प्रधानमंत्री नहीं झुके। लेकिन अगर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया तो वे आतंकवादियों से बातचीत के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम की पेशकश करने वाली केंद्र सरकार माओवादियों से बातचीत करने के बजाय नरसंहार क्यों कर रही है, जो हमारे नागरिक हैं? सरकारों को संविधान के अनुसार काम करना चाहिए। यह लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है। कांग्रेस पार्टी अहिंसा की नींव पर बनी है। हम किसी की भी हिंसा की निंदा करते हैं। पहले आर्थिक विषमताओं के कारण नक्सलवाद का जन्म हुआ था। उस दौर में गांवों में होने वाले अत्याचारों को नक्सलवाद ने कुछ हद तक कम किया था। लेकिन धीरे-धीरे यह भटक गया और विचारधाराओं के विरूद्ध व्यक्तिगत मतभेदों को सुलझाने के प्रयासों का मंच बन गया। साथ ही, नक्सलवाद को मिटाने के शांतिपूर्ण समाधान पर विचार किए बिना, केंद्र शांति और सुरक्षा के मुद्दे का बहाना बनाकर ऑपरेशन कगार के नाम पर कुकृत्य कर रहा है।इस ऑपरेशन के माध्यम से, कॉरपोरेट कंपनियों के लिए वन क्षेत्रों में खनिज संपदा को लूटने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्ता में आने के बाद, भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। धर्म और जाति के नाम पर राजनीतिक लाभ हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 में किए गए वादों को लागू करने के बजाय, भाजपा धार्मिक भावना का बहाना बनाकर सत्ता बनाए रखने की कोशिश कर रही है। ऐसी परिस्थितियों में, धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एकजुट होने की बहुत आवश्यकता है। राज्य में कम्युनिस्ट भावना रखने वालों को मजबूत किया जाना चाहिए। देश भर में लोकतांत्रिक भावना रखने वाले लोगों को एकजुट होने और आगे बढ़ने का समय आ गया है। केंद्र में फासीवादी शासन को करारा सबक सिखाने की सख्त जरूरत है।

जनता को लूटने के आरोप में 11 साहूकारों पर केस

आदिलाबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जिले भर में फाइनेंसरों पर की गई अचानक छापेमारी के दौरान ग्यारह साहूकारों पर अत्यधिक ब्याज दर वसूलने का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने साहूकारों से वचन पत्र, स्टाम्प पेपर, खाली चेक लीफ और संपत्तियों की बिक्री के दस्तावेज जब्त किए। पुलिस ने कहा कि सामान्य से अधिक ब्याज दर वसूलने के आरोप में अदेमल्ला नारायण रेड्डी, मोहन, उत्तुरवर आनंद, नरलावर राधिका और सांबवाशिव, आदिलाबाद शहर के मराटे हेमंत कुमार, मावला के एनुगु लक्ष्मा रेड्डी और गोपीदी नवीन रेड्डी, रामपुर के अन्नम प्रभाकर, कप्पारला के गंद्रथ अशोक और निप्पानी गांव के निवासी जिट्टा सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। डीएसपी एल जीवन रेड्डी के नेतृत्व में पुलिस की 20 टीमों ने अवैध फाइनेंसरों पर छापेमारी की, जो कथित तौर पर भारी ब्याज दर वसूल कर लोगों को लूटते हैं। जीवन रेड्डी ने चेतावनी दी कि ऋण के बदले संपत्ति पंजीकृत करना अपराध है और ऐसे साहूकारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सपनों को सच और प्रभावशाली बनाएगा ताज : मिस वर्ल्ड ओपल सुचाता चुआंग्सरी

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिस वर्ल्ड का ताज और सैश पहनकर ओपल सुचाता चुआंग्सरी का मानना है कि वह अपने सपनों को प्रभावशाली बना सकती हैं। शनिवार रात को ताज पहनने के बाद मीडिया से बात करते हुए चुआंगश्री ने कहा कि अब जब मेरे पास ताज और सैश के साथ मिस वर्ल्ड का खिताब है, तो मेरे पास अन्य लोगों के उद्देश्यों को साकार करने और प्रभावशाली होने का मौका है। इसलिए, मैं एक साल तक मिस वर्ल्ड संगठन के साथ यही काम करूंगी।

चुआंग्सरी ने यह भी कहा कि थाईलैंड 72 साल से अधिक समय से मिस वर्ल्ड के ताज का इंतजार कर रहा है। चुआंग्सरी ने कहा कि थाईलैंड में मेरे लोग, हम 72 साल से ज़्यादा समय से पहली मिस वर्ल्ड के ताज का इंतज़ार कर रहे हैं, और मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि अपना पहला ताज वापस घर लाना मेरे लिए सम्मान की बात होगी और मुझे न सिर्फ़ खुद पर, बल्कि अपने लोगों और अपनी टीम पर भी बहुत गर्व है, क्योंकि यही वजह है कि मैं यहां हूं। चुआंग्सरी ने यह भी कहा कि वह भारत में बिताए अपने पलों को हमेशा संजोकर रखेंगी।

चुआंग्सरी ने कहा कि मैं अभी अपने दोस्तों से बात कर रही थी कि मैं इस जगह को छोड़ना नहीं चाहती, क्योंकि हम जहां रह रहे हैं, यहां के लोगों के साथ, खाने और हर चीज के साथ, हम यहां आकर बहुत खुश हैं। यह एक शानदार यात्रा थी। मैंने यहां सभी के साथ बहुत सारी यादें बनाई हैं। 72वीं मिस वर्ल्ड ने कहा कि हालांकि वह अपने खुद के ब्यूटी विद अ परपज प्रोजेक्ट पर काम करेंगी, लेकिन वह अपने कार्यकाल के दौरान अन्य प्रतियोगियों के प्रोजेक्ट का समर्थन करने की भी कोशिश करेंगी।

चुआंग्सरी ने कहा कि मेरा प्रोजेक्ट ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता और महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित है, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, चूंकि मैं मिस वर्ल्ड हूं, इसलिए मेरे पास अन्य प्रोजेक्ट्स को भी सपोर्ट करने के अधिक अवसर हैं। मैं चुनाव नहीं करना चाहती : अगर मुझे सभी को सपोर्ट करने का मौका मिले, तो मैं सभी को सपोर्ट करना चाहती हूं। इथियोपिया की हासेट डेरेजे को फर्स्ट रनर-अप, पोलैंड की माजा क्लाजडा को सेकंड रनर-अप और मार्टीनिक की ऑरेली जोआचिम को थर्ड रनर-अप का खिताब मिला। भारत तीसरी बार मिस वर्ल्ड की मेज़बानी कर रहा है। पहली मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता 1996 में बेंगलुरू में आयोजित की गई थी, जिसके दो साल बाद 1994 में ऐश्वर्या राय ने ताज जीता था और पिछले साल दिल्ली और मुंबई ने 71वीं मिस वर्ल्ड की मेज़बानी की थी।

केंद्र सरकार शांति वार्ता की पेशकश स्वीकार करने के बजाय माओवादियों को मार रही है : प्रो. हरगोपाल

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक कार्यकर्ता प्रोफेसर जी. हरगोपाल ने आज आरोप लगाया कि केंद्र सरकार माओवादियों को मारने पर तुली हुई है, जो उसके साथ शांति वार्ता करने के लिए तैयार हैं। प्रोफेसर हरगोपाल ने रविवार को सुंदरय्या विज्ञान केंद्र में पूर्व क्रांतिकारी छात्र मंच के तत्वावधान में आयोजित एक सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दिया। सम्मेलन का आयोजन गुंडेकोट वन क्षेत्र में हाल ही में हुई मुठभेड़ में मारे गए लोगों की स्मृति के हिस्से के रूप में किया गया था। प्रोफेसर हरगोपाल के साथ विवेकम के संपादक एन. वेणुगोपाल, भारत बचाओ नेता डॉ. एमएफ गोपीनाथ, विरसम नेता पाणि, सीएलसी नेता लक्ष्मण, अतराम भुजंगा राव, बुराम अभिनव और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया और माओवादी पार्टी केंद्रीय समिति के सचिव नंबल्ला केशव राव, जो गुंडेकोट मुठभेड़ में मारे गए थे, और अन्य को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए हरगोपाल ने कहा कि इतिहास तेजी से बदल रहा है और देश में लोकतंत्र खतरे में है। विरसम नेता नायक पाणि ने कहा कि पिछले कुछ समय से शासकों द्वारा अपनाई जा रही नीतियों के कारण देश एक अजीब संकट में फंसता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां लोग, नागरिक समाज समूह और मानवाधिकार समूह शांति वार्ता की मांग कर रहे हैं, वहीं केंद्र सरकार दमन में विश्वास कर रही है। सम्मेलन में भाग लेने वाले वक्ताओं ने कहा कि सभी को केंद्र सरकार के व्यवहार की निंदा करनी चाहिए, जो कहती है कि वह अपने कार्यों पर सवाल उठाने वालों को खत्म कर देगी। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा, एक तरफ क्रांतिकारी पार्टी ने घोषणा की है कि वह बातचीत के लिए तैयार है और युद्ध विराम करेगी, लेकिन केंद्र सरकार कह रही है कि वह बंदूक से समस्याओं का समाधान करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह माओवादियों की नहीं, बल्कि आदिवासियों की समस्या है। प्रोफेसर घंटा चक्रपाणि ने कहा कि ऑपरेशन कगार के नाम पर की जा रही हिंसा जारी नहीं रहनी चाहिए और समाज को इसका विरोध जरूर करना चाहिए। दृश्य संपादक एन. वेणुगोपाल ने अफसोस जताया कि केंद्र की यह घोषणा कि उसका लक्ष्य माओवादियों का उन्मूलन करना है, जो मुसीबत में फंसे हर व्यक्ति की ओर से लड़ रहे हैं, संविधान की भावना का उल्लंघन है।

पारिवारिक समस्याओं के चलते फल विक्रेता ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुलसुमपुरा में शनिवार रात एक फल विक्रेता ने पारिवारिक समस्याओं के कारण आत्महत्या कर ली। शाहलीडंदा निवासी शेख वसीम (28) की शादी आठ साल पहले नसरीन से हुई थी। वसीम की पत्नी ने महिला थाने में उसके खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया था, जिसके बाद से पिछले डेढ़ साल से दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। वसीम को शक था कि नसरीन की बहन परवीन और उसका पति नसरीन को उससे तलाक लेने के लिए उकसा रहे हैं। सब इंस्पेक्टर कुलसुमपुरा बी भास्कर राव ने बताया कि इस बात से दुखी होकर वह व्यक्ति पेट्रोल पंप गया, पेट्रोल की बोतल खरीदी और पुरानापुल के 100 फीट रोड पर आ गया। इसके बाद उसने खुद पर पेट्रोल छिड़का और आग लगा ली। स्थानीय लोगों से जानकारी मिलने पर पुलिस ने वसीम को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

कविता ने की रेवंत रेड्डी से जीएचएमसी मानसून टेंडर को रद्द करने की मांग

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से जीएचएमसी के तहत मानसून आपातकाल और तत्काल मरम्मत टीमों के लिए जारी निविदाओं को तुरंत रद्द करने की मांग की, उन्होंने चुनिंदा कंपनियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से गंभीर अनियमितताएं करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कविता ने कहा कि नगर प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने एक विदेशी कंपनी और दो ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए निविदा नियमों में हेराफेरी की है, जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक निधियों पर 5.85 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक बोझ पड़ा है। उन्होंने बताया कि पिछली वार्ड-वार निविदा प्रणाली, जिससे 150 से अधिक स्थानीय ठेकेदारों को लाभ हुआ था, को ज़ोन-वार मॉडल द्वारा बदल दिया गया है, जिससे तेलंगाना स्थित बीसी ठेकेदारों को अवसर से वंचित होना पड़ा है।

बीआरएस एमएलसी ने जीएचएमसी इंजीनियरिंग अधिकारियों पर जानबूझकर स्थानीय भागीदारी को बाहर करने का आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने एक खास विदेशी ब्रांड के वाहनों के इस्तेमाल को अनिवार्य बना दिया है, जिसकी हैदराबाद में सीमित मौजूदगी है। उन्होंने कहा कि शोरूम प्रबंधन तेलंगाना के ठेकेदारों के साथ साझेदारी करने के लिए तैयार नहीं हैं, जबकि अधिकारी कम समय में कर्नाटक के डीलरों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले ठेकेदारों से एमओयू की भौतिक प्रतियों की मांग करके और अधिक बाधाएं पैदा कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वाहन मॉडल 2-3 क्यूबिक मीटर सामग्री ले जा सकते थे, जबकि नए निर्दिष्ट वाहन एक क्यूबिक मीटर भी नहीं संभाल सकते। उन्होंने मौजूदा प्रक्रिया को अव्यावहारिक और पक्षपातपूर्ण बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री से, जो नगर प्रशासन मंत्री भी हैं, टेंडर रद्द करने और सार्वजनिक धन और स्थानीय रोजगार की रक्षा के लिए वार्ड-वार प्रणाली को बहाल करने का आग्रह किया।

117वां श्री सिंहवाहिनी महानकाली मंदिर बोनालु 11 जुलाई को होगा शुरू

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर में श्री सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर में 117वां बोनालु उत्सव 11 जुलाई को विशेष पूजा के साथ शुरू होगा और 21 जुलाई को लाल दरवाजा से नयापुल ब्रिज तक निकाली जाने वाली 'घाटम' शोभायात्रा के साथ संपन्न होगा। श्री सिंहवाहिनी श्री महाकाली देवालयम के अध्यक्ष बी मारुति यादव ने कहा कि उत्सव भव्य तरीके से मनाया जाएगा। राज्य सरकार ने हमें समारोह के सफल आयोजन के लिए हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। मंदिर समिति के सदस्यों ने कहा कि 10 दिवसीय उत्सव में हजारों लोग भाग लेने जा रहे हैं।

के चंद्रशेखर राव का शासन भारत के लिए एक आदर्श : नागेश्वर राव

खम्मम, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद नामा नागेश्वर राव ने कहा कि तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का 10 साल का शासन देश के लिए एक आदर्श था क्योंकि उन्होंने कई विकास और कल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया। बीआरएस लोकसभा पार्टी के पूर्व नेता नागेश्वर राव ने तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर तेलंगाना के लोगों को शुभकामनाएं दीं। रविवार को यहां एक बयान में उन्होंने लोगों से तेलंगाना के निर्माण के लिए शहीदों और कार्यकर्ताओं के बलिदान को याद करने का आह्वान किया।

पूर्व सांसद ने याद दिलाया कि आंध्र प्रदेश राज्य पुनर्गठन विधेयक उस समय पेश किया गया था जब वह 15वीं लोकसभा में संसदीय दल के नेता थे और राज्य से इसके पक्ष में पहला वोट डालने वाले वे ही सांसद थे। चंद्रशेखर राव ने महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए अहिंसा के मार्ग पर शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व करके लोगों की लंबे समय से चली आ रही इच्छा को पूरा किया। उन्होंने कहा कि रैतु बंधु, रैतु बीमा, मिशन भगीरथ, मिशन काकतीय, कल्याण लक्ष्मी, आसरा पेंशन, केसीआर किट्स, कांति वेलुगु और डबल बेडरूम वाले घरों के निर्माण जैसी योजनाओं से समाज के गरीब और दबे-कुचले वर्गों को बहुत लाभ हुआ है।

नागेश्वर राव ने कहा कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए बड़ी संख्या में गुरुकुल स्कूल स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली, लाभदायक कीमतों पर धान की खरीद और बस्ती दवाखानों ने बीआरएस शासन के दौरान तेलंगाना के लिए एक नए युग की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के लोग तेलंगाना स्थापना दिवस को सिर्फ एक त्यौहार के रूप में नहीं, बल्कि शहीदों के बलिदान को याद करने के दिन के रूप में मनाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि युवाओं को आंदोलन के इतिहास से प्रेरणा लेनी चाहिए और शासकों को लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए।

केटीआर डलास पहुंचे, भव्य स्वागत हुआ

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव का तीन दिवसीय अमेरिकी दौरे के तहत डलास हवाई अड्डे पर पहुंचने पर बीआरएस एनआरआई यूएसए प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में तेलंगाना एनआरआई द्वारा भव्य स्वागत किया गया। वह रविवार को शाम 4 बजे (2 जून, 3 बजे IST) फ्रिस्को के कोमेरिका सेंटर में आयोजित बीआरएस रजत जयंती और तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। पार्टी के नेता, पूर्व मंत्री और जन प्रतिनिधि समारोह में शामिल होंगे। अगले दिन, वह भारत लौटने से पहले डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्रों से बातचीत करेंगे। उनके 4 जून को हैदराबाद लौटने की उम्मीद है।

इस बीच, तेलंगाना के विकास मॉडल को सफलतापूर्वक प्रदर्शित करने और यूके में तेलंगाना प्रवासियों से बातचीत करने के बाद, रामा राव ने अपने यूके दौरे को शानदार तरीके से पूरा किया। 27 मई को यूके पहुंचने पर, बड़ी संख्या में तेलंगाना एनआरआई ने हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया। उन्होंने बीआरएस एनआरआई नेता और फिल्म विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष अनिल कुर्माचलम से मुलाकात की, जो हृदय की सर्जरी से उबर रहे हैं।

28 मई को उन्होंने बीआरएस एनआरआई यूके इकाई के नेताओं के साथ रणनीतिक चर्चा की और तेलंगाना आंदोलन और विदेशों में विकास की कहानी में उनके दशक भर के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने यूके तेलुगु बिजनेस काउंसिल और उद्यमियों से भी मुलाकात की और राजनीतिक सत्ता से परे तेलंगाना में निवेश करने का आग्रह किया।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने ब्रिज इंडिया वीक 2025 सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया, जहां उन्होंने तेलंगाना के समावेशी विकास मॉडल की रूपरेखा प्रस्तुत की और वैश्विक निवेशकों से 30 मई को तेलंगाना को एक शीर्ष गंतव्य के रूप में देखने का आह्वान किया। अगले दिन, उन्होंने वारविक विश्वविद्यालय में पीडीएसएल नॉलेज सेंटर का उद्घाटन किया, जिसमें मैकलारेन और जगुआर जैसी वैश्विक ऑटोमोटिव दिग्गजों को सशक्त बनाने वाली तेलंगाना की प्रतिभा का जश्न मनाया गया।

प्रजा संघला जेएसी ने सरकार से जगह, घर और नौकरी देने की मांग की

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजा संघला (सार्वजनिक संघ) जेएसी के प्रदेश अध्यक्ष गजेला कंथम ने रेवंत रेड्डी सरकार से अलग तेलंगाना राज्य के कार्यकर्ताओं की मांगों पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने मांग की कि तेलंगाना कार्यकर्ताओं को 250 गज जमीन और घर बनाने के लिए 25 लाख रुपये दिए जाएं। आज हैदराबाद के लकडीकापुल स्थित अशोका होटल में तेलंगाना कार्यकर्ताओं की गोलमेज बैठक हुई। बैठक में तेलंगाना सार्वजनिक संघ जेएसी, ओयू जेएसी और तेलंगाना कार्यकर्ता संघ के नेताओं ने हिस्सा लिया। इस बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। बाद में सार्वजनिक संघ जेएसी के प्रदेश अध्यक्ष गजेला कंथम ने मीडिया से बात की। उन्होंने मांग की कि प्रत्येक कार्यकर्ता को 25,000 रुपये प्रति माह पेंशन दी जाए और कार्यकर्ताओं की योग्यता के अनुसार नौकरी आवंटित की जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि मदिगा समुदाय को दो राज्य मंत्री पद और माला समुदाय को केवल एक मंत्री पद दिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि चेवेल्ला घोषणा को तुरंत लागू किया जाए। कार्यकर्ताओं की ओर से उन्होंने अनुरोध किया कि अद्दांकी दयाकर को मंत्री पद दिया जाए और मदिगालु को राज्य सरकार में प्रमुख पद दिए जाएं। उन्होंने कहा कि बहुजन बच्चों के साथ हो रहे अन्याय पर सवाल उठाने में वह सबसे आगे रहेंगे। गजेला कंथम ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की एक कदम आगे बढ़ाने और अन्य सभी राज्यों से पहले एससी वर्गीकरण को वैध बनाने के लिए प्रशंसा की। इस अवसर पर तेलंगाना पब्लिक एसोसिएशन जेएसी, ओयू जेएसी और तेलंगाना एक्टिविस्ट एसोसिएशन के नेताओं ने रेवंत रेड्डी का विशेष आभार व्यक्त किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Nandini, W/o, 14672903F, Hav, Chatragadda Pavan Kumar, R/o, Guntur Dist, Andhra Pradesh, changed my name from Nandini to Chatragadda Nandini vide Affidavit dt 19.05.2025 before Medchal Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हरि ॐ हरि ॐ

चतुर्थ पुण्यतिथि

स्व. श्री सुरेशजी आगलेचा

सुपुत्र : श्रीमति डगरीबाई-श्री केसारामजी आगलेचा
मरुधर मे खींवाड़ा (कोलपुरा); स्वर्गवास: 02-06-2021

हृदय की गहराइयों से आपको, श्रद्धांजलि अर्पित करते है हम।
आपकी सरलता, सद्व्यवहार को, कभी न भुला पायेंगे हम।।

* - - : श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : - - *

मीराबाई (बड़ी माताजी), केसाराम-डगरीबाई (माताजी-पिताजी), मनाराम (भाई), हंसाराम-लक्ष्मी, चम्पालाल- मंजूदेवी (भाई-भाभी), पुष्पादेवी (धर्मपत्नी), कमलादेवी-चुन्नीलालजी, झमकुदेवी-कालुरामजी, पौनीदेवी-अमरारामजी, मंजूदेवी-रमेशजी, भंवरीदेवी-रमेशजी, संतोषदेवी-भेरारामजी (बहन-बहनोई), निधि, तनु, आरवी (पुत्री), कमलेश, रविन्द्र, प्रवीण, पवन (भतीज), सरिता (भतीजी)

एवं समस्त आगलेचा परिवार

: फर्म : * पवन मार्केटिंग * पवन टूल्स - अलकापुरी
* श्री बाबारामदेव ट्रेडिंग कम्पनी-करमनघाट
9989633010, 9441034958

P.Solankey

डोनाल्ड ट्रम्प ने शपथ लेते ही तीन प्रकार की नीतियों पर दिया जोर

रघु ठाकुर

उनके द्वारा लिए ये तीनों ही निर्णय अमेरिका के बाहर की दुनिया के लिए विवादास्पद हैं। मानवता, धर्मनिरपेक्षता आदि तर्कों के आधार पर आलोचना के बिन्दु हैं। परंतु अपने स्वभाव के मुताबिक ट्रम्प अपने निर्णयों के प्रति दृढ़ नजर आते हैं और उनमें कोई विशेष बदलाव की गुंजाइश नहीं दिखती। मैं समझता हूं कि ट्रम्प अब वैश्विक आर्थिक नीतियों के मार्ग से बगैर कहे अमेरिका को हटाना चाहते हैं। विश्व व्यापार संगठन को भी अगर स्थायी तौर पर नहीं तो कम से कम वक्ती तौर पर निष्प्रभावी रखना चाहते हैं। वे अब अमरीका को फिर से श्बी अमेरिकन, बाई अमेरिकन्य के अमेरिकी राष्ट्रवाद की दिशा में ले जाना चाहते हैं। पिछले करीब चार पांच दशकों में अमेरिका ने जो दुनिया के साहूकार और मददगार बनने की पूंजीवादी शैली की नीति बनाई थी उससे वे हटना चाहते हैं। उन्होंने अमेरिका के बाहर के देशों को जो आर्थिक सामरिक मदद अमेरिका दे रहा था उसे लगभग समाप्ति की ओर ला दिया है। जिन कुछ देशों को वे अभी भी मदद दे रहे हैं वह भी वे उनके वैदेशिक कूटनीति, अमेरिका के सामरिक राजनीतिक हितों के आधार पर तय कर रहे हैं। मेरी सूचनाओं के अनुसार आम अमरीकी उनके इन प्रयासों से संतुष्ट और सहमत है। यद्यपि वहां की विरोधी पार्टी ने उनके खिलाफ न्यूयॉर्क में एक दिवसीय प्रदर्शन किया था, परंतु अमेरिकी समाज की ओर से उन्हें कोई विशेष समर्थन नहीं मिला।

अमेरिका की विदेश नीति के निम्न नये सूत्र हैं -1) अमेरिका की आर्थिक, सामरिक श्रेष्ठता को वापस लाना 2) चीन के विस्तार को नियंत्रित करना 3) चीन की आर्थिक शक्ति को सीमित करना पिछले दिनों अमेरिका चीन के बीच खुले व्यापार के शुरू होने के बाद चीन अमरीका के लिए सबसे बड़ा निर्यातक था। चीनी अर्थव्यवस्था को इससे बहुत लाभ पहुंचा था। ट्रम्प ने आरम्भ में उन सभी देशों से आयात पर टैरिफ बढ़ाया जो अमेरिकी आयात पर टैरिफ ज्यादा लगाते हैं और अमेरिका उन्हें निर्यात में अधिक छूट देता है। उन्होंने उन सभी देशों पर इसी आधार पर टैरिफ बढ़ाया कि जितना टैरिफ अमेरिका अपने निर्यात में चुकायेगा उतना ही आयात में वसूल करेगा। ट्रम्प की इस घोषणा के बाद और टैरिफ वार शुरू करने के बाद समूची दुनिया में हलचल होना स्वाभाविक थी तथा चीन सहित कई देशों ने भी आरंभ में बदले में उसी रफ्तार से टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की। ट्रम्प ने उसी भाषा में उत्तर दिया। चीन ने अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने की घोषणा के आधार पर अमेरिकी आयात पर टैरिफ बढ़ाया गया तथा उसे बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया । बदले में 16 अप्रैल को अमेरिका ने चीनी आयात पर टैरिफ दर 145 प्रतिशत से बढ़ाकर 245 प्रतिशत कर दिया। मीडिया ने इसे टैरिफ वार का नाम दिया है। परंतु मेरी राय में यह टैरिफ ब्लैकमेलिंग है। अमरीका कई प्रकार के अघोषित लाभ , सुविधाएं, राजनीतिक समर्थन और अपने लक्ष्य के विरोधी देशों की घेराबंदी से दबाकर उनसे सहयोग लेना चाहता है। अमेरिका के चीन पर शुल्क की बढ़ोत्तरी के बाद प्रारंभिक तौर पर चीन को फायदा नजर आया और अप्रैल के दस ग्यारह तारीख तक चीन का निर्यात 12.4 प्रतिशत बढ़ा तथा आयात में 4.3 प्रतिशत की कमी आई, क्यों कि अमेरिका ने टैरिफ बढ़ाने के बाद चीन के निर्यात की दिशा भी बदली और चीन ने अमेरिका को छोड़कर दूसरे कम आर्थिक शक्तियों वाले देशों को सस्ता निर्यात शुरू कर दिया। परंतु, इसका प्रभाव अमेरिका पर विशेष नहीं पड़ा क्योंकि अमेरिका चीन से जो आयात करता है वह अधिकांश उपभोक्ता सामग्रियां है, जो बुनियादी आवश्यकता नहीं हैं। परंतु वह वक्री है। वस्तुतरू दरअसल चीनी उपभोक्ता माल का सबसे बड़ा बाजार अमेरिका में ही था। भले ही तकनीकी रूप से चीन का अमेरिकी आयात घटा हो और अब देशों को निर्यात बढ़ा हो, इसका नुकसान चीन को हो रहा है। जनवरी-मार्च 2025 के बीच चीनी निर्यात 5.8 प्रतिशत बढ़ा और आयात में 7 प्रतिशत की गिरावट आई। यानी चीन का अमेरिका के साथ व्यापार में जो व्यापार घाटा 27.6 अरब डॉलर था, टैरिफ वृद्धि के बाद यह घाटा बढ़ कर 76. 6अरब डालर हो गया। मतलब साफ है कि चीनी माल के अमेरिकी बाजार में जाने की कमी होने के बाद चीन को व्यापार अधिशेष में लगभग 50 अरब डॉलर याने लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। जिन दूसरे देशों ने चीन से कुछ आयात बढ़ाया है उनसे चीन का माल तो बिकेगा परंतु चीन को कोई विशेष मुनाफा नहीं होगा। जैसे भारत चीन से तेल आयात करता है, जेम-ज्वेलरी आयात करता है, वियतनाम से मोती , ताइवान से इलेक्ट्रिकल मशीनरी, टीवी, साउंड रिकार्डर, स्विट्जरलैंड से मैकेनिकल सामा, थाइलैंड से तेल और वसा आयात करता है। अब यह आयात चीन अपने पुराने टैरिफ दरों पर भारत या अन्य देशों को निर्यात करता रहेगा। ताइवान, वियतनाम, थाइलैंड, स्विट्जरलैंड आदि देश भारत या अन्य देशों को निर्यात करते रहेंगे तो उनकी अर्थव्यवस्था कुछ दिनों में प्रभावित होगी। अमेरिका को तो एक अर्थ में यह फायदा ही हुआ है कि अमेरिकीयों ने मूल्यवृद्धि की आशंका से स्वतरू अपनी खरीददारी में पहले माह में 10-20 प्रतिशत और बाद के माहों में बीस से चालीस प्रतिशत विदेशी सामान की खरीद कम कर दी। अमेरिकी कंपनियों का अपना घरेलू बाजार बट गया है। यहां तक कि खरीददारी का मौसम भी बदल गया। अमेरिकी लोग पिछले दस वर्षों से सितंबर माह के आरंभ में एप्पल फोन आदि खरीदते थे क्योंकि एप्पल सितंबर में नये माडल पेश करता था। अब अप्रैल में ही यह खरीदी हो गई है। अमेरिका के स्टोर्स पर खरीददारों की भीड़ है। अमरीका ने योजना के तहत 14 अप्रैल को चीन के अलावा अन्य देशों को बढ़ाये हुए टैरिफ पर नब्बे दिनी रोक लगा दी। चीन से आयात होने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामान को भी छूट दे दी। अमेरिका की जो जरूरतें फिलहाल बाहर के बाजार से सस्ती दरों पर पूरी हो रही थीं उन्हें एक प्रकार से जारी रखा है। अमेरिकी स्टोर मालिक इन सामानों को बड़े पैमाने पर आयात कर अपने स्टोरों में भर रहे हैं, जिससे दोबारा टैरिफ वृद्धि हुई तो अमेरिकी उपभोक्ता को लम्बे समय तक विदेशी आयात की निर्भरता नहीं रहे। स्थिति यह है कि क्रिसमस की खरीददारी लोग आठ माह पहले कर रहे हैं। 2 से 7 अप्रैल के बीच डिब्बाबंद सामान, सब्जी, इंस्टैंट काफी, केचप आदि की खरीद 25 प्रतिशत बढ़ गई है। यह भी अमेरिका को एक प्रकार का फायदा ही है। अगर अमेरिकी समाज अपने उपभोक्ता खर्च को कम करेगा तो विदेशी आयात घटेगा और स्वदेशी की मांग बढ़ेगी।अमेरिकी शुल्क वृद्धि की घोषणा के बाद भारत में निवेशकों की सम्पत्ति लगभग 11. 5 लाख करोड़ रुपए घटने का अनुमान लगाया गया है। इससे भारत के निवेशक और कुछ राजनेता चिंतित हैं। भारत की कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 11. 5 लाख करोड़ रुपए से घटकर 4 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है। हालांकि इस उतार से अभी तक भारत के बाजार में हलचल नहीं है। दरअसल यह घट-बढ़ बहुत हद तक प्रतीकात्मक और काल्पनिक होती है। जैसे एक समय टू-जी स्पेक्ट्रम की खबरें छपने के बाद दो लाख करोड़ का राजकोषीय घाटा बताया गया था जो एक प्रकार से इमेजनरी था। इस खबर ने देश में उस समय बड़ी हलचल पैदा की। इससे केन्द्र की सरकार बदल गई। बाद में टू-जी स्पेक्ट्रम की नीलामी और भी कम दरों पर हुई। इसका मतलब है कि या तो भारत के निवेशक इतने परिपक्व हो चुके हैं कि वे इन खबरों और इस काल्पनिक उतार चढ़ाव से अब प्रभावित नहीं होते। वैसे भी मेरी राय में भारत के निवेशकों को घबड़ाकर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। जब किसी देश के बाजार में, विशेषकर शेयर बाजार में घाटा होता है, शेयर के दाम गिरते हैं, घबड़ाकर निवेशक शेयर सस्ते दामों पर बेचते हैं तब दुनिया के पूंजीपति भारत के व उन देशों के गिरावट वाले शेयर को खरीदते हैं। कोरोना काल में भी यह खेल देख चुके हैं। यह विदेशी पूंजीवाद के द्वारा भारतीय पूंजी का चालाक अधिग्रहण होता है। एसबीआई ने एक रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका की टैरिफ वृद्धि से वर्ष 2025 में अमेरिका का निर्यात 85 हजार करोड़ रुपए कम हो सकता है।

ऑनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभाव

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने छात्र आत्महत्या और गेमिंग ऐप से वर्बादी पर चिंता जताई है। इस पर सख्त लहजा अपनाते हुए यह बात कही है कि 'विद्यार्थी मर रहे हैं, सरकार कर क्या रही है?' बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को विनियमित करने की मांग वाली एक जनहित याचिका (पीआइएल) पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। दरअसल यह कदम युवाओं और बच्चों पर इन ऐप्स के कथित दुष्प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंता के बीच उठाया गया है। चिंताजनक है कि आज सट्टेबाजी और जुए की लत के कारण विशेष रूप से तेलंगाना में सैकड़ों युवाओं ने आत्महत्या कर ली है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अकेले तेलंगाना में 1,023 से अधिक लोगों ने आत्महत्या की है। कहना गलत नहीं होगा कि आज बॉलीवुड और टॉलीवुड के 25 से अधिक अभिनेता और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर इन ऐप्स का प्रचार कर रहे हैं, जिससे बच्चे इनकी ओर आकर्षित हो रहे हैं। यहां तक कि कुछ पूर्व क्रिकेटर भी इन ऐप्स का प्रचार कर रहे हैं, जिससे युवाओं में इसकी लत बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार तेलंगाना में इन इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, क्योंकि यह मामला मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। गौरतलब है कि इस पर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि कानून बनाना हमेशा ऐसे सामाजिक विचलनों को रोकने का उपाय नहीं हो सकता। दरअसल सुप्रीम कोर्ट नेहाल ही में दो अलग अलग मामलों की सुनवाई में गेमिंग ऐप के जरिए सट्टे के कारण युवाओं की बर्बादी और कोचिंग व शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या के प्रकरणों पर चिंता और सख्ती दिखाई। आजकल ऑनलाइन गेमिंग सिर्फ एंटरटेनमेंट का साधन ही नहीं, बल्कि युवाओं में एक गंभीर लत बन चुका है। कई रिपोर्ट्स में यह सामने आया है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण किशोर और युवा मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या तक कर रहे हैं। आज ऑनलाइन का युग है और ऑनलाइन गैंबलिंग में पैसे या पुरस्कार जीतने के लिए खेल और आयोजनों पर दांव लगाकर इंटरनेट के माध्यम से जुआ गतिविधियों में भाग लेना शामिल है। इसे विभिन्न उपकरणों जैसे कंप्यूटर, एंड्रॉयड मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि पर खेला जा सकता है और इसमें नकदी के बजाय वर्चुअल चिप्स या डिजिटल मुद्राएं शामिल होती है। भारत आज विश्व का एक बड़ा देश है और यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑनलाइन गेमिंग वर्ष 2026-27 तक भारत की जीडीपी में 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक जोड़ सकते हैं। यदि हम यहां पर भारत में ऑनलाइन गेमिंग और गैंबलिंग की वैधता की स्थिति की बात करें, तो भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची II (राज्य सूची) की प्रविष्टि संख्या 34 के तहत राज्य विधानमंडल को गेमिंग, बेटिंग या सट्टेबाजी और गैंबलिंग या जुए के संबंध में कानून बनाने की विशेष शक्ति दी गई है। चिंताजनक है कि आज सट्टेबाजी और जुए की लत के कारण विशेष रूप से तेलंगाना में सैकड़ों युवाओं ने आत्महत्या कर ली है। भारत में डिजिटल कैसीनो, ऑनलाइन गैंबलिंग एवं गेमिंग की चुनौतियों से निपटने के लिए सार्वजनिक जुआ अधिनियम 1867 की स्थापना की गई है, लेकिन यह अपर्याप्त कानून है। शिक्षा मंत्रालय ने 27 सितंबर, 2021 को ऑनलाइन गेमिंग के नुकसानों पर काबू पाने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने 10 दिसंबर, 2021 को बच्चों के सुरक्षित ऑनलाइन गेमिंग पर अभिभावकों और शिक्षकों को भी एक एडवाइजरी जारी की थी। दरअसल अभिभावकों और शिक्षकों को एडवाइजरी को व्यापक रूप से प्रसारित करने और बच्चों को मानसिक व शारीरिक तनाव से जुड़े सभी ऑनलाइन गेमिंग नुकसानों पर काबू पाने में प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें शिक्षित करने की सिफारिश की गई। देश धीरे-धीरे डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर हो रहा है। हमारे यहां ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने के लिए हालांकि कदम उठाए गए हैं, लेकिन ऑनलाइन गेमिंग में मजबूत विनियमन की तत्काल आवश्यकता है। ऑनलाइन गेमिंग से जहां एक ओर हमारी युवा पीढ़ी में इसकी लत विकसित हो रही है, वहीं दूसरी ओर यह हमारे युवाओं के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है। बच्चे पढ़ाई से विमुख हो रहे हैं और अनेक बार वे अतिवादी कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग जहां वित्तीय धोखाधड़ी को जन्म दे रहा है, वहीं दूसरी ओर यह राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों को भी कहीं न कहीं जन्म दे रहा है। अतः बहुत अच्छा हो यदि देश में ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने के क्रम में और भी अधिक प्रभावी व माकूल कदम उठाए जाएं।

शांति का क्रेडिट ? क्षमा करें ट्रंप, ये भारत की कहानी है

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब शब्द तलवारों से भी पैने हो जाएँ और दावे विश्व मंच पर सत्य को चुनौती देने लगें, तब एक राष्ट्र की साहसिक गूंज ही वह ताकत बनती है जो प्रचार के तूफान को चीर देती है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच कथित संघर्ष विराम का तमगा अपने सीने पर सजाया, दावा करते हुए कि उनके व्यापारिक दांव-पेंच ने दोनों देशों को परमाणु युद्ध की कगार से खींच लिया।

यह न केवल एक आत्ममुग्ध बयान था, बल्कि भारत की संप्रभुता, उसकी कूटनीतिक परिपक्वता और स्वतंत्र निर्णय शक्ति को कमतर आंकने की साहसिक कोशिश भी थी। लेकिन भारत ने अपने अडिग रुख और ठोस जवाब से इस दावे को धूल में मिला दिया, यह सिद्ध करते हुए कि उसकी शांति और शक्ति किसी बाहरी हस्तक्षेप की मोहताज नहीं। ट्रंप का दावा उनके चिर-परिचित अंदाज में था - भारी-भरकम, आत्मप्रशंसा से लबरेज़ और तथ्यों से परे। उन्होंने कहा - हमने भारत और पाकिस्तान को युद्ध से रोका। यह परमाणु आपदा बन सकता था। बीते 21 दिनों में, उन्होंने कम से कम 10 बार इस बात को दोहराया, यहाँ तक कि एलन मस्क के प्रशासन से अलग होने की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी यही राग अलापा। उनके मुताबिक, भारत पर 26% और पाकिस्तान पर 29% टैरिफ की मार ने दोनों देशों को न केवल शांति की मेज पर ला खड़ा किया, बल्कि परमाणु युद्ध की आशंका को भी टाल दिया। ट्रंप ने बिना किसी भारतीय या पाकिस्तानी नेता का नाम लिए, उन्हें "महान नेता" करार दिया, जिन्होंने कथित तौर पर उनकी मध्यस्थता को स्वीकार कर लिया। लेकिन यह दावा उस सच्चाई से कोसों दूर है, जिसे भारत ने अपने बलबूते पर रचा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दो-टूक शब्दों में ट्रंप के दावों की हवा निकाल दी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष को समाप्त करने में किसी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं थी। यह शांति भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे संवाद और भारत की कूटनीतिक रणनीति का परिणाम थी। यह बयान न केवल ट्रंप की बयानबाजी पर करारा प्रहार था, बल्कि भारत की उस स्वतंत्र विदेश नीति का भी ऐलान था, जो किसी बाहरी शक्ति के दबाव में झुकती नहीं। जयशंकर का यह रुख भारत की उस ताकत को रेखांकित करता है, जो अपनी सीमाओं की रक्षा और शांति स्थापना में आत्मनिर्भर है।

देश की सबसे बड़ी समस्या पाक नहीं भ्रष्टाचार है

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में भ्रष्टाचार किस स्तर तक जड़ जमा चुका है इस से अवगत कराने के लिए सुर्खियों में बने दो घटनाक्रमों का उल्लेख कर रहे हैं छत्तीसगढ़ के कोरबा अंचल की एक गरीब माँ अमीषा धनवार अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए एक साल तक सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटती रही, और आखिरकार अपने बेटे की थाली से चावल निकालकर उसे बाजार में बेचना पड़ा, ताकि 500 रुपये रिश्वत देकर प्रमाणपत्र हासिल कर सके. यह घटना सिस्टम में पैठ कर चुके भ्रष्टाचार और खत्म हो रही मानवीयता को उजागर करता है।

अमीषा धनवार को जब अपने बेटे के जन्म प्रमाणपत्र की ज़रूरत पड़ी, तो शुरुआत में उम्मीद थी कि सरकारी सिस्टम मदद करेगा. लेकिन दिन बीते, महीने बदले, और एक साल गुज़र गया कागज़ अब भी अधूरा था. जब आखिरकार सर्टिफिकेट बना, तो उसमें गलतियाँ थीं. उसे ठीक कराने के लिए जब वह बहरी झरिया में तैनात एनम के पास पहुंची, तो जवाब मिलाः"500 रुपये दो, तभी मिलेगा प्रमाणपत्र."

अमीषा बेरोजगार है परिवार की आमदनी शून्य है. वह उन लाखों ग्रामीण महिलाओं में से एक है जो सरकारी अनाज वितरण योजना से मिले अनाज से पेट पालती हैं. लेकिन एक मां के लिए बेटे का भविष्य ही उसका धर्म होता है. इसलिए उसने भूख पर पहरा बैठाया, चावल बेच दिए, ताकि 500 रुपये किसी तरह इकट्ठा कर एनम सिस्टर की रिश्वत की माँग पूरी कर सके.बच्चे का जन्म प्रमाणपत्र महज़ दस्तावेज़ नहीं होता. यह बच्चे के अधिकारों की पहली सीढ़ी है—शिक्षा, राशन कार्ड, स्वास्थ्य, पहचान और जन्म के अस्तित्व की सरकारी पहचान यही है। अमीषा के लिए वह सर्टिफिकेट एक सपने जैसा था, जिसे पाने के लिए उसने अपने हिस्से की भूख भी कुर्बान कर दी। यह घटना सिर्फ एक महिला की नहीं, पूरे तंत्र पर सवाल है. सरकारी योजनाएं यदि एक गरीब मां को अपने घर का राशन बेचने को मजबूर कर दें, तो यह एक भ्रष्ट नाकाम व्यवस्था का सबसे घिनौना सबूत है. क्या देश में अब वैध काम के लिए भी सुविधा शुल्क अनिवार्य हो रहा है?

दूसरी घटना पर भी ध्यान दीजिये

ओडिशा के भुवनेश्वर में भ्रष्टाचार निरोधक सतर्कता विभाग ने ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता इंजीनियर बैकुंठ नाथ सारंगी के घर पर छापा मारा और 2 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की. इस दौरान कुछ सोने की घड़ियां भी बरामद की गईं. यह छापा उनके सेवानिवृत्ति से ठीक एक दिन पहले आय से अधिक संपत्ति (डीए) रखने के आरोपों के बाद मारा गया.

सतर्कता विभाग के अधिकारियों के अनुसार, भुवनेश्वर के एक फ्लैट में छापे के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी खिड़की से बाहर फेंकी गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. भुवनेश्वर के पीडीएन एग्जॉटिका स्थित फ्लैट से ही करीब 1 करोड़ रुपये मिले. इसके अतिरिक्त, अंगुल स्थित उनके पैतृक घर से 1.1 करोड़ रुपये जब्त किए गए.

ये दोनों घटना बता रहीं हैं कि सरकारी ओहदे पर बैठ कर छोटे से एनम से लेकर चीफ इंजीनियर तक कि तरह अवैध धन बटोर रहें हैं।

आपको बता दें कि जेल में बंद सभी कैदी वास्तविक अपराधी नहीं होते हैं बहुत सारे लोग रंजिशन फंसा दिए जाते हैं। अपने वकालत के दो दशक में मैं ने करीब से देखा कि किस तरह कई बार गांव देहात के प्रभावशाली लोग प्रधान सरपंच दबंग जानबूझकर उन लोगों पर हत्या, हत्या के प्रयास, बलात्कार, लूट के मामलों में निजी गिले शिकवे के चलते नाम जुड़वा देते हैं जो मौके पर मौजूद भी नहीं होतें हैं। पुलिस भी सुविधा शुल्क लेकर निर्दोषों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर देती है हर गांव कस्बे में ऐसे दबंग राजनीतिक प्रभावशाली पुलिस की खास मित्र सूची मे शामिल होते हैं यही लोग पुलिस को फर्जी केस खोलने में मददगार रहते हैं जुआ सट्टा अवैध शराब बेचने वालों के सरपरस्त रहते हैं पुलिस को इशारा कर खुद पकड़वाने और फिर पैसे वसूल कर छुड़ाने का नियमित धंधा करते हैं मनरेगा में काम हो विधवा पेंशन हो या आयुष्मान कार्ड सब इनकी सिफारिश पर होता है। कई बार देश की अदालतों में ऐसे मामले सामने आ चुके हैं कि जिस व्यक्ति की हत्या के लिए बेगुनाह जेल में बंद थे वह जीवित मिला जबकि पुलिस ने बाकायदा विवेचना की चार्जशीट दाखिल की जज साहब ने सुनवाई की ट्रायल कर दोषियों को सजा घोषित की। यह हालत अपनी न्यायिक व्यवस्था की है।

आम तौर पर लोगों और पुलिस की दोषी अपराधियों के साथ निर्दोषों को भी संलिप्त करने की इसी मानसिकता के चलते ट्रायल के समय निर्दोषों के साथ दोषी अपराधी भी छूट जाते हैं क्योंकि विवेचना इतनी लचर होती है कि जुर्म साबित नहीं हो पाता है वहीं अनेक बार उन लोगों को सजा मिल जाती है जिन्होने वास्तव में अपराध किया ही नहीं था बल्कि गुरवत के चलते पैसे के अभाव में न अच्छा वकील कर पाए न आइओ को पैसे खिला कर ईमानदार विवेचना करा पाए और नहीं गड्डियां देकर अदालत से फैसला अपने हक मे करा पाए। ऐसे एक नहीं लाखों मामले मिल सकते हैं जिनमें सही पैरवी और ईमानदारी से विवेचना और सही समय पर अदालत में सुनवाई नहीं होने के कारण लाखों अभागों के जीवन का सुनहरा समय उस जुर्म के लिए जेल में निकल गया जो जुर्म उन्होंने किया ही नहीं था।

ग्रामपंचायत बीडीओ पटवारी यातायात कर्मी अदालत के पेशकार चपरासी से लेकर बड़े ओहदो पर बैठे बड़े अधिकारी तक खुले हाथों से बटोर रहें हैं। यह सारा भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा सिस्टम सफेद पोश प्रभावशाली राजनीतिक सरपरस्तों मनमाने ढंग से कानून का इस्तेमाल और तफ्तीश करने वाले पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों और अपनी जेब भरने के लिए कानून की देवी की आंखों पर पिछत्तर साल तक पट्टी बाँध कर रखने वाले न्यायिक तंत्र के गठजोड़ से चल रहा है इस में आम आदमी न्याय पाने के लिए कई कई दशक तक अदालत की चौखट पर दौड़ता है वह अदालत जिसके अपने ही एक जज के आवास से बोरों में करोड़ों की गड्डियां निकलती है लेकिन दो माह यह सोचने में निकल जाता है कि मामले को कैसे मैनेज किया जाए?

अगर इस देश की सबसे बड़ी समस्या है तो वह भ्रष्टाचार है जिस दिन भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण शुरू हुआ न आतंकवादी भीतर आएगा न विदेशी ड्रोन हथियार गिराएंगे न नक्सलवाद पनपेगा न देश के भीतर घुसपैठियों का जमावड़ा होगा न नेता सड़क पर रासलीला रचाएंगे न मुख्तार अतीक पैदा होंगे न रेड पड़ने पर इंजीनियरों के घरों से करोड़ों के नोट फेंके जाएंगे न मजलूम मुफलिसी के शिकार लोग जेल में ठूस कर अपराधी बनाए जाएंगे । सबसे बड़ा मुद्दा पाकिस्तान नहीं उसके लिए हमारी फौज दुरूस्त है सबसे बड़ा मुद्दा भ्रष्टाचार है लोगों में राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण है यदि लोगों को यह पक्का विश्वास हो जाए कि कानून अपना काम सही निष्ठा से करेगा तो आधा अपराध कानून के भय से ही खत्म हो जाएगा फिर कोई सीआरपीएफ का मोती लाल या यू-ट्यूबर ज्योति मल्होत्रा दुश्मन देश के लिए जासूसी करने का दुस्साहस नहीं जुटा पाएंगे।

कोरोना फिर हुआ बेकाबू पहले जैसे बढ़ रहे आंकड़े

ऋतुपर्ण दवे

कोरोना की रफ्तार फिर पहले सरीखे गति पकड़ रही है। देश-दुनिया में चिंता है। भारत में हर दिन नई-नई आती सूचनाएं डरा रही हैं। उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हफ्ते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संख्या में भी हो रही वृध्दि अलग डराती है। कहां 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। इस रविवार सुबह तक यह आंकड़े 3395 पार गए हैं। मरने वालों की संख्या भी हर रोज बढ़ रही है। सबसे ज्यादा केरल में 1336 सक्रिय मामले हैं। वहीं इससे होने वाली मौतों की शुरुआत भी हो चुकी है जो अभी बहुत ही कम है। लेकिन एक दिन में 685 मामले दर्ज होना, बड़ा इशारा है। महाराष्ट्र में 467 दिल्ली में 375 गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185 मामले आए हैं। हांगकांग और सिंगापुर में यह बहुत तेजी से फैलते कोरोना ने भारत में जिस तरह पैर पसारा वो चिंतनीय है। इसके नए वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है जो पहली बार अगस्त 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमीक्रॉन बी.ए.2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एल.एफ.7 और एन.बी.1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में कुछ ज्यादा ही असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़ने के बाद अब भारत में रफ्तार पकड़ रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका कारण लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावनाओं से इंकार नहीं है। इतना तो लगने लगा है कि सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है वो चिंताजनक है। चीन से भी छन-छन कर जो निकल रहा है उससे इतना तो पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा। इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियाँ होती हैं जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्बिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। केरल के बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ना चिंताजनक है। उधर अब हॉन्गकॉन्ग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का वो बयान सामने है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पाँचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। जबकि चीन में श्वांस संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दो गुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज भी हो सकती है। चीन, थाईलैंड और हांगकांग में वहां की सरकारें अलर्ट पर हैं। साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक यानी डीजीएचएस ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञों के साथ बैठकें कर चुके हैं। देश की बड़ी आबादी के दृष्टिगत बढ़ती संख्या कहीं न कहीं चिंता बढ़ाने वाली है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख सतर्क और सक्रिय होकर सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाएं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथ हर परिस्थिति पर नजर रख रहा है। हां, देश भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें। ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं।

असामाजिक कौन.. नागरिक या नेता ?

डॉ टी महादेव राव

सुबह की सैर के बाद बैठा ही था कि मोबाइल बज उठा। अनजाना नंबर था। मैं ने फोन उठाया कि उधर से बड़ी कर्कश आवाज में कोई कह रहा था ₹तुम वही हो जो किसी किसी के बारे में कुछ लिखते पढ़ते हो, जो अखबार में छपता है। मैंने कहा हां तो ... मेरा नाम बड़े सिंह है। मैं नामी गिरामी गुंडा हूं, राउडी शीटर हूं। लेकिन मुझे किसी को मारने ठोंकने के लिए सुपारी नहीं देना है और न किसी की हड्डी पसली तोड़ने के लिए गुंडे मवाली की जरूरत है। मुझे फोन करने का कारण क्या है? गुंडा, राउडी शीटर का मतलब समझते हो? हां! जिस मवाली गुंडे की सारी करतूतें हद से ज्यादा हो जाती हैं, उसका नाम थाने की गुंडों की सूची में शामिल किया जाता है, उसे थाने में समय समय पर हाजिरी देनी होती है। अगर उसकी गुड़ई बढ़ गई तो उसे तड़ीपार घोषित कर उस जगह नहीं रहने देते। फिर वो पॉलिटिक्स में आकर नेता बन जाता है। बहुत जानकारी है। गुंडों को ट्रेनिंग देते थे क्या? वो सब छोड़ो बोलो मामला क्या है? क्यों कॉल किया मुझे? मुझे कल अखबार में छपे तुम्हारे मजाकिया किस्से में अपने गुरुजी के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। सोचा वार्निंग तो दे ही दूं तुम्हें ऐसे लिखने के बारे में! कहां तक पढ़े हो बड़े सिंह जी? पांचवीं के बाद छोड़ दिया। लेकिन उससे तुम्हें क्या? तुम्हारे सारे लक्षण तुम्हें नेता बनने की ओर ले जा रहे हैं। बिना रुके कर्कश बोलना, अनपढ़ या कम पढ़ा लिखा होना, थाने में दर्ज मामले, तड़ीपार के लिए तैयार शख्सियत सारा कुछ नेता बनने के रास्ते बना रहे हैं। तुममें एक कामयाब नेता बनने की सारी खूबियां हैं। हां! हां! वह सब मैं जानता हूं। लेकिन तुम्हारा लिखा पढ़वाकर सुना तो मेरा खून खौल गया। मेरे भगवान के बारे में तुम अनाप शनाप लिखते हो। अगर तुम मेरे शहर में होते तो पता नहीं इस खौलते खून की वजह से तुम्हारा वो हालत करता की तुमसे लिखते बनता न पढ़ते बनता। आप कहां हैं महागुंडे बड़े सिंह जी। मैं यहां चंडीगढ़ में हूं। वहां रहता तो पता नहीं क्या कर जाता। आप यह सब छोड़कर चुनाव लड़ने की तैयारी क्यों नहीं करते। अभी जो चोरी, गाली गलौच, लड़ाई झगड़े चुप चुप के करते हो, सारे आम कर सकते हो। पैसे भी बहुत हैं बस। आप एक बार तड़ीपार हो जाओ तो आपकी पॉपुलैरिटी कोई नहीं रोक सकता। चाहो तो केंद्र में मंत्री भी बन सकते हो, जिसके लिए आप से फिट आदमी कोई और हो नहीं सकता।मैं क्या कह रहा हूं और तुम क्या कह रहे हो लेखक? आप मेरा बुरा चाह रहे हैं मैं आपके भविष्य की भलाई की बात कर रहा हूं।

पांडवों ने केदारनाथ मंदिर क्यों बनाया ?

हिन्दू धर्म में हिमालय की गोद में बसे केदारनाथ धाम को बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक माना गया है। हिन्दू पुराणों में साल के करीब छः महीने हिम से आच्छादित रहने वाले इस पवित्र धाम को भगवान शिव का निवास स्थान बताया जाता है।

हिन्दू धर्म में हिमालय की गोद में बसे केदारनाथ धाम को बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक माना गया है। हिन्दू पुराणों में साल के करीब छः महीने हिम से आच्छादित रहने वाले इस पवित्र धाम को भगवान शिव का निवास स्थान बताया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यहां भगवान शिव त्रिकोण शिवलिंग के रूप में हर समय विराजमान रहते हैं।

वैसे तो पौराणिक ग्रंथों में इस धाम से जुड़ी कई कथाओं का वर्णन मिलता है परन्तु आज आपको महाभारत में इस धाम से जुड़ी एक कथा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें ये बताया गया है कि यहां पांडवों को भगवान शिव ने साक्षात दर्शन दिए थे। जिसके बाद पांडवों ने यहां इस धाम को स्थापित किया।

धार्मिक ग्रंथों में वर्णित कथा के अनुसार, महाभारत युद्ध में विजय के पश्चात पांडवों में सबसे बड़े युधिष्ठिर को हस्तिनापुर के नरेश के रूप में राज्याभिषेक किया गया।

उसके बाद करीब चार दशकों तक युधिष्ठिर ने हस्तिनापुर पर राज्य किया। इसी दौरान एक दिन पांचों पांडव भगवान श्री कृष्ण के साथ बैठकर महाभारत युद्ध की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा में पांडवों ने श्री कृष्ण से कहा हे नारायण हम सभी भाइयों पर ब्रम्ह हत्या के साथ अपने बंधु बांधवों की हत्या कलंक है।

इस कलंक को कैसे दूर किया जाए? तब श्रीकृष्ण ने पांडवों से कहा कि ये सच है कि युद्ध में भले ही जीत तुम्हारी हुई है लेकिन तुमलोग अपने गुरु और बंधु बांधवों को मारने के कारण पाप के भागी बन गए हो। इन पापों के कारण मुक्ति मिलना असंभव है।

परन्तु इन पापों से सिर्फ महादेव ही मुक्ति दिला सकते हैं। अतः महादेव की शरण में जाओ। उसके बाद श्री कृष्ण द्वारका लौट गए।

उसके बाद पांडव पापों से मुक्ति के लिए चिंतित रहने लगे और मन ही मन सोचते रहे कि कब राज पाठ को त्यागकर शिवजी की शरण में जाएं।

उसी बीच एक दिन पांडवों को पता चला कि वासुदेव ने अपना देह त्याग दिया है और वो अपने परमधाम लौट गए हैं। ये सुनकर पांडवों को भी पृथ्वी पर रहना उचित नहीं लग रहा था। गुरु, पितामह और सखा सभी तो युद्धभूमि में ही पीछे छूट गए थे। माता, ज्येष्ठ, पिता और काका विदुर भी वनगमन कर चुके थे। सदा के सहायक कृष्ण भी नहीं रहे थे। ऐसे में पांडवों ने राज्य परीक्षित को सौंप दिया और द्रौपदी समेत हस्तिनापुर छोड़कर शिव जी की तलाश में निकल पड़े।

हस्तिनापुर से निकलने के बाद पांचों भाई और द्रौपदी भगवान शिव के दर्शन के लिए सबसे पहले पाण्डवकाशी पहुंचे, पर वो वहां नहीं मिले। उसके बाद उन लोगों ने कई और जगहों पर भगवान शिव को खोजने का प्रयास किया परन्तु जहां कहीं भी ये लोग जाते शिव जी वहां से चले जाते। इस क्रम में पांचों पांडव और द्रौपदी एक दिन शिव जी को खोजते हुए हिमालय तक आ पहुंचे।

यहां पर भी शिवजी ने इन लोगों को देखा तो वो छिप गए परन्तु यहां पर युधिष्ठिर ने भगवान शिव को छिपते हुए देख लिया। तब युधिष्ठिर ने भगवान शिव से कहा कि हे प्रभु आप कितना भी छिप जाएं लेकिन हम आपके दर्शन किए बिना यहां से नहीं जाएंगे और मैं ये भी जनता हूं कि आप इसलिए छिप रहे हैं क्यूंकि हमने पाप किया है।

युधिष्ठिर के इतना कहने के बाद पांचों पांडव आगे बढ़ने लगे। उसी समय एक बैल उन पर झपट पड़ा। ये देख भीम उससे लड़ने लगे। इसी बीच बैल ने अपना सिर चट्टानों के बीच छुपा लिया जिसके बाद भीम उसकी पुंछ पकड़कर खींचने लगे तो बैल का धड़ सिर से अलग हो गया और उस बैल का धड़ शिवलिंग में बदल गया और कुछ समय के बाद शिवलिंग से भगवान शिव प्रकट हुए। शिव ने पंड़ावों के पाप क्षमा कर दिए।

आज भी इस घटना के प्रमाण केदारनाथ का शिवलिंग बैल के कुल्हे के रूप में मौजूद हैं। भगवान शिव को अपने सामने साक्षात देखकर पांडवों ने उन्हें प्रणाम किया और उसके बाद भगवान शिव ने पांडवों को स्वर्ग का मार्ग बतलाया और फिर अंतर्ध्यान हो गए। उसके बाद पांडवों ने उस शिवलिंग की पूजा-अर्चना की और आज वही शिवलिंग केदारनाथ धाम के नाम से जाना जाता है।

क्यूंकि यहां पांडवों को स्वर्ग जाने का रास्ता स्वयं शिव जी ने दिखाया था इसलिए हिन्दू धर्म में केदार स्थल को मुक्ति स्थल मन जाता है और ऐसी मान्यता है कि अगर कोई केदार दर्शन का संकल्प लेकर निकले और उसकी मृत्यु हो जाए तो उस जीव को पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है।

वृन्दावन के इस मंदिर में है बैकुंठ द्वार साल में सिर्फ एक बार ही होते हैं दर्शन!

बैकुंठ प्राप्ति के लिए लोग जीवन भर कई व्रत उपवास और पुण्य कर्म करते हैं, लेकिन बैकुंठ कहां है, इसके बारे में किसी को शायद ही पता हो। लेकिन धरती पर एक मंदिर भी है, जिसके बारे में यह मान्यता है कि यहां बैकुंठ का जाने का द्वार है। भगवान श्री कृष्ण की नगरी वृंदावन में बहुत ही से प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां की हर गली में भगवान कृष्ण ने अपना बचपन गुजारा है। मथुरा-वृंदावन के मंदिर भगवान कृष्ण की कई रोचक कहानियां समेटे हुए है।इन्हीं में से एक मंदिर ऐसा भी है जहां जगत के पालनहार भगवान विष्णु के बैकुंठ का रास्ता जाता है। यह मंदिर साल से सिर्फ एक ही बार खुलता है, इसलिए यहां हर साल भारी संख्या में भक्तों की भीड़ लगती है।

कहां है ये मंदिर?

भगवान श्री कृष्ण का यह अद्भुत मंदिर का नाम हैं। श्री रंगनाथ मंदिर। यह उत्तर प्रदेश, वृंदावन के चुंगी चौराहे के पास स्थित है। ये दक्षिण शैली का एक मंदिर है। इस मंदिर को ब्रज में रंगजी मंदिर भी करते हैं, क्योंकि यहां भगवान रंगनाथ रहते हैं।

कब खुलते ही बैकुंठ द्वार?

इस मंदिर में दक्षिण की परंपरा के अनुसार, 21 दिनों का बैकुंठ उत्सव मनाया जाता है और इस उत्सव के 11 वें दिन वैकुंठ के द्वर खोला जाता है। यह दिन बैकुंठ एकादशी का होता है। यह साल में सिर्फ एक बार ही खुलता है, जिसकी वजह से यहां भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

क्या है मान्यता?

इस मंदिर से जुड़ी एक मान्यता यह कि आलवर संत ने भगवान विष्णु से जीवात्मा के वैकुण्ठ जाने के रास्ता पूछा था। जिसके उत्तर में भगवान उन्हें अपने और माता लक्ष्मी के साथ वैकुण्ठ लोक जाने के बारे में बताते है। जिसके बाद से वैकुण्ठ एकादशी पर यह परंपरा शुरू हुई ।

परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते, कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव का अर्थ है मैं यह काम कर रहा हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं। आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्किक चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

रामलला के धाम में शिव का आगमन, राम मंदिर के ईशान कोण में विराजेंगे नर्वदेश्वर महादेव

अयोध्या के राम मंदिर परिसर में नर्मदा नदी से लाए गए नर्मदेश्वर महादेव शिवलिंग की कल स्थापना की जाएगी। साढ़े तीन फीट ऊंचा स्वयंभू शिवलिंग राम मंदिर के ईशान कोण में विराजमान होगा इस पावन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना होगी। यह स्थापना अयोध्या की आध्यात्मिकता को और समृद्ध करेगी ।

अयोध्या नगरी एक बार फिर अध्यात्म और श्रद्धा की नई किरण से आलोकित होने जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि परिसर में एक और दिव्य अध्याय जुड़ने जा रहा है। क्योंकि राम मंदिर के ईशान कोण में नवनिर्मित मंदिर में भगवान शिव की स्थापना विधिवत वैदिक रीति-रिवाजों के साथ की जाएगी। यह शिवलिंग नर्मदा नदी के तट से लाई गई पवित्र शिला से निर्मित है, जिसे नर्वदेश्वर शिवलिंग के रूप में प्रतिष्ठित किया जाएगा।

नर्वदेश्वर शिवलिंग की होगी स्थापना

इस पावन अवसर पर वेदों की गूंज और मंत्रों की स्वर-लहरियों के बीच शिवलिंग की स्थापना होगी। वैदिक आचार्य इंद्रदेव मंत्रोच्चारण की अगुवाई करेंगे। साथ ही इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव श्री चंपत राय, ट्रस्ट के सदस्य डॉ। अनिल मिश्रा, और अन्य विशिष्ट संतजन व अतिथि। आपको बता दें कि अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर के चारों ओर 800 मीटर की परिधि में एक भव्य परकोटा तैयार हो रहा है। इस परकोटे में कुल 6 मंदिरों का निर्माण किया गया है, जो अयोध्या की आध्यात्मिक शक्ति को और भी सशक्त बनाते हैं।

साढ़े तीन फीट ऊंचा है शिवलिंग

इन मंदिरों में से एक मंदिर भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। लगभग साढ़े तीन फीट ऊंचा यह शिवलिंग, मध्यप्रदेश के पवित्र नर्वदेश्वर क्षेत्र से लाया गया है, जहां से नर्मदा नदी की पत्थरों को शिवमयी रूप में गढ़ा गया है। ट्रस्ट महासचिव चंपत राय ने जानकारी दी कि परकोटे में स्थित अन्य मंदिरों में हनुमान जी, गणेश जी, भगवान सूर्य, माता अन्नपूर्णा और भगवती की प्रतिमाओं की स्थापना पहले ही अक्षय तृतीया के दिन की जा चुकी है। अब इन सभी प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा आगामी 5 जून को भव्य समारोह के साथ संपन्न की जाएगी।

यह केवल मंदिरों की स्थापत्य कला या मूर्तियों की बात नहीं है, बल्कि यह उस सनातन आस्था का विस्तार है जो भगवान श्रीराम के साथ अयोध्या की आत्मा में रची-बसी है।शिव की स्थापना से राम की नगरी और भी दिव्य, और भी जागृत हो जाएगी।यह घटना यह भी दर्शाती है कि राम और शिव दोनों की आराधना एक साथ इस भूमि पर युगों-युगों से होती आई है, और अब वह परंपरा एक बार फिर भव्य रूप में लौट रही है।

प्राकृतिक रूप से निर्मित दुर्लभ शिवलिंग

आपको बता दें कि नर्मदेश्वर शिवलिंग मानव निर्मित नहीं होता, बल्कि यह नर्मदा नदी की धारा में स्वाभाविक रूप से आकार लेता है। इसे "स्वयंभू" शिवलिंग माना जाता है, जो अत्यंत दुर्लभ और शुभ होता है। पुराणों में कहा गया है कि नर्मदा नदी स्वयं शिव के शरीर से उत्पन्न हुई है। स्कंद पुराण में उल्लेख है कि जो पुण्य गंगा स्नान से एक सप्ताह में मिलता है, वही पुण्य नर्मदा के दर्शन मात्र से प्राप्त हो जाता है। नर्मदेश्वर शिवलिंग में विशेष ऊर्जा होती है। यह लगातार सकारात्मक और आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। शिव पुराण और स्कंद पुराण में नर्मदेश्वर शिवलिंग की पूजा को मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है। कहा गया है कि जो श्रद्धापूर्वक नर्मदेश्वर शिवलिंग की उपासना करता है, उसे शिवजी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गंगा दशहरे पर करें तुलसी से जुड़े ये उपाय आपके घर में बरसने लगेगा धन !

हिंदू धर्म में गंगा दशहरा को बहुत ही शुभ दिन माना गया है। इस दिन स्नान दान का तो महत्व है ही साथ ही तुलसी पूजा का भी महत्व है। अगर इस दिन आप तुलसी से जुड़े कुछ उपाय कर लें तो आपके घर में धन-धान्य की कमी कभी नहीं होगी। तो चलिए जानते हैं क्या है वह उपाय।

सनातन में तुलसी पूजा का बहुत महत्व है, साथ ही गंगा की पूजा का भी बहुत महत्व है। दोनों को ही सनातन धर्म में मां का दर्जा दिया गया है, दोनों का पूजा पाठ आपके जीवन में धन-धान्य, बरकत लेकर आता है। ऐसे में गंगा दशहरा जो की 5 जून को आने वाला है उस शुभ दिन अगर आप तुलसी से जुड़े यह उपाय कर लेते हैं तो आपके घर में कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होगी। माना जाता है कि यह अति फल देने वाले उपाय हैं तो चलिए जानते हैं क्या हैं ये उपाय।

नकारात्मकता होगी दूर

पहला उपाय-हम आपको जो उपाय बताने जा रहे हैं उस उपाय को करके आप अपने घर से नकारात्मकता को दूर भगा सकते हैं। आपको सुबह जल्दी उठकर स्नान करके पीतल के एक लोटे में गंगाजल भरना है और उसके बाद तुलसी के पांच पत्ते या सात पत्ते उस लोटे में डालने हैं। उसके बाद इस जल का छिड़काव आपको अपने पूरे घर में करना है। इससे आपके घर के नेगेटिविटी दूर हो जाएगी।

इस उपाय से मिलेगा धन ही धन

दूसरा उपाय- इस दिन सुबह उठकर तुलसी पूजा कर लें।

कुछ तुलसी के पत्ते तोड़ लें और उसे भगवान विष्णु को अर्पित करें साथ ही उन्हें गंगाजल भी अर्पित करें, बाद में गंगाजल के कुछ बंदे इस तुलसी के पत्र पर छिड़क लें। उन तुलसी के पत्तों को एक लाल कपड़े में बांध के अपनी तिजोरी में रख ले। माना जाता है कि ऐसा करने से आपको भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, माता गंगा, और माता तुलसी सभी का आशीर्वाद एक साथ मिलता है।

तुलसी को अर्पित करें गंगाजल

गंगा दशहरे के दिन आपको तुलसी की पूजा करना अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा। आप तुलसी में गंगाजल अर्पित करें। घी का दीपक जलाएं। माता लक्ष्मी और विष्णु जी का ध्यान करें। ऐसा करने से आपके घर में सदा सुखसमृद्धि बनी रहेगी।

अगर कुंडली में है कालसर्प दोष... तो आने लगेंगे ऐसे सपने

ज्योतिष शास्त्र में कालसर्प दोष को बहुत ही अशुभ माना गया है। कहते है जिसकी भी कुंडली में यह दोष होता है उसे जीवन में ढेरों परेशानियों का सामना करना पड़ता है और उसे हर काम में असफलता का देखने को मिलती है। यही नहीं यह दोष व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रभावित करता है। कहते है कि कालसर्प दोष के कारण व्यक्ति को सपने में कुछ ऐसी चीजें दिखाई देती है, जिससे कुंडली में कालसर्प दोष का संकेत मिलता है।

सपने में दिखती है ये चीजें

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में कालसर्प दोष है, तो व्यक्ति को सपने में सांप को अपने शरीर पर चढ़ते हुए देखता है। अगर किसी व्यक्ति ऐसे सपने आते हैं, तो यह कालसर्प दोष की और संकेत देता है।

अगर किसी व्यक्ति को सपने में सांप का जोड़ा हाथ या पैर में लिपटा हुआ या डसता हुआ दिखाई दे, तो यह कालसर्प दोष का संकेत माना जाता है।

यदि कोई व्यक्ति अपने सपने में अनगिनत सांपों को देखता है। तो यह घातक कालसर्प दोष का प्रतीक है। ऐसी स्थिति में ऐसे व्यक्ति को अपने इष्ट देवता का पूजन अवश्य करना चाहिए।

कब बनता है कालसर्प दोष?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब व्यक्ति की कुंडली में राहु और केतु के बीच जब सभी ग्रह आ जाते हैं तब काल सर्प दोष नामक योग का निर्माण होता है। कालसर्प योग 12 प्रकार के होते हैं। जिनका प्रभाव भी अलग-अलग होता है।

कैसे दूर होगा कालसर्प दोष?

कालसर्प दोष से छुटकारा पाने के लिए व्यक्ति को घर या मंदिर में जाकर रोजाना शिवलिंग पर अभिषेक करना चाहिए। प्रतिदिन भगवान विष्णु का ध्यान करें और उनकी आराधना करें। चांदी या गोमेद की नाग-आकृति वाली अंगूठी धारण करना शुभ फल देता है।प्रतिदिन महामृत्युंजय मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करना चाहिए। हनुमान चालीसा का रोजाना 11 बार पाठ करना चाहिए। इसके अलावा कालसर्प से पीड़ित व्यक्ति को अपने घर में मोर पंख रखने चाहिए।

रिश्ते में प्यार और आपके पति की किस्मत का ताला खोल देगी बिंदी!

किस दिन कौन सी बिंदी लगाएं?

हर दिन किसी न किसी ग्रह से जुड़ा होता है और उसी अनुसार बिंदी के रंग का चयन करना चाहिए। इससे दिनभर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और घर-परिवार में सुख-शांति आती है।

सोमवार – सफेद या हल्के नीले रंग की बिंदी लगानी चाहिए। यह मन को शांति देती है और रिश्तों में मिठास बढ़ाती है। चंद्रमा से संबंधित दिन होने के कारण यह भावनात्मक संतुलन में भी मदद करती है।

मंगलवार – इस दिन लाल रंग की बिंदी सबसे शुभ मानी जाती है। यह ऊर्जा, आत्मविश्वास और प्रेम का प्रतीक है। यह दिन मंगल ग्रह से जुड़ा होता है जो साहस और शक्ति का कारक है।

बुधवार – हरे या हल्के पीले रंग की बिंदी शुभ रहती है। यह बुद्धिमानी, संवाद कौशल और व्यापारिक समझ को बढ़ाती है। बुध ग्रह का प्रभाव विचारों में स्पष्टता लाता है।

गुरुवार – पीली या सुनहरी बिंदी लगाने की सलाह दी जाती है। यह बृहस्पति से संबंधित दिन होता है, जो ज्ञान, समृद्धि और पति की उन्नति के लिए शुभ होता है।

शुक्रवार – गुलाबी या हल्के लाल रंग की बिंदी वैवाहिक जीवन में प्रेम और आकर्षण को बढ़ाती है। शुक्र ग्रह सौंदर्य, प्रेम और कला से जुड़ा होता है।

शनिवार – इस दिन गहरे नीले या काले रंग की बिंदी से बचना चाहिए क्योंकि यह शनि ग्रह से जुड़ा होता है। हल्का हरा या ग्रे रंग बेहतर माना जाता है, जो मन को शांत रखता है और तनाव से बचाता है।

रविवार – नारंगी या हल्का लाल रंग की बिंदी शुभ होती है। यह आत्मबल, ऊर्जा और आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली मानी जाती है। सूर्य से संबंधित दिन होने के कारण यह प्रभामंडल को बढ़ाती है।

रंगों के अनुसार बिंदी के लाभ

लाल या मैरून बिंदी – विवाहित स्त्रियों के लिए सबसे शुभ मानी जाती है। यह प्रेम, समर्पण, आकर्षण और सौभाग्य का प्रतीक है।

गुलाबी बिंदी – रिश्तों में मधुरता और रोमांस लाती है। यह सौम्यता और कोमल भावनाओं को बढ़ावा देती है।

हरी बिंदी – यह बुद्धिमत्ता, समृद्धि और कार्यक्षमता को मजबूत बनाती है। विद्यार्थियों और कामकाजी महिलाओं के लिए लाभकारी मानी जाती है।

पीली या नारंगी बिंदी – यह मन को शांति और ध्यान में स्थिरता लाती है। साथ ही आध्यात्मिक उन्नति में भी सहायक होती है।

नीली या काली बिंदी – इन रंगों से बचना चाहिए क्योंकि इन्हें नकारात्मक ऊर्जा का वाहक माना गया है। ये चंचलता, क्रोध और मानसिक उलझन बढ़ा सकते हैं।

क्या काली बिंदी लगाना सही है?

ज्योतिष मान्यता के अनुसार काली बिंदी शनि और राहु से संबंधित मानी जाती है। यह जीवन में तनाव, उलझन, आपसी मतभेद और मानसिक बेचैनी को बढ़ा सकती है।

हालांकि कुछ लोग फैशन या परंपरा के कारण काली बिंदी लगाते हैं, लेकिन इसे लगाते समय सलाह दी जाती है कि साथ में लाल, हरी या पीली बिंदी भी लगाएं ताकि संतुलन बना रहे और नकारात्मक असर कम हो।

कौन हैं मिस वर्ल्ड 2025 ओपल सुचाता जो बनीं थाईलैंड की पहली विनर, 107 सुंदरियों को दी मात

सोनू सूद ने पूछा ये सवाल

खिताब पाने से चूका भारत

हैदराबाद में होने वाली मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता में थाइलैंड की ओपल सुचाता ने 107 सुंदरियों को पीछे छोड़ते हुए खिताब को जीत लिया है। सुचाता ने ये कारनामा 21 साल की उम्र में कर दिया है। वो थाईलैंड की ओर से पहली मिस वर्ल्ड बनी हैं।

थाईलैंड की पहली मिस वर्ल्ड

थाईलैंड की सुंदरी ओपल सुचाता चुआंगश्री ने 21 साल की उम्र में मिस वर्ल्ड 2025 का खिताब हासिल कर लिया। ओपल की जीत ने न सिर्फ थाईलैंड का गौरव बढ़ाया, बल्कि एशिया में भी एक नई मिस वर्ल्ड विजेता का एडिशन हुआ है।

जीत के बाद सुचाता ने क्या कहा?

जीत के बाद सुचाता ने कहा, 'मेरे देशवासी पिछले 72 सालों से मिस वर्ल्ड के पहला खिताब का इंतजार कर रहे थे।' उन्होने कहा, 'जिस पल मुझे ताज पहनाया गया, मेरी आंखों के सामने सिर्फ मेरे परिवार, मेरे लोगों, मेरी टीम और उन सभी का चेहरा था जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। मैं अब और इंतजार नहीं कर सकती, मैं बस इस ताज को थाईलैंड लेकर लौटने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं।'

कौन हैं ओपल सुचाता?

20 मार्च 2003 को फुकेत शहर में जन्मीं सुचाता चुआंगश्री ने मिस वर्ल्ड 2025 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वर्तमान में थाईलैंड की प्रतिष्ठित थामसैट यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल मामलों की पढ़ाई कर रही हैं। वो थाई, अंग्रेजी और चीनी भाषाएं बोलना जानती हैं। ओपल मिस वर्ल्ड के खिताब को जीतने वालीं पहली थाईलैंड की सुंदरी भी बन गई हैं।

मिस यूनिवर्स थाईलैंड से मिस वर्ल्ड तक का सफर

ओपल सुछता चुआंगश्री ने न सिर्फ अपनी सुंदरता बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता के चलते भी दुनिया का ध्यान खींचा है। जब वह सिर्फ 16 साल की थीं, तब एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का सामना करने के बाद उन्होंने महिलाओं के बीच ब्रेस्ट कैंसर और उससे जुड़ी सावधानियों को लेकर जागरूकता फैलाने की ठानी। इसी सोच के साथ उन्होंने 'ओपल फॉर हर' नामक पहल की शुरुआत की, जो आज थाईलैंड में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर एक प्रभावशाली सामाजिक आंदोलन बन चुका है।

ओपल का अंतरराष्ट्रीय मंच पर अनुभव पहले से ही मजबूत रहा है। उन्होंने 2024 में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में थाईलैंड का प्रतिनिधित्व किया था और वहां तीसरे स्थान पर रहीं। लेकिन बाद में जब उन्होंने मिस वर्ल्ड थाईलैंड 2025 का खिताब स्वीकार किया, तो उन्हें अपनी मिस यूनिवर्स थाईलैंड की उपाधि छोड़नी पड़ी। इस फैसले से यह साफ हो गया कि ओपल की प्राथमिकता केवल खिताब नहीं, बल्कि एक बड़े मंच के जरिए समाज में बदलाव लाना भी है।

भारत की नंदिनी गुप्ता का टूटा सपना

मिस वर्ल्ड 2025 के 72वें संस्करण में दुनियाभर के 108 देशों की सुंदरियों ने शिरकत की। भारत की ओर से इस मंच पर मॉडल नंदिनी गुप्ता ने हिस्सा लिया और अपने शानदार प्रदर्शन से टॉप 20 में जगह बनाने में सफल रहीं। हालांकि वो फाइनल राउंड तक नहीं पहुंच सकीं, लेकिन उनके आत्मविश्वास और उपस्थिति ने भारत का नाम जरूर रोशन किया।

सोनू सूद ने पूछा ये सवाल

मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता के दौरान एक्टर सोनू सूद ने विजेता ओपल सुचाता से सवाल किया। उन्होंने पूछा, 'इस यात्रा ने आपको सच्चाई और व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बारे में क्या सिखाया है, जो कहानियों को कैसे आकार देता है?' इसके जवाब में ओपल ने कहा, 'मिस वर्ल्ड में होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा अवसर है। इस प्रतियोगिता से मैंने सीखा कि चीजों को कैसे देखा जाता है और यह हमारी जिम्मेदारी है। मुझे लगता है कि एक बड़ी चीज जो हम यहां कर सकते हैं कि हम सभी लोग, बच्चें, बूढ़े, जो हमें देखते हैं उनके लिए एक आदर्श व्यक्ति बनें।'

ओपल सुचाता ने किया सबको धन्यवाद

आगे जवाब देते हुए मिस वर्ल्ड 2025 विनर ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि चाहे आप कोई भी हों और आपकी कितनी भी उम्र हो या किसी भी पद पर हों, आपके बगल में हमेशा एक व्यक्ति होता है, जो किसी न किसी तरह आपका सम्मान करता है। लोगों का नेतृत्व करने का सबसे अच्छा तरीका है अपने कार्यों में शालीनता को धारण करें। यही सबसे अच्छी बात है जो हम अपने आस-पास के लोगों और अपनी दुनिया के लिए कर सकते हैं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।'

खिताब पाने से चूका भारत

मिस वर्ल्ड 2025 में भारत की तरफ से शामिल रहीं नंदिनी गुप्ता ने शानदार टक्कर दिया। खिताब के बहुत करीब आकर नंदिनी अंतिम 8 की सूची में जगह बनाने से चूक गई। अभी तक भारत छह बार मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम कर चुका है।

सोनू सूद के काम की दुनिया हुई कायल मिस वर्ल्ड 2025 में मिला बड़ा सम्मान

72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल में भारत के जाने माने अभिनेता सोनू सूद को बड़ा सम्मान दिया गया है। सोनू सूद को लोगों की मदद करने के लिए 'ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड' से नवाजा गया है। इस सम्मान को पाने वाले वह सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं।

किस लिए दिया गया सोनू सूद को अवॉर्ड?

अभिनेता सोनू सूद को यह अवॉर्ड कोविड-19 के दौरान लोगों की मदद करने के लिए दिया गया। कोरोना काल के दौरान सोनू सूद लोगों के हीरो बनकर उभरे। मुश्किल वक्त में सोनू सूद ने कम से कम चार लाख लोगों की मदद की। इन लोगों में प्रवासी, छात्र और वंचित परिवार शामिल थे। सोनू सूद ने इन लोगों की मदद करने के लिए दिन रात मेहनत की। यह लोग अचानक अपनी आय खोने से मुश्किल में

फंस गए थे। सोनू सूद की लोगों के प्रति उदारता को पूरी दुनिया में पहचाना गया।

मिस वर्ल्ड जूरी सदस्य थे सोनू सूद

सोनू सूद को भारत के तेलंगाना में बड़े हाइटेक्स एरिना में 'मिस वर्ल्ड 2025' के लाइव टेलीकास्ट के दौरान अभिनेता राणा दग्गुबाती ने अवॉर्ड दिया। इसके अलावा सोनू सूद इस साल इस मशहूर प्रोग्राम में जूरी के सदस्य भी थे।

सोनू सूद के साथ काम करेगा मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन

'मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन' सूद चैरिटी फाउंडेशन के साथ मिलकर स्तन कैंसर जागरूकता के लिए प्रोग्राम लॉन्च करेगा। इस साझेदारी का मकसद जागरूकता बढ़ाना, बीमारी की जल्दी पहचान को बढ़ावा देना और दुनिया भर में स्तन कैंसर से जूझ रहे लोगों की मदद करना है।

सोनू सूद का काम

सोनू सूद बॉलीवुड के अभिनेता, मॉडल और फिल्म निर्माता हैं। उन्होंने बॉलीवुड में फिल्म 'शहीद-ए-आजम' से कदम रखा। आखिरी बार उन्हें 'फतेह' फिल्म में देखा गया था। वह इस फिल्म के निर्देशक, लेखक और निर्माता हैं। सोनू ने तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया है।

साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला करने वाली हैं शादी?

कार्तिक आर्यन संग डेटिंग की खबरों के बीच दुल्हन लुक वायरल; फैंस हुए एक्साइटेड

साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला की दुल्हन वाले लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें वह हल्दी, कुमकुम और सिंदूर के पारंपरिक अंदाज में नजर आ रही हैं। कार्तिक आर्यन संग डेटिंग की खबरों के बीच इन तस्वीरों ने फैंस को कन्फ्यूज कर दिया है। कई लोग उनकी शादी की अटकलें लगाने लगे हैं, हालांकि यह संभव है कि ये किसी आने वाली फिल्म का सीन हो। फिलहाल तस्वीरों की सच्चाई सामने नहीं आई है।

इन तस्वीरों में श्रीलीला पिंक कलर के सूट में नजर आ रही हैं। एक अन्य तस्वीर में उन्हें खूबसूरत पेस्टल ब्लू और क्रीम रंग की साड़ी पहने हुए देखा गया है। अपने लुक को उन्होंने पारंपरिक आभूषणों झुमकों और मांग टीका के साथ पूरा किया है।

फैंस का रिएक्शन

इन तस्वीरों को देखने के बाद लोग अंदाजा लगाने लगे कि क्या श्रीलीला की शादी होने वाली है। एक यूजर ने लिखा, 'ये उनकी स्टार बर्थडे है, इसके बारे में पढ़ो यानी यह कोई सांस्कृतिक परंपरा हो सकती है, शादी नहीं।', दूसरे ने पूछा, 'लेकिन उनकी मांग में सिंदूर क्यों है? आमतौर पर अविवाहित लड़कियां नहीं लगातीं।', हालांकि कुछ लोग सगाई या रोका में लगाते हैं।

कार्तिक आर्यन और श्रीलीला के अफेयर की चर्चाएं

बता दें, कार्तिक आर्यन और साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला अपकमिंग फिल्म में साथ दिखाई देंगे। हाल ही में दोनों के अफेयर की खबरें सामने आई है। एक्टर की मां ने भी दोनों को लेकर अपनी चॉइस बताई है। राजस्थान के जयपुर में आईफा अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन हुआ था। इस दौरान कार्तिक के को-होस्ट और फिल्ममेकर करण जौहर ने एक्टर की मां माला तिवारी से सवाल पूछा कि उनको बेटे लिए कैसी बहू चाहिए।

इस सवाल को सुनने के बाद ऑडियंस में बैठे कई लोग अनन्या पांडे का नाम चिल्लाने लगे। करण ने अनन्या को ऑडियंस की डिमांड बताया, लेकिन कार्तिक की मां ने कहा- 'घर की डिमांड एक बहुत अच्छी डॉक्टर है।

कुएं में कूद जाऊंगी लेकिन 'बिग बॉस शो का हिस्सा नहीं बनूंगी : चाहत खन्ना

टीवी एक्ट्रेस चाहत खन्ना पिछले कुछ समय से लगातार अपने इंटरव्यू को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इंटरव्यू में वो खुलकर कास्टिंग काउच और पैसे नहीं मिलने जैसे मुद्दे पर बात कर रही हैं। अब चाहत ने सलमान खान के शो बिग बॉस को लेकर कहा कि वो उस शो का कभी हिस्सा नहीं बनेंगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें बिग बॉस से ऑफर आए तो वो शो में जाएंगी?

इस सवाल के जवाब में चाहत कहती हैं- 'बिग बॉस का ऑफर तो हर साल एक्टर्स को आता है। शायद कभी कोई हां बोले दे लेकिन मैं तो कभी ना जाऊं। मुझे मौका मिले तो कुएं में कूद जाऊं लेकिन बिग बॉस में नहीं जाऊंगी। मैं जानती हूं वो कितना षडयंत्र रचकर बैठे हैं। मेरे पास्ट की धज्जियां उड़ा देंगे। अगर खाने को पैसे नहीं हुए तो मैं कहीं जॉब कर लूंगी लेकिन जिंदगी में कभी बिग बॉस नहीं जाऊंगी।'

चाहत की करियर की बात करें तो वो 'बड़े अच्छे लगते हैं' और 'कबूल' हैं जैसे हिट शो क हिस्सा रही हैं। हालांकि, अब वो कम ही छोटे पर्दे पर नजर आती हैं। इसके पीछे की वजह एक्ट्रेस ने बताया कि कोई उनके साथ काम नहीं करना चाहता है। उन्होंने इंडस्ट्री में

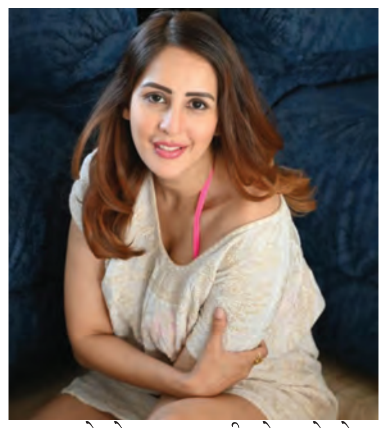

तलाक को लेकर बन चुकी सोच को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग उनके साथ काम नहीं करना चाहते हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस का दो बार तलाक हो चुका है। उनकी पहली शादी ज्यादा लंबी नहीं चली थी। महज 4 महीने के अंदर ही उन्होंने तलाक ले लिया था। फिर उन्होंने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत की और दोबारा शादी की, लेकिन वह शादी भी लंबे समय तक नहीं चली और तलाक हो गया। चाहत कहती हैं कि तलाक और सेपरेशन कभी भी आसान नहीं होते, खासकर तब जब बच्चे हों।

दिशा पाटनी हॉलीवुड में ऑस्कर विजेता डायरेक्टर के साथ कर रहीं हैं काम

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अब हॉलीवुड में भी एक्टिंग करने को तैयार हैं। दिशा जल्द ही सुपरनैचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'होलीगार्ड्स' में नजर आएंगी। खास बात यह है कि इस फिल्म से ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी लगभग दो दशक बाद निर्देशन में लौट रहे हैं। फिल्म की शूटिंग मैक्सिको में हुई है और इसमें कई इंटरनेशनल स्टार्स भी नजर आएंगे। दिशा के साथ फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रियाना हिलडेब्रांड भी अहम भूमिकाओं में हैं।

'होलीगार्ड्स'एक फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसका नाम 'स्टेटिगार्ड्स बनाम होलीगार्ड्स' है। फिल्म में एक्शन, हॉरर और सुपरनैचुरल एलिमेंट्स की भरमार होगी। पोस्ट-प्रोडक्शन के दौरान ही फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

शूटिंग के दौरान दिशा की फोटो वायरल हुई थी

कुछ समय पहले दिशा पाटनी की शूटिंग के दौरान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। यह तस्वीर मेक्सिको के डुरैंगो की थी, जहां फिल्म की शूटिंग हो रही थी। इंडस्ट्री के एक सूत्र के मुताबिक, "दिशा इस साल जनवरी में मेक्सिको में थीं। उन्होंने टायरेस गिब्सन और हैरी गुडविन्स के साथ शो के पायलट की शूटिंग की थी। उनकी शूटिंग के सीन विजुअली बेहद शानदार हैं।"

पहले भी दिशा कर चुकीं हैं इंटरनेशनल फिल्म

यह दिशा का पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट नहीं है। इससे पहले वह जैकी चैन के साथ 'कुंग फू योगा' में भी नजर आ चुकी हैं। हॉलीवुड प्रोजेक्ट के साथ-साथ दिशा फिलहाल 'वेलकम टू द जंगल' की भी तैयारी कर रही हैं, जो साल 2025 में रिलीज होगी।

दिशा पाटनी ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत साउथ इंडस्ट्री से की थी। उन्होंने साल 2015 में तेलुगु फिल्म 'लोफर' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद 2024 में दो बड़ी फिल्मों 'कालकी 2898 ए.डी.' और 'कंगुवा' में भी नजर आईं।

तलाक के बावजूद बेटे के लिए फिर साथ आए धनुष-ऐश्वर्या

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार धनुष और डायरेक्टर ऐश्वर्या रजनीकांत हाल ही में एक खास मौके पर एक साथ नजर आए। मौका था उनके बड़े बेटे यत्र की स्कूल ग्रेजुएशन सेरेमनी का। अलग हो जाने के बावजूद दोनों ने बेटे की इस कामयाबी को साथ मिलकर सेलिब्रेट किया।

धनुष ने सोशल मीडिया पर बेटे यात्रा की ग्रेजुएशन डे की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इनमें से एक फोटो में यत्र अपने माता-पिता को गले लगा रहा है। धनुष ने फोटो के साथ लिखा – दिल वाले इमोजी भी लगाया। इस खास मौके पर धनुष सफेद शर्ट और ब्लैक पैंट में थे। वहीं, ऐश्वर्या ऑफ-व्हाइट ड्रेस में नजर आईं। इससे पहले भी दोनों अपने बेटों यत्र और लिंगा के स्पोर्ट्स डे में साथ दिखाई दिए थे।

फैंस हुए इमोशनल

इस पोस्ट के बाद फैंस इमोशनल हो गए। कमेंट सेक्शन में बधाइयों और दिल वाले इमोजी की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने प्यार भरे इमोजी के साथ अपनी खुशी जताई। एक यूजर ने धनुष को बधाई देते हुए उनके बेटे की सफलता की कामना की। किसी ने लिखा, तो एक अन्य ने कहा, धनुष अन्ना हमेशा कई लोगों के लिए रोल मॉडल हैं। एक यूजर ने लिखा, आप दोनों को साथ देखकर खुशी हुई।

इसके अलावा, एक यूजर ने इस पल को खास बताते हुए ₹आखिरकार! शानदार पल₹ लिखा। कुछ ने यत्र को बधाई दी तो किसी ने इसे एक चमत्कार बताया।

धनुष-ऐश्वर्या ने 2022 में अलग होने की घोषणा की थी

बता दें कि धनुष और ऐश्वर्या ने 18 साल की शादी के बाद जनवरी 2022 में अलग होने की घोषणा की थी। अप्रैल 2024 में उन्होंने तलाक के लिए अर्जी दी थी और नवंबर 2024 में कोर्ट ने उन्हें कानूनी रूप से अलग कर दिया।

धनुष ने उस वक्त एक पोस्ट में लिखा था, ₹18 साल की साथ-साथ की यात्रा कभी दोस्तों की तरह, कभी पति-पत्नी के रूप में, और कभी माता-पिता व एक-दूसरे के शुभचिंतक बनकर। ये सफर रहा सीखने, समझने, समझौता करने और बदलते रहने का। आज हम उस मोड़ पर खड़े हैं जहां हमारे रास्ते अलग हो रहे हैं। धनुष ने आगे ये भी लिखा था, मैं और ऐश्वर्या अब एक कपल के रूप में अलग होने का फैसला कर चुके हैं, ताकि हम खुद को एक व्यक्ति के तौर पर बेहतर तरीके से समझ सकें। कृपया हमारे इस फैसले का सम्मान करें और हमें इस दौर से गुजरने के लिए जरूरी निजता दें। वर्क फ्रंट की बात करें तो धनुष इन दिनों अपनी फिल्म 'कुबेरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। वहीं, वो अपनी डायरेक्टोरियल फिल्म 'इडली कडाई' के पोस्ट-प्रोडक्शन में भी व्यस्त हैं। ऐश्वर्या की पिछली फिल्म 'लाल सलाम' थी, उनकी अगली फिल्म की घोषणा अभी नहीं हुई है।

ऐसे ब्लाउज के साथ 300 रुपये की साड़ी भी लगेगी 3000 की

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जो हर भारतीय महिला के कलेक्शन में शामिल होता है। महिलाएं चाहे किसी भी उम्र में हों, वो साड़ी पहनना पसंद करती हैं। यही वजह है कि महिलाओं के पास सस्ती से सस्ती और महंगी से महंगी साड़ी भी होती है।

महंगी साड़ी तो अपने आप में ही अलग से दिख जाती है, लेकिन ज्यादातर महिलाओं को सस्ती साड़ी स्टाइल करने का सही तरीका नहीं पता होता है। जबकि साड़ी चाहे कितनी भी सस्ती हो, उसके साथ फैंसी ब्लाउज पहनकर आप उसका पूरा लुक ही बदल सकते हैं।

इसी के चलते आज हम आपको कुछ ऐसे ब्लाउज की डिजाइन दिखाने जा रहे हैं, जिसे अगर आप 300 रुपये की साड़ी के साथ भी पहनेंगी तो उसकी कीमत 3000 लगने लगेगी। ये सभी डिजाइन सेव करके रख लें, ताकि जरूर पड़ने पर ऐसे ब्लाउज

आप बनवा सकें।

डोरी वाला बैकलेस ब्लाउज

युवा लड़कियों की पसंद की बात करें तो उन्हें इस तरह के ब्लाउज काफी पसंद आते हैं। इस तरह के बैकलेस ब्लाउज काफी ग्लैमरस लुक भी देते हैं, जिस कारण इन्हें कैरी करके लुक एकदम बदल सा जाता है। यदि आपको भी ग्लैमरस दिखना पसंद है तो किसी भी सिंपल साड़ी के साथ डोरी वाला ऐसा ही बैकलेस ब्लाउज कैरी करें।

हॉल्टर नेक ब्लाउज

बहुत सी महिलाओं को ज्यादा डीपनेक ब्लाउज असहज कर देता है, लेकिन वो स्लीवलेस कैरी कर लेती हैं। ऐसी महिलाओं के लिए ये हॉल्टर नेक वाला ब्लाउज परफेक्ट रहेगा। इसे किसी तरह की साड़ी के साथ भी कैरी किया जा सकता है। चाहें तो इसे कॉन्ट्रास्ट में तैयार कराएं, ताकि ब्लाउज की डिजाइन उभर कर सामने आए।

मिरर वर्क स्लीवलेस ब्लाउज

मिरर वर्क के आउटफिट आजकल काफी चलन में हैं। ऐसे में आप भी इस तरह के ब्लाउज को बनवा सकती हैं। मिरर वर्क के ब्लाउज उस साड़ी के लुक में चार चांद लगा देंगे, जो एकदम प्लेन होगी। बॉर्डर वाली साड़ी के साथ भी ऐसे मिरर वर्क वाले ब्लाउज परफेक्ट लगते हैं।

ट्यूब ब्लाउज

कुछ अलग लेकिन ग्लैमरस पहनना है तो ट्यूब ब्लाउज से बेहतर आपके लिए कुछ नहीं हो सकता। इसे पहनने से पहले एक बार ट्राई करके देख लें, कि आप इसे कैरी करके सहज हैं या नहीं। कई बार महिलाएं ऐसे ब्लाउज बनवा तो लेती हैं, लेकिन इसे पहनने में असहज रहती है। ये ब्लाउज आपकी सस्ती साड़ी को महंगी बना देगा।

कोर्सेट स्टाइल ब्लाउज

कोर्सेट स्टाइल टॉप के बारे में हर लड़की जानती होगी, पर क्या कभी आपने कोर्सेट ब्लाउज के बारे में सुना है ऐसा ब्लाउज आपको बॉस लेडी लुक देने का काम करता है। कोर्सेट वाले ब्लाउज को बनवाकर आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं।

पफ स्लीव ब्लाउज

यदि एक्सपोज करने वाले ब्लाउज आपको नहीं भाते हैं तो ऐसे पफ स्लीव वाले ब्लाउज को अपने कलेक्शन में शामिल करें। ये फुल स्लीव भी होते हैं, और देखने में भी काफी अच्छे लगते हैं। इसलिए ऐसे ब्लाउज को भी अपने कलेक्शन में शामिल करें।

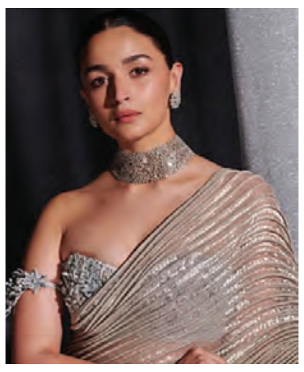

फैशन फोरकास्टिंग में करियर चमकाएं

एक आकर्षक, ग्लैमरस और रोमांच से भरा हुआ ए क्षेत्र है फैशन। इसमें करियर विकल्प के तौर पर युवाओं के जेहन में फैशन डिजाइनर बनने का ही ख्याल आता है, लेकिन आज फैशन के क्षेत्र में करियर के कुछ और विकल्प हैं। यदि आप में रचनात्मकता और मौलिकता है तो 'फैशन फोरकास्टिंग' आपके लिए एक बेहतर करियर साबित हो सकता है।

दरअसल, फैशन फोरकास्टिंग' और 'फैशन डिजाइनिंग' समरूप हैं। अंतर केवल इतना है कि आप 'फैशन फोरकास्टिंग' में फैशन डिजाइनिंग से एक कदम आगे होते हैं। यहां आप आने वाले ट्रैंड और रुझानों को तय करते हैं। फैशन से जुड़े टैंड की भविष्यवाणी इस पेशे का मुख्य हिस्सा है।

रोमांचक है फैशन फोरकास्टिंग' :

इस फील्ड में इतना रोमांच है कि आप हर समय जोश और जज्बे से भरे रहते हैं। यहां कुछ भी ठहरा हुआ नहीं है। यहां रातों- रात फैशन के सारे समीकरण बदलते हैं।

मौसम के हिसाब से कट और कलर तो बदलते ही हैं, लेकिन अब तो लगता है कि स्टाइल और मैटीरियल आदि चलन में आने से पहले ही बदल जात हैं, इसलिए इस काम की चुनौतियां भी अनूठी हैं।

ऐसे में सबसे पहले यहां यह समझने की जरूरत है कि फैशन की भविष्यवाणी करने और फैशन डिजाइनिंग में क्या फर्क है?

दरअसल, फैशन की भविष्यवाणी फैशन डिजाइनिंग की अगली कड़ी है, जहां कोई भी

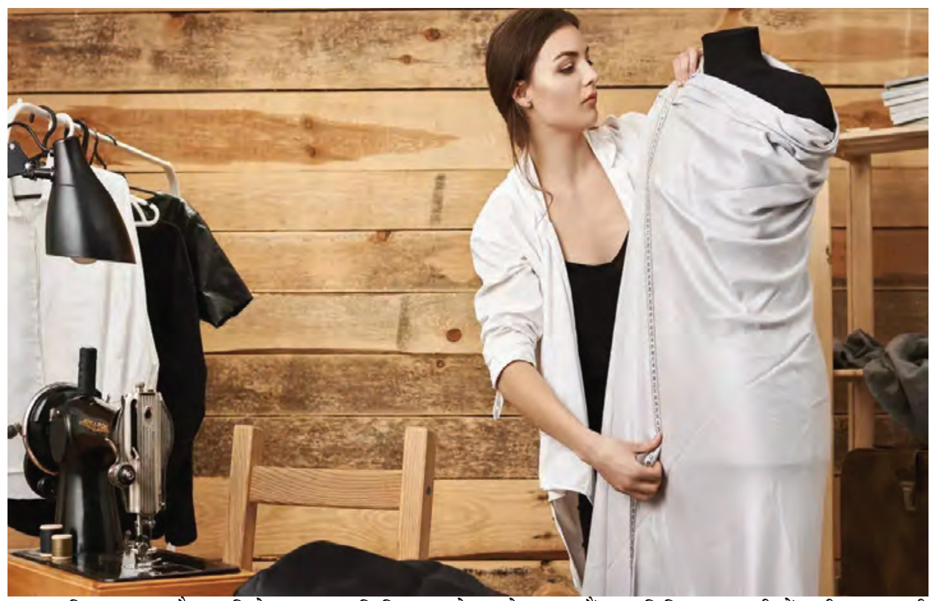

कुशल डिजाइनर या फैशन विशेषज्ञ लोगों के मूड को समझते हुए उनकी रुचि, ट्रैंड, मौसम, रंगों के अनुसार आने वाले फैशन की भविष्यवाणी करता है।

शैक्षिक योग्यता

'फैशन फोरकास्टिंग' के ज्यादातर स्नातक कोर्स में प्रवेश लेने के लिए किसी भी विषय में 12वीं पास होना जरूरी है। वहीं पी. जी. कोर्स के लिए किसी भी विषय में स्नातक होना जरूरी है।

भविष्य की संभावनाएं और करियर के अवसर को देखते हुए भारत सरकार के अधीन काम करने वाली अपैरल, मेडअप्स एंड होम फर्निशिंग सैक्टर स्किल काऊंसिल भी युवाओं को एक खास ऑनलाइन सर्टीफिकेट कोर्स करा रही है।

इसमें इंडस्ट्री के विशेषज्ञ युवाओं को 'फैशन फोरकास्टिंग' एनालिसिस से लेकर ट्रैंड फोरकास्टिंग' के पहलुओं के बारे में बताते हैं। स्किल इंडिया मिशन के तहत यह एक सर्टीफिकेट कोर्स होने के कारण उद्योग

तकनीकी ज्ञान भी जरूरी:

'फैशन फोरकास्टिंग' के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए महज रचनात्मक होना ही काफी नहीं है बल्कि इस क्षेत्र की तकनीक से वाकिफ होना भी बेहद जरूरी है।

उदाहरण के तौर पर परिधानों की डिजाइनिंग के लिए फैब्रिक वीविंग टैक्नीक्स, फैब्रिक मिक्सिग टैक्नीक्स, डाइंग टैक्नीक्स, स्टिचिंग टैक्नीक्स आदि का ज्ञान होना चाहिए।

इसी तरह फुटवियर डिजाइनिंग, एक्सैसरी डिजाइनिंग और ज्यूलरी डिजाइनिंग आदि के लिए भी विभिन्न तकनीकों की जानकारी महत्वपूर्ण है। 'फैशन फोरकास्टिंग' अब फैशन क्षेत्र के दूसरे कारकों पर आश्रित नहीं रहा। यह अब एक अलग करियर बन चुका है।

डच 'ट्रैंड फोरकास्ट' ली एडेलकूट जैसे विशेषज्ञों ने 'फैशन फोरकास्टिंग' को एक महत्वपूर्ण करियर फील्ड के रूप में स्थापित किया है। कई भारतीय 'फैशन फोरकास्ट' भी इंटरनैशनल फैशन इंडस्ट्री में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

फैशन से जुड़ी कम्पनियां युवा डिजाइनरों को भर्ती करके और आधुनिक स्पर्श जोड़ने के लिए फैशन शो आयोजित करके अपने ब्रांड का प्रचार कर रहे हैं। ऐसे में युवाओं के पास इस फील्ड में काम करने तथा रोजगार के बहुत सारे अवसर हैं।

आलोचना व्यक्ति की नहीं, कार्य की करें

आप सफल होने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन आलोचना की आदत से ग्रस्त हैं तो आपको सफलता प्राप्त करने में दिक्कतें आएंगी। यदि हम किसी की आलोचना करना चाहते हैं तो यही सोचते हैं कि इस प्रकार हम व्यक्ति को सुधार लेंगे। आपकी यह सोच गलत है। व्यक्ति बचपन से ही अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर लेता है और उसी के अनुरूप अपना स्वभाव व जीवन के प्रति अपना दृष्टिकोण कायम कर लेता है। अतः अब वह अपना व्यवहार और आदतें नहीं बदल सकता।

हम दूसरों की आलोचना कर उन्हें सुधारने का प्रयत्न करते हैं परंतु हमें यह बिल्कुल पसंद नहीं है कि कोई हमारी आलोचना करे। आप यह क्यों भूल जाते हैं कि स्वयं को सुधारना असम्भव नहीं है जबकि जब आप दूसरों को सुधारने की कोशिश करते हैं तो उनकी निगाह में बुरे बन जाते हैं।

यदि आप आलोचना करना ही चाहते हैं तथा उपदेश दिए बिना नहीं कर पा रहे हैं तो जब भी किसी की आलोचना करें तो सबके सामने कभी न करे, उसे हमेशा एकांत में ले जाकर जो भी कहना है, कहें।

सिर्फ आलोचना ही न करें उसे समझाएं भी सुझाव भी दें ताकि वह भविष्य में फिर से गलती न करे और खुद में सुधार लाए। आलोचना करते समय संतुलित एवं नपे तुले शब्दों का इस्तेमाल करें। समय भी कम लगाएं। ज्यादा समय देने पर आलोचना का महत्व कम हो जाता है और इधर-उधर की बातें होने लगती हैं।

जब आपका मन अशांत हो, क्रोध आ रहा हो तब आलोचना कभी न करें, शांत मन से ही अपनी बात शुरू करें। आलोचना हमेशा व्यक्ति की न करें, हमेशा उसके कार्य की करें। सभ्य शब्दों का इस्तेमाल करें। इससे व्यक्ति विशेष को आलोचना खलेगी नहीं।

आलोचना हमेशा सुधार लाने की भावना से करें, तभी तो शीघ्र ही सफलता की ओर आप अग्रसर होते रहेंगे। कोई तलवार इतनी निर्ममता से नहीं काटती, जितना कटु वचन ।

क्लास में 'फेल', जीवन में 'सफल'

ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें विद्यार्जन के दौर में कमजोर माने गए बच्चे या वे बच्चे, जिन्हें औपचारिक शिक्षा मिली ही नहीं, बड़े होने पर अपने कार्यक्षेत्र के दिग्गज बने। विज्ञान के क्षेत्र के शिखर पुरुष न्यूटन और आइंस्टीन कमजोर छात्रों की श्रेणी में आते थे। थॉमस अल्वा एडिसन के शिक्षक ने तो उनके लिए यहां तक कह दिया था कि यह लड़का कुछ सीख ही नहीं सकता। हवाई जहाज का आविष्कार करने वाले राइट बंधुओं ने हाईस्कूल तक की औपचारिक शिक्षा भी पूरी नहीं की थी। श्रीनिवास रामानुजम गणित के जादूगर थे लेकिन अन्य सभी विषयों में वे फेल होते थे। बिल गेट्स ने कॉलेज की शिक्षा पूरी नहीं की और धीरूभाई अम्बानी ने कोई औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं की थी। ए. आर. रहमान ने स्कूली पढ़ाई अधूरी छोड़ी, वहीं लता मंगेशकर और आशा भोंसले ने औपचारिक शिक्षा पाई ही नहीं। सचिन तेंदुलकर भी तो स्कूल से आगे बढ़ ही नहीं पाए, यह बात दूसरी है कि उनके पास डॉक्टरेट की मानद उपाधि है। इन लोगों और ऐसे ही कई और लोगों के उदाहरण साबित करते हैं कि करियर बनाने, नाम कमाने, अपने हुनर से दुनिया को समृद्ध करने और अपना जीवन सार्थक करने के लिए न रट्टू तोता बनना अनिवार्य है, न अच्छा पर्सेंटेज बनाना।

जरूरत है अपने हुनर, अपने कौशल को मांजने की, उसे संवारने की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि देश में हुनर या हुनरमंद युवाओं की कमी है। कमी हैं तो इस हुनर को तराशने वाली शिक्षा प्रणाली की कमी है भावी पीढ़ी की ऊर्जा को सही दिशा देने की।

रेलवे में कैसे मिलती है नौकरी? ये हैं एग्जाम और एलिजिबिलिटी की जरूरतें

नोटिफिकेशन अक्सर पोस्ट करते रहते हैं. सबसे लेटेस्ट नोटिफिकेशन के लिए उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाना चाहिए. आप इस पोस्ट में ग्रेजुएशन के बाद रेलवे की नौकरियों, भर्ती के लेवल, सैलरी, शुरुआती वेतन और अन्य फेक्टर्स के बारे में जानकारी पा सकते हैं.

देश की नींव भारतीय रेलवे है, जो देश भर में 12 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देती है. यह उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम को जोड़ता है और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है. सरकारी रोजगार परीक्षाओं के लिए पढ़ाई करने वाले बहुत से लोग भारतीय रेलवे में काम करने की इच्छा रखते हैं. भारतीय रेलवे में काम करने की इच्छा रखने वालों के लिए यह करियर का सबसे अच्छा रास्ता है.

कैंडिडेट्स को ग्रेजुएशन लेवल की पढ़ाई के बाद उनके लिए उपलब्ध रेलवे पदों के बारे में जानकारी और टेस्ट के लिए स्टडी शेड्यूल, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए खुले हैं, के बारे में

जानकारी पढ़नी चाहिए.

आरआरबी ग्रुप ए

ग्रुप A के पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के लिए परीक्षा का उपयोग किया जाता है. ग्रुप-ए पदों के लिए पात्र होने के लिए, कैंडिडेट्स को यूपीएससी परीक्षा देनी होगी. एक इंटरव्यू, मेन्स परीक्षा और प्री सभी संघ लोक सेवा आयोग चयन प्रक्रिया का हिस्सा हैं. इस कैटेगरी के अंतर्गत टेक्निकल और नॉन टेक्निकल दोनों की पेशकश की जाती है. इस कैटेगरी के लिए सिविल सेवा परीक्षा, इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा और कंबाइंड मेडिकल सर्विस एग्जाम आयोजित किए जाते हैं.

आरआरबी ग्रुप B

रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप-बी पदों के लिए परीक्षा आयोजित नहीं करता है. ग्रुप बी पदों के लिए केवल प्रमोशन होता है.

आरआरबी ग्रुप C

रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप सी (आरआरबी) के लिए भर्ती आयोजित करता है. ग्रुप सी पदों के लिए आवेदन जमा करने के लिए उम्मीदवारों को बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा. आधिकारिक वेबसाइट भर्ती घोषणाओं को पोस्ट करती है.

आरआरबी ग्रुप D

रेलवे रिक्रूटमेंट सेल (आरआरसी) मंडल लेवल पर ग्रुप डी के लिए हायरिंग का काम संभालता है. इस ग्रुप में शूटर, सफाईवाला, ट्रैकमैन, चपरासी और ट्रैकर जैसे पद शामिल हैं. नॉन-ट्रेडिशनल या डिस्टेंस एजुकेशन के माध्यम से अपनी डिग्री पूरी करने वाले कैंडिडेट्स के लिए इसके बारे में जानकारी यहां दी गई है.

उम्मीदवार की आयु 1 जुलाई को 18 साल से कम नहीं होनी चाहिए, जिस साल उन्हें कोर्स (ग्रेजुएशन) में प्रवेश दिया जाता है.

उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या मुक्त विश्वविद्यालय से 3 साल के डिग्री प्रोग्राम में नामांकित होना चाहिए. उम्मीदवार के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं क्लास पास होना जरूरी है.

सीबीएसई एग्जाम्स के लिए स्टडी हैक्स

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के लिए सबसे जरूरी बात है कि आप अपने सिलेबस को अच्छी तरह से समझें. अपने सिलेबस को समझने के लिए, आप अपने टीचर्स से बात कर सकते हैं, ऑनलाइन रिसोर्सेस का उपयोग कर सकते हैं या पिछले सालों के पेपर का एनालिसिस कर सकते हैं.

एक प्लान बनाएं और उस पर टिके रहें

एक प्लान बनाना आपकी तैयारी को सुव्यवस्थित करने का एक शानदार तरीका है. अपनी प्लान में, आप अपने सिलेबस को कवर करने के लिए एक समय सीमा निर्धारित कर सकते हैं. आप अपनी प्लानिंग में रिवीजन के लिए भी टाइम अलॉट कर सकते हैं.

नियमित रूप से रिवीजन करें

नियमित रूप से रिवीजन करने से आपको चीजें याद रखने में मदद मिलेगी. आप अपने टीचर्स से रिवीजन के लिए क्लास बुक कर सकते हैं या अपने दोस्तों के साथ ग्रुप स्टडी कर सकते हैं.

मॉडल पेपर हल करें

मॉडल पेपर हल करने से आपको परीक्षा के पैटर्न और समय मैनेज की आदत डालने में मदद मिलेगी. आप अपने शिक्षकों से मॉडल पेपर प्राप्त कर सकते हैं या ऑनलाइन रिसोर्सेस का उपयोग कर सकते हैं.

अपनी पढ़ाई के लिए एक आरामदायक जगह बनाएं

अपनी पढ़ाई के लिए एक आरामदायक जगह बनाना जरूरी है. यह जगह ऐसी होनी चाहिए जहां आप फोकस कर सकें और विचलित न हों.

हेल्दी खाना और पूरी नींद लें

हेल्दी खाना और पूरी नींद लेने से आपको मानसिक रूप से एक्टिव रहने में मदद मिलेगी. परीक्षाओं की तैयारी के दौरान, सुनिश्चित करें कि आप ताजे फल, सब्जियां और साबुत अनाज खा रहे हैं. साथ ही, हर रात कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें.

अपने टीचर्स से मदद लें

अगर आपको किसी सब्जेक्ट में समझ में नहीं आ रहा है, तो अपने टीचर्स से हेल्प लें. वे आपकी मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं.

अपने दोस्तों के साथ पढ़ाई करें

अपने दोस्तों के साथ पढ़ाई करना एक मजेदार और प्रॉडक्ट तरीका हो सकता है. आप एक-दूसरे को सवालों के जवाब दे सकते हैं और एक-दूसरे को प्रोत्साहित कर सकते हैं.

स्ट्रेस कम करें

स्ट्रेस आपकी पढ़ाई में बाधा डाल सकता है. तनाव कम करने के लिए, नियमित रूप से व्यायाम करें, योग करें या प्राणायाम करें.

सेल्फ मोटिवेट रखें

अगर आप तैयार हैं, तो आपको सेल्फ मोटिवेट होना चाहिए. परीक्षा के दिन, अपने आप को बताएं कि आप कर सकते हैं.

भारत का दोस्त बना रहा रिकॉर्ड

एक साल में खर्च कर डाले 1.28 लाख करोड़

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। अगर आप सोच रहे हैं कि भारत का नंबर 1 दो रूस, अमेरिका या फिर ब्रिटेन और जर्मनी है तो आप गलतफहमी में जी रहे हैं। निवेश के मामले में भारत का सबसे करीबी दोस्त इनमें कोई नहीं है। जो देश भारत में पिछले 7 साल से निवेश करता आ रहा है अगर उसका नाम आपको पता चल जाएगा तो आप भी हैरान हो जाएंगे। ये देश कोई और नहीं बल्कि सिंगापुर है। सिंगापुर भारत में निवेश के मामले में बीते 7 साल से टॉप देखने को मिल रहा है। खास बात तो ये है कि बीते वित्त वर्ष में सिंगापुर ने 1.28 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा यानी अमेरिका और जापान देशों के निवेश के मुकाबले में 3 से 5 गुना ज्यादा है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सिंगापुर के साथ दुनिया के बाकी देश एफडीआई के रूप में कितना निवेश करते हैं।

सिंगापुर लगातार 7वें साल टॉप पर

सिंगापुर पिछले सात साल से भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। भारत को 2024-25 में सिंगापुर से लगभग 15 अरब अमेरिकी डॉलर का सबसे अधिक विदेशी निवेश मिला है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल एफडीआई (जिसमें इक्विटी फ्लो, रीइंवेस्ट इनकम और अन्य पूंजी शामिल है) 14 फीसदी बढ़कर 81.04 अरब डॉलर हो गया। यह पिछले तीन साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में सिंगापुर से एफडीआई 2023-24 के 11.77 अरब डॉलर से बढ़कर 14.94 अरब डॉलर हो गया। 2024-25 में कुल प्रवाह में सिंगापुर का योगदान लगभग 19 फीसदी था। 2018-19 से, सिंगापुर, भारत के लिए एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है।

इन देशों ने भी किया मोटा निवेश

इससे पहले 2017-18 में भारत ने मॉरीशस से सबसे ज़्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया था। पिछले वित्त वर्ष में देश को मॉरीशस से 8.34 अरब डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ। बीते वित्त वर्ष में मॉरीशस के बाद अमेरिका (5.45 अरब डॉलर), नीदरलैंड (4.62 अरब डॉलर), यूएई (3.12 अरब डॉलर), जापान (2.47 अरब डॉलर), साइप्रस (1.2 अरब डॉलर), ब्रिटेन (79.5 करोड़ डॉलर), जर्मनी (46.9 करोड़ डॉलर) और केमैन आइलैंड (37.1 करोड़ डॉलर) का स्थान रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में मजबूत स्थिति, बेहतर द्विपक्षीय संबंध और वैश्विक निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी निवेश का गेटवे होने की वजह से भारत के लिए सिंगापुर सबसे बड़ा एफडीआई का स्रोत बना हुआ है।

इन देशों ने भी किया मोटा निवेश

इससे पहले 2017-18 में भारत ने मॉरीशस से सबसे ज़्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया था। पिछले वित्त वर्ष में देश को मॉरीशस से 8.34 अरब डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ। बीते वित्त वर्ष में मॉरीशस के बाद अमेरिका (5.45 अरब डॉलर), नीदरलैंड (4.62 अरब डॉलर), यूएई (3.12 अरब डॉलर), जापान (2.47 अरब डॉलर), साइप्रस (1.2 अरब डॉलर), ब्रिटेन (79.5 करोड़ डॉलर), जर्मनी (46.9 करोड़ डॉलर) और केमैन आइलैंड (37.1 करोड़ डॉलर) का स्थान रहा।

लगातार तीसरे महीने में सस्ता हुआ गैस सिलेंडर

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। जून के पहले महीने में देश के आम लोगों को बड़ी राहत की खबर मिली है. जहां घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में इजाफा देखने को नहीं मिला है. जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में लगातार तीसरे महीने में कटौती देखने को मिली है. खास बात तो ये है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में इन तीन महीनों में 80 रुपए प्रति गैस सिलेंडर से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है. वहीं अब किसी भी महानगर में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 1900 रुपए या उससे ज्यादा नहीं है. वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है. आखिरी बार घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 8 अप्रैल को बदलाव हुआ था. उस दौरान सभी तरह के कंज्यूमर के लिए घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए का इजाफा देखने को मिला था. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस बदलाव के बाद देश के चारों महानगरों में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम कितने हो गए हैं।

आईओसीएल के आंकड़ों के अनुसार देश के चारों महानगरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में लगातार तीसरे महीने गिरावट देखने को मिली है. पहले बात जून की करें तो देश राजधानी दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 24 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है और दाम 1,723.50 रुपए हो गए हैं. वहीं कोलकाता में सबसे ज्यादा 25.5 रुपए का इजाफा देखने को मिला है और देश के पूर्वी महानगर में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 1,826 रुपए हो गए हैं. देश के सबसे बड़े महानगर में से एक मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 24.5 रुपए की बढ़ोतरी देखी गई है और दाम 1,674.50 रुपए हो गए हैं. देश के दक्षिणी हिस्से के सबसे बड़े शहर चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 25 रुपए का इजाफा देखा गया है और कीमत 1,881 रुपए हो गई है।

खास बात तो ये है कि देश के चारों महानगरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में लगातार तीसरे महीने गिरावट देखने को मिली है.आईओसीएल के अनुसार मार्च के बाद कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 79.5 रुपए कम हो चुकी है. वहीं दूसरी ओर कोलकाता में सबसे ज्यादा दाम गिरे हैं और कमर्शियल गैस सिलेंडर 87 रुपए सस्ता हो चुका है. देश के सबसे बड़े महानगर मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर लगातार तीन महीनों में 81 रुपए तक सस्ता हो चुका है. इसके अलावा देश के दक्षिणी हिस्से के सबसे बड़े महानगर चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 84 रुपए की कटौती हुई है।

वहीं दूसरी ओर देश के चारों महानगरों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है. सरकार की ओर से 8 अप्रैल को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए का इजाफा किया था. उसके बाद से देश के चारों महानगरों में वही दाम चलते हुए आ रहे हैं. आईओसीएल के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 853 रुपए है. जबकि कोलकाता में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 879 रुपए देखने को मिल रहे हैं. जबकि मुंबई में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतें 852.50 रुपए देखी जा रही हैं. जबकि चेन्नई में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 868.50 देखने को मिली हैं।

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का शुरू हुआ ट्रायल, इस दिन से कर सकेंगे सफर

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। भारत में पहली बार हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन सेवा की शुरुआत की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड रेल लाइन का निर्माण कर रहा है। इस मार्ग का 352 किलोमीटर हिस्सा गुजरात के नौ जिलों और शेष हिस्सा महाराष्ट्र के तीन जिलों से होकर गुजरेगा।

जापान में शुरू हुआ ट्रायल

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत चलने वाली बुलेट ट्रेन का परीक्षण जापान में शुरू हो चुका है। जापान भारत को रणनीतिक साझेदारी के तहत दो शिंकान्सेन ट्रेन सेट इ5 और इ3 सीरीज उपहार में देगा, जिनकी डिलीवरी 2026 की शुरुआत में होगी। ये ट्रेनें 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने में सक्षम हैं। भारत पहुंचने के बाद इन ट्रेनों को देश की भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के अनुसार परीक्षणों से गुजरना होगा। इन ट्रेनों में अत्याधुनिक निरीक्षण प्रणाली मौजूद है, जो ट्रैक की स्थिति, तापमान सहनशीलता और धूल प्रतिरोध जैसी जानकारियांरिकॉर्ड करेगी। इन आंकड़ों का उपयोग भविष्य में मेक इन इंडिया के तहत

अगली पीढ़ी की इ10 सीरीज बुलेट ट्रेनों के निर्माण में किया जाएगा।

इन स्टेशनों पर रुकेगी बुलेट ट्रेन

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में कुल 12 स्टेशन होंगे, जिनमें ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, सूरत और वडोदरा शामिल हैं। यह कॉरिडोर यात्रा का समय घटाकर मात्र 2 घंटे 7 मिनट कर देगा, जो वर्तमान में लगभग 7 घंटे का है। इस परियोजना में जापान की रेल सुरक्षा और विश्वसनीयता मानकों को अपनाया जा रहा है। 2016 में भारत और जापान के बीच हुए समझौते के अनुसार, इस प्रोजेक्ट की लागत का लगभग 80% हिस्सा जापान सस्ती ब्याज दर वाले येन लोन के माध्यम से प्रदान कर रहा है। यह परियोजना केवल तेज यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से देश में रोजगार के अवसर, तकनीकी कौशल, पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,**सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय - 05-44
सूर्यास्त - 18-43
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	मे	वृष---	04-36 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	मिथुन..	06-36 बजे
मंगल	कर्क	मे	कर्क--	08-49 बजे
बुध-	वृष	मे	सिंह---	11-00 बजे
गुरु-	मिथुन	मे	कन्या...	13-07 बजे
शुक्र-	मीन	मे	तुला....	15-14 बजे
शनि-	मीन	मे	वृश्चिक..	17-22 बजे
राहु-	कुंभ	मे	धनु.....	19-36 बजे
केतु-	सिंह	मे	मकर...	21-42 बजे
			कुंभ...	23-33 बजे
			मीन....	01-11 बजे
			मेष.....	02-47 बजे

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी **20-35** तक उपरान्त अष्टमी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , सोमवार **02 June**
नक्षत्र - मघा **22-55** तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - व्याघात **08-20** तक उप हर्षण
करण- गर **08-20** तक उप वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्राकाल रात्री - **20-35** से

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:20 से 08:58 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:44 - 07:20	शुभ	चंचल	18:43 - 20:08	शुभ
काल।	07:20 - 08:58	अशुभ	रोग	20:08 - 21:30	अशुभ
शुभ	08:58 - 10:36	शुभ	काल	21:30 - 22:52	अशुभ
रोग।	10:36 - 12:14	अशुभ	लाभ	22:52 - 00:14	शुभ
उत्पात	12:14 - 13:52	अशुभ	उत्पात	00:14 - 01:36	अशुभ
चंचल	13:52 - 15:30	शुभ	शुभ	01:36 - 02:58	शुभ
लाभ	15:30 - 17:08	शुभ	अमृत	02:58- 04:20	शुभ
अमृत.	17:08 - 18:43	शुभ	चंचल	04:20 - 05:44	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है । अपने माता –पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं । अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा । अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे। इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है । आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमेरिका की रूस से तेल खरीदने वालों पर सख्ती, 500 फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव, भारत-चीन को नुकसान

वाशिंगटन, 1 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच अमेरिका ने रूस के खिलाफ आर्थिक मोर्चे पर एक और कड़ा कदम उठाने की तैयारी कर ली है। अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कीव में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रूस से तेल, गैसोलीन या पेट्रोकेमिकल्स खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है। इस कदम का मकसद रूस के युद्ध कोष को कमजोर करना और भारत व चीन जैसे प्रमुख खरीदारों पर दबाव डालना है। यूक्रेन की राजधानी कीव में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रूस के खिलाफ साहसिक आर्थिक रणनीति की वकालत की। उन्होंने कहा कि रूस से तेल, गैसोलीन या पेट्रोकेमिकल्स खरीदने वाले देशों पर 500त्न टैरिफ लगाया जाना चाहिए। यह प्रस्ताव रूस की आर्थिक ताकत को कमजोर करने और यूक्रेन युद्ध को वित्तीय रूप से प्रभावित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। ब्लूमेंथल ने स्पष्ट किया कि इस कदम का लक्ष्य क्रेमलिन के युद्ध कोष को सीमित करना है, जो रूस के यूक्रेन पर हमले को जारी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।इस प्रस्ताव का सबसे ज्यादा असर भारत और चीन जैसे देशों पर पड़ सकता है, जो रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करते हैं। भारत, जो अपनी तेल जरूरतों का लगभग 85त्न आयात करता है, ने यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से सस्ते दामों पर तेल खरीदने की मात्रा में काफी इजाफा किया है। 2023 तक भारत रूस से प्रतिदिन लगभग 16.2 लाख बैरल कच्चा तेल आयात कर रहा था, जो उसके कुल तेल आयात का 35त्न हिस्सा है। इसी तरह, चीन भी रूस से तेल और गैस की खरीद में अग्रणी रहा है। सीनेटर ब्लूमेंथल का यह प्रस्ताव इन दोनों देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इस प्रस्तावित विधेयक में उन सभी देशों पर 500% टैरिफ लगाने की बात कही गई है, जो रूस से तेल, गैसोलीन, पेट्रोकेमिकल्स, यूरेनियम या अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की खरीद जारी रखते हैं। यह टैरिफ तब लागू होगा, जब रूस यूक्रेन के साथ शांतिपूर्ण वार्ता में शामिल होने से इनकार करता है या यूक्रेन की संप्रभुता के साथ समझौता करने की कोशिश करता है। इस कदम से न केवल रूस की आर्थिक कमर तोड़ने की कोशिश की जा रही है, बल्कि उन देशों को भी चेतावनी दी जा रही है, जो रूस के साथ व्यापारिक रिश्ते बनाए रख रहे हैं। भारत के लिए यह प्रस्ताव कई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। भारत ने हमेशा अपनी ऊर्जा जरूरतों को प्राथमिकता दी है और रूस से सस्ता तेल खरीदना उसके राष्ट्रीय हित में रहा है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल आयात को लेकर अपनी नीति को स्पष्ट रखा है। विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने पहले कहा था कि भारत वहां से तेल खरीदेगा, जहां उसे सस्ता और उपयुक्त मिलेगा।

विदेशी मेहमानों ने मई में बनाया खास रिकॉर्ड, 10 साल में दूसरी बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। साल 2025 में विदेशी निवेशकों ने अभी तक अपना पैसा निकाला ही है। दो महीने पहले तक ये आंकड़ा 1।20 लाख करोड़ रुपए के पार चला गया था। लेकिन अप्रैल और उसके बाद मई के महीने में विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में निवेश करना शुरू किया। खास बात तो ये है कि मई के महीने में विदेशी निवेशकों ने एक खास रिकॉर्ड बनाया दिया है। बीते एक दशक में मई के महीने में साल 2025 विदेशी ने शेयर बाजार में दूसरा सबसे ज्यादा निवेश किया है। इससे पहले साल 2023 में देखने को मिला था, जब एफपीआई ने शेयर बाजार में 43 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश किया था। खास बात तो ये है कि इस बार डेट मार्केट भी लगातार दूसरे महीने पॉजिटिव देखने को मिला है। आइउ आपको भी बताते हैं कि आखिर विदेशी निवेशक पोर्टफोलियो की ओर से शेयर बाजार में कितना निवेश किया है।विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा कायम है। अनुकूल आर्थिक संकेतकों तथा मजबूत घरेलू बुनियाद के चलते एफपीआई ने मई में भारतीय शेयरों में 19,860 करोड़ रुपए का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों में 4,223 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। वहीं इससे पहले मार्च में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपए, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपए और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपए निकाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई में शेयरों में 19,860 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। जोकि बीते दशक का दूसरा सबसे बड़ा मई के महीने में निवेश है। इस ताजा प्रवाह के बाद 2025 में शेयरों से एफपीआई की निकासी का आंकड़ा घटकर 92,491 करोड़ रुपए रह गया है। अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की गतिविधियों में तेजी देखी गई।

अप्रैल के मध्य में शुरू हुई लिवाली का सिलसिला मई में भी जारी रहा, जो निवेशकों के नए भरोसे को दर्शाता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान शेयर के अलावा एफपीआई ने बॉन्ड में सामान्य सीमा के तहत 19,615 करोड़ रुपए और स्वैच्छिक प्रतिधारण से 1,899 करोड़ रुपए का निवेश किया है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आगे चलकर एफपीआई भारत में अपना निवेश जारी रखेंगे। हालांकि, उच्चस्तर पर वे बिकवाली कर सकते हैं। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट निदेशक – प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि मई में एफपीआई प्रवाह के कई कारक रहे हैं।

गौतम अडानी ने बताया 5 साल का प्लान

जेब में रखें इतने लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने अपने मजबूत बही-खाते और मजबूत व्यावसायिक वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि समूह अगले पांच साल के दौरान अपने कारोबार में 15-20 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 1.71 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने जा रहा है। अरबपति कारोबारी गौतम अडानी ने यह बात कही और जोड़ा कि इसके चलते अडानी ग्रुप अधिक मजबूत और अटूट बनकर उभरा। अडानी ग्रुप कभी भी जांच से पीछे नहीं हटा और इसके बजाय उसने अपनी रणनीति बदली और अधिक लचीला रुख अपनाया। गौरतलब है कि अडानी ग्रुप ने पिछले दिनों कई बड़े अधिग्रहण किए और उसे गहन जांच का सामना करना पड़ा।

एशिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी

अडानी ने समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि कठोर प्रतिकूल परिस्थितियों और लगातार जांच से हम कभी पीछे नहीं हटे। इसके बजाय – हमने खुद को फिर से संतुलित किया। हमने फिर से योजना बनाई। हम पहले से अधिक दुर्जेय, अधिक अटूट, अधिक मजबूत और अधिक लचीले बन गए हैं। एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अडानी ने कहा कि लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि अडानी ग्रुप ऐसा कैसे करता रहता है? हम बार-बार कैसे आगे बढ़ते हैं? उन्होंने आगे कहा कि मेरा जवाब हमेशा एक ही रहता हैः हमारा दृढ़ विश्वास स्पष्टता पर टिका हुआ है। हमारे उद्देश्य भारत की महत्वाकांक्षाओं के साथ जुड़े हुए हैं। हमारी ताकत उस भरोसे से आती है जो आप – हमारे शेयरधारक – हम पर रखते हैं।

हर चुनौती मजबूत बनाती है

अडानी ग्रीन एनर्जी के संबंध में अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपों पर उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब समूह की परीक्षा ली गई है। उन्होंने आगे कहा कि न ही यह आखिरी बार होगा हर चुनौती हमारे संकल्प को और मजबूत बनाती है। हर बाधा एक अवसर बन जाती है। उन्होंने कहा कि तमाम शोर के बावजूद, तथ्य यह है कि अडानी ग्रुप के किसी भी व्यक्ति पर विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) का उल्लंघन करने या न्याय में बाधा डालने की साजिश रचने का आरोप नहीं लगाया गया है। अडानी ने कहा कि हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां नकारात्मकता अक्सर सच्चाई से ज्यादा तेजी से गूंजती है।

मई में दो लाख करोड़ रुपये वसूला गया जीएसटी टूटा रिकॉर्ड, पिछले साल से 16 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। जीएसटी वसूली में मई महीने में रिकॉर्ड टूट गया है। मई महीने में 2,01,050 करोड़ रुपये जीएसटी वसूली हुई। इस महीने में पिछले साल के मुकाबले 16.4 फीसदी अधिक जीएसटी संग्रह किया गया। इससे पहले अप्रैल महीने में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढ़कर 2.37 लाख करोड़ के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2024 में वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये था। यह 01 जुलाई 2017 से जीएसटी लागू होने के बाद

दूसरा सबसे अधिक संग्रह था। मार्च 2025 में जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा था। वहीं मार्च में सकल जीएसटी संग्रह 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। मार्च में घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये हो गया।

मई में यूपीआई पेमेंट ने तोड़ा रिकॉर्ड, इतने करोड़ का हुआ लेन-देन

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। मई में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस के जरिए लोगों ने जमकर डिजिटल पेमेंट किया। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, मई में यूपीआई के जरिए 18.68 बिलियन ट्रांजेक्शन हुए, जो अप्रैल के 17.89 बिलियन से काफी ज्यादा है। मई में 4.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है। रुपये के हिसाब से मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए, जबकि अप्रैल में यह आंकड़ा 23.95 लाख करोड़ रुपये था। पिछले साल मई की तुलना में इस बार ट्रांजेक्शन की संख्या में 33% की बढ़ोतरी हुई है। तब 14.03 बिलियन ट्रांजेक्शन हुए थे। मई में औसतन हर दिन 602 मिलियन ट्रांजेक्शन हुए, जिनका कुल मूल्य 81,106 करोड़ रुपये रहा है।2016 में शुरू होने के बाद से यूपीआई ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की है।

'विकसित छत्तीसगढ़' के रोडमैप पर रखें फोकस : सीएम साय

किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के दिए निर्देश

रायपुर, 1 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज धमतरी में आयोजित समीक्षा बैठक में 'विकसित छत्तीसगढ़' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि 'विकसित छत्तीसगढ़' के लिए तैयार किया गया विजन डाक्यूमेंट एक रोडमैप की तरह है, जिसमें लक्ष्य और दिशा-निर्देश स्पष्ट हैं। अधिकारी विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को साकार करने के लिए पूरी तन्मयता और जिम्मेदारी के साथ इसे परिणाम तक ले जाएं। मुख्यमंत्री साय रायपुर और धमतरी जिले में योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने सुशासन तिहार के समापन पर कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान का यह सिलसिला थमना नहीं चाहिए। जन-जन से संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान निरंतर जारी रहना चाहिए। अधिकारी कड़ी मेहनत और नवाचारी तरीकों से लोगों की समस्याओं का समाधान करें। आम जनता को देरी से न्याय मिलना, न्याय नहीं मिलने के बराबर है। उन्होंने कहा कि राजस्व त्रुटि सुधार जैसे कामों में अधिकारियों-कर्मचारियों से ही गलती होती है, लेकिन इसका नुकसान आम लोगों को होता है और उन्हें ही परेशान होना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने और समय प्रबंधन पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सक्रिय तहसीलदारों वाले क्षेत्रों में राजस्व प्रकरण कम लंबित रहते हैं। साथ ही, अधिकारियों को जनता के साथ अच्छा व्यवहार करने और उनके कार्यों को न्यूनतम समय में गुणवत्तापूर्वक पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम आवास, और जल जीवन मिशन को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा सर्वश्रेष्ठ राज्य चुना गया है। साथ ही, नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार धमतरी और रायपुर में पर्यटन स्थल विकसित करने की संभावनाओं को तलाशने को कहा। मुख्यमंत्री ने जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने दंतेवाड़ा का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां डीईओ के बेहतर प्रदर्शन के कारण दसवीं और बारहवीं के परिणाम शानदार रहे, जिसकी प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में प्रशंसा की। स्वास्थ्य विभाग में सतत मॉनिटरिंग और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, साथ ही कृषि प्रधान धमतरी और रायपुर जिले में खरीफ फसल की तैयारी और किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों को साझा करने को कहा, ताकि राज्य स्तर पर सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारियों के कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है और प्रत्येक जिले का रिपोर्ट कार्ड उनके पास है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान अधिकारियों ने बड़ी संख्या में आए आवेदनों का समयबद्ध समाधान किया, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

बोकारो विधायक श्वेता सिंह की बढ़ी मुश्किलें

एसडीओ ने भेजा नोटिस

बोकारो, 1 जून (एजेंसियां)। बोकारो विधायक श्वेता सिंह की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही है. एक ओर दो पैन कार्ड रखने के मामले में चुनाव आयोग ने आयकर विभाग को जांच के निर्देश दिये हैं. वहीं, दूसरी ओर चास एसडीओ प्रांजल ढाढा ने भी कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह को नोटिस जारी किया है. यह नोटिस कांग्रेस नेता द्वारा चार मतदाता पहचान पत्र रखने से संबंधित दर्ज शिकायत को लेकर जारी किया गया है. एसडीओ ने श्वेता सिंह को इस मामले में तीन जून को अपना पक्ष रखने को कहा है.

क्या है शिकायत

जानकारी के अनुसार, भाजपा के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने चुनाव आयोग से बोकारो विधायक द्वारा चार मतदाता पहचान पत्र रखने की शिकायत की थी. इसके बाद राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बोकारो डीसी को मामले की जांच करने का निर्देश दिया था. एसडीओ ने शिकायतकर्ता बिरंची नारायण को भी नोटिस जारी कर तीन जून को शिकायत से संबंधित पक्ष साक्ष्य व दस्तावेज के साथ रखने के लिए कहा है.

पहले से चल रही है जांच

बता दें कि वर्तमान में बोकारो की विधायक श्वेता सिंह दो पैन कार्ड रखने के मामले में जांच के दायरे में हैं. इस संबंध में राज्य चुनाव पदाधिकारी कार्यालय की ओर से आयकर विभाग को एक चिट्ठी लिखकर श्वेता सिंह के खिलाफ जांच करने के निर्देश दिये गये हैं. मालूम हो कि श्वेता सिंह पर गलत तरीके से दो पैन कार्ड इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है. उनके एक पैन कार्ड में पिता की जगह उनके पति का नाम लिखा गया है. जबकि, पैन कार्ड में पिता के नाम का ही उल्लेख करना अनिवार्य है.

बाबूलाल मरांडी के आरोप पर मंत्री इरफान अंसारी का पलटवार

कहा- किसी की निजी जमीन पर नहीं बन रहा रिम्स 2

रांची, 1 जून (एजेंसियां)। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर आरोप लगाया है कि वे रिम्स-2 पर झूठी राजनीति कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि रिम्स-2 परियोजना को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाये गये आरोप "झूठ की राजनीति का झंडाबरदार" है. बाबूलाल मरांडी आज आदिवासी हितैषी बनने की नौटंकी कर रहे हैं, जबकि असलियत यह है कि उनसे बड़ा आदिवासी विरोधी कोई नहीं.

मंत्री इरफान आगे कहते हैं कि "जब रघुवर दास की सरकार ने आदिवासियों की जमीन पर विधानसभा भवन और स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर उजाड़ने का काम किया, तब बाबूलाल मरांडी मौन क्यों थे? तब उनकी संवेदनशीलता कहां सोई थी? उस समय न तो उनके दिल में आदिवासियों की पीड़ा थी, न ही उन्हें संविधान की याद आई."

उन्होंने कहा कि रिम्स-2 किसी भी आदिवासी या किसान की निजी खेती की जमीन पर नहीं बन रहा है. बल्कि यह पूरी तरह से राज्य सरकार की स्वामित्व वाली जमीन पर प्रस्तावित है. "झूठ फैलाना और लोगों को गुमराह करना भाजपा का पुराना हथकंडा है. बाबूलाल मरांडी जानबूझकर आदिवासी समाज को भड़का करके सस्ती राजनीति करना चाहते हैं."

झारखंड की जनता जान चुकी है कि बाबूलाल मरांडी न तो स्थिर विचार के नेता हैं और न ही जनता के हितैषी. जब भाजपा में नहीं थे, तब खुद को सेक्युलर कहते थे. आज भाजपा में हैं तो आदिवासी कार्ड खेलकर सिर्फ सियासी जमीन तलाश रहे हैं. जब रघुवर दास की सरकार में जामताड़ा में आदिवासी भूमि पर जबरन भाजपा कार्यालय का निर्माण किया गया, तब उन्होंने आदिवासी हितों पर चुप्पी साध ली थी. क्या वह आदिवासी जमीन नहीं थी? क्या उस समय संविधान नहीं था? उस समय उनकी आदिवासी संवेदना क्यों नहीं जागी?"

झारखंड की जनता का सपना है रिम्स 2

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि "रिम्स-2 परियोजना झारखंड की जनता का सपना है. एक ऐसा सपना, जो बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, अत्याधुनिक उपचार सुविधाओं और कमजोर वर्गों तक सुलभ इलाज की दिशा में ऐतिहासिक कदम है. रिम्स में इलाज के लिए राज्यभर से भारी संख्या में मरीज आते हैं. अस्पताल पर अत्यधिक दबाव है. रिम्स-2 के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाओं का बोझ बंटेगा और मरीजों को तत्काल व गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सकेगा. यह फैसला पूरी तरह जनहित में है.

भाजपा को खटक रही समावेशी सोच

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि "हेमंत सोरेन की सरकार यहां के आदिवासियों एवं मूलवासियों की सरकार है,भाजपा की तरह दलालों की नहीं, बल्कि जनता की सरकार है. यह सरकार झारखंड के हर वर्ग, हर जाति, हर धर्म को साथ लेकर चल रही है. यही समावेशी सोच भाजपा को खटक रही है."

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- तथ्य पेश करें बाबूलाल मरांडी

उन्होंने कहा कि "अगर वास्तव में बाबूलाल की राज्य के विकास में रुचि है तो रिम्स-2 जैसे जनकल्याणकारी परियोजनाओं का विरोध नहीं, समर्थन करें. लेकिन अफसोस है कि वे सिर्फ अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं, जनता के हितों की नहीं. हम जनता से झूठ नहीं बोलते. रिम्स-2 आदिवासियों की जमीन पर नहीं बन रहा, यह सौ फीसदी सरकारी जमीन है. भाजपा नेता को अगर हिम्मत है, तो तथ्य प्रस्तुत करें, वरना सस्ती लोकप्रियता पाने की कोशिश बंद करें.

नक्सली साजिश का पर्दाफाश, एनआईए ने तीन कट्टर माओवादियों पर कसा शिकंजा

रांची, 1 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने झारखंड में जबरन वसूली, हथियारों के बल पर डराने और जबरन भर्ती के मामले में तीन नक्सलियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। इन पर 2023 में सीपीआई (माओवादी) की आतंकी साजिश का हिस्सा होने का आरोप है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने झारखंड में प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) से जुड़े तीन नक्सलियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। एजेंसी ने शुक्रवार को रांची स्थित एक विशेष अदालत में यह पूरक आरोप पत्र दायर किया। एनआईए के मुताबिक, चार्जशीटेड नक्सली कृष्ण हांसदा उर्फ सौरव दा उर्फ अविनाश दा, अभिजीत कोरह उर्फ मतला कोरह उर्फ सुनील कोरह, और रामदयाल महतो उर्फ निलेश दा उर्फ बच्चन दा हैं। इनमें से कृष्ण हांसदा और रामदयाल महतो झारखंड के रहने वाले हैं, जबकि कोरह बिहार का निवासी है।

एनआईए ने बताया कि तीनों माओवादी संगठन के सक्रिय सदस्य थे और गिरिडीह जिले के परसनाथ क्षेत्र में जबरन वसूली, हथियारों से धमकाने और लोगों की जबरन भर्ती जैसे अपराधों में शामिल थे। इनकी संलिप्तता उस समय उजागर हुई जब जनवरी 2023 में गिरिडीह जिले के डुमरी थाना क्षेत्र के लूसियो जंगल से कृष्ण हांसदा को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से पुलिस ने लेवी का पैसा, एक 7.65 मिमी बोर की पिस्टल और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए थे।

इसके बाद स्थानीय पुलिस ने हांसदा, कोरह और महतो सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस ने सबसे पहले हांसदा के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। जून 2023 में एनआईए ने इस मामले को अपने हाथ में लेकर दोबारा केस दर्ज किया और अब तीनों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

मूसलाधार बारिश के बाद तालाब बनी सड़कें

गांव की मुख्य सड़क बही; आवागमन प्रभावित

बलरामपुर, 1 जून (एजेंसियां)। बलरामपुर रामानुजगंज विकासखंड मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम केवली में सुबह केवली मुख्य मार्ग मूसलाधार बारिश के बाद बह गया। जिससे गांव के करीब 1000 लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। सड़क बहने के दूसरे दिन के बाद भी आवागमन सुचारू रूप से जारी रखने के लिए सड़क को दुरुस्त नहीं कराया जा सका है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम केवली को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली मुख्य ग्रामीण सड़क सुबह मूसलाधार बारिश के बाद बह गई थी, जिसे गांव का आवागमन प्रभावित हो रहा है। ग्रामवासी करीब 5 किलोमीटर घूम कर मुख्य सड़क तक जा रहे हैं। सड़क बहने के 24 घंटे बाद भी उसे दुरुस्त करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है।

ग्राम पंचायत के उप सरपंच दिलीप गुप्ता ने बताया कि भारी बारिश के चलते ग्राम केवली की मुख्य ग्रामीण सड़क बह गई थी। जिसे अब तक दुरुस्त नहीं किया जा सक है। उन्होंने बताया कि पहले भी ऐसी स्थिति निर्मित हुई थी। सड़क को तत्काल दुरुस्त करने की आवश्यकता है ताकि आवगमन सुचारू रूप से हो सके।

नाबालिग छात्राओं से अश्लील हरकत का मामला

शिक्षक की अग्रिम जमानत याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

बिलासपुर, 1 जून (एजेंसियां)। छात्राओं से अश्लील हरकत के आरोपी शिक्षक की अग्रिम जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। आरोपी के खिलाफ बिलासपुर के सकरी थाने में अपराध दर्ज है। उस पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 75(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा-8 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी राममूरत कौशिक स्कूल में शिक्षक है। उस पर आरोप है कि उसने नाबालिग छात्राओं के साथ अश्लील हरकत की। पीड़ित छात्राओं ने बीएनएसएस की धारा 183 के तहत दर्ज बयान में आरोपी के खिलाफ गवाही दी है। मामला दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी से बचने उसने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी लगाई थी। कहा कि वह 55 साल का है। उसके दो बच्चे हैं। वह छात्राओं से अपने बच्चों जैसा व्यवहार करता था। उसका तबादला हो चुका है। अब वह अतिशेष शिक्षक के रूप में कार्यरत है। अन्य शिक्षक उसे हटाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने साजिश रची और छात्राओं से झूठी शिकायत करवाई। वह निर्दोष है, उसे झूठा फंसाया गया है। राज्य सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि आरोपी शिक्षक होते हुए भी 13 साल की छात्राओं से दुर्व्यवहार करता है।

21 लाख के तीन हार्डकोर इनामी नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने किया गिरफ्तार

सुकमा, 1 जून (एजेंसियां)। सुकमा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है । मामले की पुष्टि करते हुए सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि थाना जगरगुण्डा क्षेत्रान्तर्गत सक्रिय 03 हार्डकोर ईनामी नक्सलियों को किया गया गिरफ्तार। गिरफ्तार 02 नक्सली पर छ0ग0 शासन द्वारा पद के अनुरूप 08-08 लाख एवं 01 नक्सली पर 05 लाख कुल 21 लाख रूपये का घोषित है ईनाम। वर्ष 2024 में जगरगुण्डा क्षेत्रान्तर्गत 01 शिक्षादूत को मिटिंग में बुलाकर पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर हत्या करने की घटना शामिल रहे है। तीनों नक्सलियों के विरूद्ध घटना के संबंध में थाना जगरगुण्डा में पूर्व से हत्या का प्रकरण दर्ज है। गिरफ्तार सभी नक्सली थाना जगरगुण्डा क्षेत्र के ग्राम गोंदपल्ली के है निवासी नक्सलियों को गिरफ्तार करने में थाना जगरगुण्डा पुलिस बल, एवं 165 वाहिनी सीआरपीएफ की रही है संयुक्त कार्यवाही । जिला सुकमा में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है, इसी तारतम्य में मुखबिर के आसूचना पर दिनांक 30.05.2025 को थाना जगरगुण्डा से तोमेश वर्मा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी जगरगुण्डा के हमराह जिला बल एवं एसी. शास्वत मनु के हमराह 165 वाहिनी सीआरपीएफ बल की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन/नक्सलियों की गिरफ्तारी हेतु ग्राम गोंदपल्ली व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे कि अभियान के दौरान ग्राम गोंदपल्ली की घेराबंदी कर थाना जगरगुण्डा के प्रकरण में फरार चल रहे, 03 हार्डकोर नक्सलियों को जो क्रमशः 01. डोडी पोदिया उर्फ प्रकाश ईनामी 08 लाख) उम्र लगभग 36 वर्ष , 02. डोडी पाण्डू पिता स्व. सोमा ईनामी 08 लाख) 03. डोडी नंदू पिता डोडी मंगडू (एओबी पार्टी सदस्य/पीपीसीएम ईनामी 05 लाख) उम्र लगभग को पकड़ा गया।

देवघर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जंगल में चल रहे साइबर रैकेट का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार

देवघर, 1 जून (एजेंसियां)। देवघर में साइबर थाना की विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया. जानकारी के अनुसार, टीम ने मोहनपुर थाना क्षेत्र के चौपा गांव के पास जंगल में छापेमारी की और साइबर ठगी के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया. इस कार्रवाई में दो साइबर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. दोनों आरोपी फर्जी सरकारी अधिकारी बनकर लोगों को अपने झांसे में लेते थे, फिर ठगी की घटना को अंजाम देते थे. इस संबंध में पुलिस ने बताया कि आरोपी फर्जी क्रेडिट कार्ड अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि और कस्टमर केयर अधिकारी बनकर लोगों से केवाइसी अपडेट कराने, पीएम किसान योजना और एसबीआई क्रेडिट कार्ड से जुड़ा फर्जी लिंक भेजकर साइबर ठगी करते थे. पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार किया है. गिरफ्तार आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि वे अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल कर उपभोक्ताओं को भ्रमित करते थे और उनसे गोपनीय जानकारी हासिल कर खाते से पैसे उड़ा लेते थे. गिरफ्तार आरोपियों में मोहनपुर थाना क्षेत्र के घोरमारा गांव का रहने वाला नवदीप कुमार मंडल और चितरपोका गांव का रहने वाला हरकिशोर कुमार राय शामिल हैं.

रांची के जगन्नाथ मंदिर का पुरी कॉरिडोर की तर्ज पर होगा विकास, रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ का प्रयास

रांची, 1 जून (एजेंसियां)। राजधानी रांची के धुर्वा में स्थित जगन्नाथ मंदिर का सौंदर्यीकरण होने जा रहा है. केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने जगन्नाथ मंदिर परिसर में सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया. जानकारी के अनुसार, यहां सीएसआर के तहत 2.19 करोड़ की लागत से सौंदर्यीकरण का कार्य किया जायेगा. रांची में स्थित भगवान जगन्नाथ का धाम अति प्राचीन मंदिर है, जो राज्य के प्रमुख धार्मिक-पर्यटन स्थलों में से एक है. जगन्नाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य के शिलान्यास पर सांसद संजय सेठ ने कहा कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर कॉरिडोर के तर्ज पर इस मंदिर परिसर का भी विकास हो, यह उनका प्रयास रहेगा. उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से यह क्षेत्र जल्द ही विकसित होगा. यह मंदिर रांची ही नहीं, बल्कि झारखंड की ऐतिहासिक धरोहर है. इसका आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व है.

वहीं, जगन्नाथपुर मंदिर के बगल में स्थित तालाब का भी सुंदरीकरण किया जायेगा. यह कार्य डेढ़ करोड़ की लागत से किया जायेगा. तालाब में घाट का निर्माण, लाइट की व्यवस्था, बेंच और तालाब के गहरीकरण के साथ-साथ अन्य कई सुंदरीकरण के कार्य किये जायेंगे. शिलान्यास के अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, राजू सिंह, केके गुप्ता, लाल सुधांशु नाथ शाहदेव, चंदा देवी, उमेश यादव, रामजी प्रसाद, गोपीचंद पांडेय, शिवाजी सिंह, मेघा उरांव, बीना मिश्रा, कुणाल शाहदेव, शिवेश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे.

स्व सहायता समूह की 100 महिलाएं छिंद-कांसा से बना रही है सुन्दर और आकर्षक टोकरी, अन्य राज्यों में भी मांग

रायपुर, 1 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व सहायता समूहों को मजबूत किया जा रहा है और उनको विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। जशपुर जिले के दूरस्थ अंचलों की महिलाओं के द्वारा छिंद कांसा से बनाई हुई टोकरी एवं अन्य उत्पाद काफी टिकाऊ एवं मनमोहक हैं। यह मूलतः जशपुर जिले के काँसाबेल विकासखण्ड की स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा बनाया जा रहा है और अच्छी आमदनी प्राप्त की जा रही है। चूकि यह अभ्यास लगभग 30 साल पुराना है परंतु इसमे उद्यमिता की छाप राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड के प्रयास से संभव हो सका है।

वर्तमान मे लगभग 100 महिलाएं इस उद्योग में जुड़ी हैं और सतत रूप से उत्पादन एवं विक्रय कार्य में लगी हुई है। आकर्षक एवं सुन्दर छिंद कांसा की टोकरी होने की वजह से जिले में और राज्य के कोने-कोने से इसकी सतत मांग बनी रहती है। जशपुर जिला उत्पादों की विशेष ब्रांड जशप्योर के बनने के पश्चात भारत के अन्य राज्यों से भी लगातार मांग बढ़ रही है, जिससे इस उद्योग में जुड़ी महिलयों में विशेष उत्साह नजर आ रहा है। छिंदकासा कार्य काँसाबेल विकासखण्ड के कोटानपानी ग्राम पंचायत के अधिकतर घरों की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है कोटानपानी ग्राम पंचायत मूलतःआदिवासी बाहुल्य क्षेत्र हैं।

छिंद एवं कांसा का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व- जशपुर के आदिवासी समुदाय मे विवाह, देवता पूजन, छठ पूजा आदि में छिंद कांसा का विशेष महत्व है। छिंद और कांसा घास से निर्मित टोकरी एवं उत्पाद प्राकृतिक और सांस्कृतिक प्रतीक होते हैं। वैसे छिंद कांसा टोकरी बनाने का प्रचलन लगभग 30 वर्ष पुराना है। इसके पूर्व सदियों से छिंद की चटाई बनाने का प्रचलन भारत के विभिन्न राज्यों मे व्याप्त रहा है।

कोटानपानी की दीदियों से बात करने पर उन्होंने बताया की मन्मति नाम की एक किशोरी बालिका आज से 25 वर्ष पूर्व समीप के विकासखंड फरसाबहार के ग्राम पगुराबहार में अपने नानी के घर गई थी और वहाँ अपनी ननिहाल की महिलाओं से टोकरी बनाने का कार्य सीखा। चूंकि यह एक नया प्रयोग था पूर्व मे केवल चटाई बनाई जाती रही है। इस कार्य मे विशेषता यह थी की टोकरी छिंद और कांसा घाँस से मिश्रित करते हुए टोकरी का ढांचा तैयार किया जाना था। छिंद को कांसा घास के साथ मिश्रित कर गोल आकार में तैयार किया जाना आसान और रोचक था। मन्मति अपने ननिहाल से लौटकर कोटानपानी में यह कार्य शुरू किया। पड़ोस की महिलाओं ने सुन्दर

टोकरी निर्माण करते हुए मन्मति को देखा और कुछ महिलाएं भी इसे बनाने की इच्छा प्रकट कर सीखने लगी। कुछ महिलायें टोकरी बनाकर स्थानीय बाजार मे बेचना शुरू कर दी जिससे उन्हे कुछ लाभ प्राप्त हुए और ये सिलसिला लगभग 10 वर्षों तक चलता रहा। 2017 मे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका बिहान के स्व सहायता समूह का गठन शुरू हो गया। आजीविका गतिविधि सर्वेक्षण मे छिंद कांसा टोकरी निर्माण को ग्रहण किया गया और प्रशिक्षण, स्थानीय स्तर पर समूह को ऋण एवं बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रयास शुरू किए गए। प्रारंभ मे कुल तीन समूह, हरियाली, ज्ञान गंगा और गीता समूह यह कार्य करने लगे। 2019 में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड का आगमन हुआ और उनकी तरफ से 12 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

सर्वप्रथम बिहान मेला में टोकरी की प्रदर्शनी लगाई गई जिसमे कोटानपानी ग्राम से लक्ष्मी पैंकरा और रिंकी यादव, बिहान के क्षेत्रीय समन्वयक आशीष तिर्की इस मेला मे सम्मिलित हुए। आज छिंद कांसा टोकरी की पहचान सारे भारत वर्ष मे है। मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के सतत प्रयास से महिलायें अच्छा उत्पादन एवं विक्री कर लखपति दीदियाँ बन चुकी है। जिला प्रशासन, एनआरएलएम एवं छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड के माध्यम से लगभग 15 समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर एवं 100 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। अब इन्हें इनके कार्य को सम्मान और पहचान दिलवाना है। यह टोकरी फल, पूजा सामग्री एवं उपहार सामग्री के रूप में उपयोग किया जाता है एवं आकर्षक होने की वजह से इसकी मांग जोरों पर है।

छिंद सामान्य खजूर के पेड़ की पत्तियां हैं जिन्हें तोड़कर सूखा लिया जाता है। यह पत्तियां 2 तरह की होती है थोड़ी कठोर और मुलायम टोकरी निर्माण में थोड़ी कठोर किस्म छिंद उपयोग में लाए जाते हैं। मुलायम छिंद से चटाई बनाई जाती है। छिंद बारह मासी पेड़ है, जिस से आसानी से वर्ष भर उपलब्धता बनी रहती है। छिंद के वृक्ष सामान्यतः समीप के राज्य झारखंड तथा जशपुर जिले के कॉसाबेल और फरसाबहार विकासखण्ड मे बहुतायत में पाए जाते हैं। छिंद की पत्तियां एक बार काटने के उपरांत तीन महीने के इंतजार के बाद ही काटा जा सकता है।

कांसा घास एक प्रकार का घास होता है और यह आस पास के खुले क्षेत्रों में और कम वर्षा वाले जमीन में बहुतायत मे प्राप्त हो जाता है। सामान्यतः जून के महीनों से शुरू होकर यह जुलाई या अगस्त माह की शुरुआत में काट कर सुरक्षित सूखा कर रख लिया जाता है। हरा चारा होने की वजह से मवेशिओ से बचाकर रखा जाता है। कोटानपानी की महिलाओं द्वारा छिंद एवं कांसा कच्चा माल के रूप मे पूर्व से ही एवं उचित समय पर संरक्षित रख लिया जाता है। "सावन में सांवा फूटे भादों मे कांसा'' यह प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गीत यह संदेश भी देती है कि कांसा को भादों महीने के पहले काट लेना अन्यथा यह किसी काम का नहीं रहेगा। कांसा घास का उपयोग घाँस को सम्मिलित कर बेलनाकार बनाकर टोकरी को गोल नुमा आकार एवं मजबूती प्रदान करने के लिए होता है। छिंद की पत्तियों से कांसा के ऊपर लपेटकर आकर्षक रूप दिया जाता है।

पेरिस में पीएसजी चैंपियंस लीग की जीत के जश्न में व्यापक हिंसा

सड़कों भीषण आगजनी और उत्पात; 81 लोग गिरफ्तार

पेरिस, 1 जून (एजेंसियां)। फ्रांस की राजधानी पेरिस में पीएसजी की चैंपियंस लीग जीत का जश्न मना रहे प्रशंसकों के बीच अचानक हिंसा फैल गई। इससे खेल के मैदान से लेकर सड़कों तक बड़ी हिंसा, आगजनी और मारपीट देखने को मिली। रिपोर्ट के अनुसार इस घटना में अबतक कम से कम 81 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पेरिस में चैंप्स-एलिसीज़ में खेल देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई थी। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को आंसू गैस और मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ा। शहर में कई जगह हिंसक झड़पों का दौर जारी है। यह हिंसा उस वक्त शुरू हुई, जब बड़ी संख्या में प्रशंसक 'पीएसजी की इंटर मिलान पर चैंपियंस लीग फाइनल में जीत देखने के लिए जमा हुए थे। क्लब का पार्स दे प्रिंसेस स्टेडियम उस रात एक फैन ज़ोन में बदल गया था, जहां म्यूनिख में खेले गए इस मैच को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 48,000 लोग शामिल हुए थे। सोशल मीडिया पर सामने आई वीडियो में पुलिस को डंडों से लैस होकर लोगों से भिड़ते हुए देखा गया है, जहां हजारों प्रशंसक एकत्रित हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार फ्रांसीसी राजधानी में स्टेडियम के पास कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं हुईं। दमकल विभाग को कई स्थानों पर आग पर काबू पाने के लिए भेजा गया। फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रेटायो ने सोशल मीडिया पर लिखे एक संदेश में कहा,सच्चे पीएसजी प्रशंसक अपनी टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं। वहीं कुछ बर्बर लोग पेरिस की सड़कों पर अपराध करने और कानून व्यवस्था को चुनौती देने निकले हैं। मैंने आंतरिक सुरक्षा बलों से इन अत्याचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

पर्यावरण मंत्री ने विदेश में पाकिस्तान को धोया

सिंधु जल संधि को लेकर बोले- 'खुद आतंक फैलाने वाले हम पर दोष न मढ़ें'

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। सिंधु जल समझौते के मुद्दे पर भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर खरी-खरी सुनाई है और कहा है कि इस समझौते के रद्द होने के लिए पड़ोसी देश भारत को जिम्मेदार ठहराना बंद करे। ताजिकिस्तान की राजधानी दोशांबे में ग्लेशियर संरक्षण सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान ने सिंधु जल समझौते का मुद्दा उठाया था। इसके बाद भारत के पर्यावरण मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने पाकिस्तान को आइना दिखा दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश अब भारत को जल समझौता खत्म होने के लिए जिम्मेदार न ठहराए। ग्लेशियरों के संरक्षण को लेकरउच्च स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 29 मई से 1 जून तक दुशांबे में आयोजित किया जा रहा है। इसी सम्मेलन में पाकिस्तान की तरफ से सिंधु जल समझौते का मुद्दा उठाया गया, जो इस सम्मेलन से कोई संबंध नहीं रखता है। ऐसे में भारत की तरफ से कहा गया कि पाकिस्तान की तरफ से मंच का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसके साथी ही पर्यावरण मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है, जो संधि का उल्लंघन है। इसी वजह से यह समझौता रद्द किया गया है।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने उठाया मुद्दा

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ भी इस सम्मेलन में शामिल हुए थे। शुक्रवार को उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान, भारत को रेड लाइन नहीं पार करने देगा और राजनीतिक फायदे के लिए करोड़ों लोगों की जिंदगी खतरे में नहीं डालने देगा। इसके बाद भारतीय पर्यावरण मंत्री ने शाहबाज शरीफ को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लगातार सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित करके इस संधि के समझौतों का उल्लंघन कर रहा है।

सिंधु जल संधि की शर्तों में बदलाव जरूरी

पर्यावरण मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि सिंधु जल समझौते की शर्तों में साफ तौर पर लिखा गया है कि इसे मित्रतापूर्ण तरीके से सद्भावना और ईमानदारी के साथ लागू किया जाना चाहिए। संधि होने के समय से लेकर अब तक हालात काफी ज्यादा बदल चुके हैं। जलवायु परिवर्तन, तकनीकि बदलाव, जनसंख्या वृद्धि और लगातार सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद के कारण सिंधु जल समझौते को बरकरार नहीं रखा जा सकता। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौता रद्द किया था।

अब एनडीआरएफ का ड्रोन बताएगा दुर्गम इलाकों का हाल

देहरादून, 1 जून (एजेंसियां)। राज्य में आपदा से निपटने के लिए संस्थाएं क्षमता बढ़ाने में जुटी हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ड्रोन और श्वान से भी लैस हुआ है। इसके अलावा माणा जैसी घटनाओं के दृष्टिगत रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पर्वतीय बचाव दल भी बनाए गए हैं। इसमें एडवांस ट्रेनिंग कर चुके कर्मियों को शामिल किया गया है। इसके साथ ही बचाव टीमों के साथ डॉक्टर भी पहली बार तैनात किए गए हैं। आपदा के समय एनडीआरएफ की टीम मदद के लिए पहुंचती है। एनडीआरएफ कम्युनिकेशन, रेस्क्यू ऑपरेशन आदि के लिए उन्नत संसाधन हैं। इन संसाधनों को एनडीआरएफ बढ़ाने में जुटा है। बचाव अभियान के लिए ड्रोन को जुटाया गया है, अधिकारियों के मुताबिक इससे दुर्गम क्षेत्रों की सही स्थिति का पता चलने में मदद मिलेगी और बचाव अभियान को और भी बेहतर ढंग से चलाने में मदद मिलेगी। इसके लिए एनडीआरएफ ने दो ड्रोन लिए हैं।

नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के रास्ते की आखिरी बाधा दूर

यूके कोर्ट ने मानी भारतीय अधिकारियों की दलील

लंदन, 1 जून (एजेंसियां)। भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की भारत वापसी तकरीबन तय हो गई है। नीरव मोदी को भारत प्रत्यर्पित करने के खिलाफ दाखिल अर्जी को बीते महीने यूके की कोर्ट ने खारिज कर दिया है। बीते छह साल से ब्रिटेन की जेल में बंद मोदी की भारत वापसी में ये आखिरी कानूनी अड़चन थी। इस अर्जी के खारिज होने से मोदी के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है। नीरव मोदी के वकील ने उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ कोर्ट में कई तर्क दिए लेकिन अदालत को प्रभावित करने में नाकाम करे। यूके कोर्ट ने भारतीय अधिकारियों के आश्वासनों को मानते हुए कहा कि प्रत्यर्पण से उसके मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं होगा। द संडे गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, यूके की जस्टिस विक्टोरिया शार्प प्रेसिडेंट ऑफ द किंग्स बेंच डिवीजन ने नीरव मोदी की अपील को खारिज किया है। नीरव मोदी की कानूनी टीम ने तर्क दिया था कि उसकी मानसिक स्थिति और आत्महत्या के विचारों के चलते यूरोपीय मानवाधिकार कन्वेंशन के अनुच्छेद-3 के तहत ये प्रत्यर्पण दमनकारी होगा।

'भारत की जेलों में नीरव को खतरा'

नीरव मोदी के वकीलों ने भारत की जेलों की खराब स्थिति की बात कोर्ट के सामने कही। उसके वकील ने कहा कि भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली में निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी के लिए पर्याप्त प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का अभाव है। ऐसे में कोर्ट मानसिक रूप से परेशान नीरव मोदी को भारत नहीं भेजने का आदेश दे। नीरव मोदी के वकीलों की दलीलों का भारत सरकार की ओर से क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) ने जवाब दिया। सीपीएस ने कोर्ट के सामने कहा कि नीरव मोदी का आत्महत्या का जोखिम टर्नर बनाम यूएसए और बाबर अहमद बनाम यूके जैसे स्थापित उत्पीड़न की कानूनी सीमा को पूरा नहीं करता है। उसके प्रत्यर्पण को रोका नहीं जाना चाहिए।

2019 से जेल में है नीरव मोदी

सीपीएस ने भारतीय अधिकारियों से विशेषज्ञ साक्ष्य पर भरोसा किया। इसमें जेल के बुनियादी ढांचे, चिकित्सा निरीक्षण और आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में कैदी के लिए मौजूद विशिष्ट आत्महत्या रोकथाम व्यवस्था का विवरण दिया गया। क्राउन ने कहा कि भारत की न्यायिक प्रणाली स्वतंत्र रूप से काम करती है।

अदालत में नीरव मोदी को बचाव का पूरा अवसर मिलेगा। इन तर्कों को मानते हुए अदालत ने मोदी की याचिका खरिज कर दी। नीरव मोदी साल 2019 में अपनी गिरफ्तारी के बाद से वांड्सवर्थ जेल में बंद है। नीरव मोदी पर भारत में पंजाब नेशनल बैंक के साथ 13,000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। आरोप सामने आने के बाद नीरव विदेश भाग गया था। ऐसे में भारतीय एजेंसियों को कई मुकदमों में नीरव मोदी की तलाश है और उसे भारत लाने की कोशिश हो रही है।

तलाश थी भोजन की मगर मिली मौत, इजरायली हमले में गाजा के सहायता केंद्र जा रहे 30 लोगों की गई जान

रफह, 1 जून (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में भोजन की तलाश में जा रहे 21 लोगों को खाने-पीने का सामान तो नसीब नहीं हुआ, लेकिन उन्हें मौत जरूर मिल गई। बताया जा रहा है कि इजरायल समर्थित एक संगठन से फिलस्तीनी सहायता आपूर्ति प्राप्त करने के लिए जा रहे थे। मगर इसी दौरान उन पर हवाई हमला हो गया। इस दौरान कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी रेडक्रॉस द्वारा संचालित एक अस्पताल ने दी। मौत के बाद इन लोगों के शवों को अस्पताल में लाया गया। अस्पताल ने बताया कि रविवार को 175 अन्य लोग घायल हो गए। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के एक पत्रकार ने अस्पताल में इलाज करा रहे दर्जनों घायलों को देखा। घायलों में से कई को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में घायल हुए दर्जनों लोगों को अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। यह हमला गाजा में मानवीय सहायता वितरण के विवादास्पद तंत्र के तहत हुआ है, जिसे इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा समर्थित किया गया है। इस तंत्र का उद्देश्य हामास के हाथों में सहायता न जाने देने के लिए है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और अन्य प्रमुख सहायता संगठनों ने इसे मानवीय सिद्धांतों का उल्लंघन बताते हुए आलोचना की है।

शेख हसीना के बाद खालिदा जिया से डरी यूनुस सरकार

बीएनपी नेताओं को बुलाया मिलने

ढांका, 1 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश मे यूनुस सरकार के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है चाहें यूनुस ने ऐलान किया हो कि वह जून 2026 तक चुनाव करा देंगे, लेकिन उनकी नीयत के ऊपर आज भी कोई भरोसा करने को तैयार नहीं है। इसमें यूनुस को सबसे ज्यादा खतरा दो महिलाओं की पार्टियों से हैं। एक शेख हसीना की अवामी लीग और दूसरी बांग्लादेश नेशनल पार्टी बीएनपी। अवामी लीग को पहली ही वो बैन लगा बाहर का रस्ता दिखा चुके हैं, लेकिन बीएनपी आज उनका सिर दर्द बनी हुई है। बीएनपी की नेता लगातार यूनुस को सवालों के घेरे में खड़ा कर रहे हैं और उनसे उनकी जिम्मेदारियों को पूरा करने का आग्रह कर रहे हैं। इन सब चिंताओं को दूर करने के लिए यूनुस ने बीएनपी नेताओं को 2 जून को सरकारी गेस्ट हाउस जमुना मे चर्चा के लिए बुलाया है। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने शनिवार दोपहर ढाका में कृषक दल की चर्चा बैठक में यह बात कहा, "जो लोग चुनाव नहीं चाहते हैं, वे बीएनपी नेताओं को देशद्रोही और दूसरे देशों के एजेंट कह रहे हैं। एक समूह 17 साल के बलिदान का बदला चुका रहा है।" बीएनपी नेता ने यह भी आरोप लगाया कि एक समूह फासीवाद के जरिए देश के भीतर विभाजन पैदा कर रहा है। सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि बीएनपी को मुख्य सलाहकार ने 2 जून को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा, "बातचीत के लिए औपचारिकताओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन उनके पास करने के लिए कुछ नहीं है।" सलाहुद्दीन अहमद ने कहा, "दिसंबर से पहले चुनाव होने चाहिए, यह लोगों की मांग है। दिसंबर के बाद चुनाव कराने की कोई वजह नहीं है।" सलाहुद्दीन ने मांग की कि सरकार दिसंबर के बाद चुनाव कराने के अपने तर्क का खुलासा करे, भले ही दिसंबर के बाद चुनाव कराने का कोई तर्क हो। दूसरी ओर बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य आमिर खासरू महमूद चौधरी ने कहा कि 5 अगस्त के बाद राजनीति में आए लोग चुनाव नहीं चाहते हैं।

इजरायली सेना ने हमास प्रमुख को मार गिराया

आईडीएफ ने कहा- 'एक और सिनवार ढेर'

तेल अभिभ, 1 जून (एजेंसियां)। इजरायल ने हमास के प्रमुख को मार गिराने का दावा किया है। इसकी जानकारी इजरायली रक्षा बल के एक्स अकाउंट पर दी गई है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है, हमने हमास के प्रमुख को फिर से मार गिराया। वह भी सिनवार है। बता दें कि इजरायल ने हमास प्रमुख मोहम्मद सिनवार को मार गिराने की बात कही है। तीन दिन पहले इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा था कि हमास के गाजा प्रमुख मोहम्मद सिनवार को इजराइल की सेना ने मार गिराया है। दरअसल, 14 मई को इजरायल ने कई बड़े हवाई हमले किए। इसी दौरान हमास प्रमुख के गंभीर रूप से घायल होने की खबरें सामने आई थीं। हालांकि इजरायली पीएम ने सिनवार के मारे जाने की बात कही थी। वहीं आईडीएफ और शिन बेट ने कहा है कि आतंकवादी यूरोपीय अस्पताल के नीचे बने भूमिगत कमांड सेंटर में सक्रिय थे। उन्होंन जान बूझकर आम नागरिकों को ढाल बनाया था और उसकी जान के खतरा पैदा किया था। इस हमले में रफा ब्रिगेड का कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन का महदी कुआरा भी मारा गया है।

मुहम्मद सिनवार पूर्व हमास प्रमुख याह्या सिनवार का भाई था, जिसे अक्टूबर 2024 में इजरायल डिफेंस फोर्स ने मार गिराया था। गाजा में हमास के आखिरी बचे कुछ कमांडर्स में से एक मुहम्मद सिनवार एक बंकर में छिपा हुआ था जिसे आतंकवादी समूह हमास एक कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। इजरायल डिफेंस फोर्स ने 14 मई को एक ड्रोन के जरिए मोहम्मद सिनवार के ठिकाने पर हमला किया और उसे नष्ट कर दिया। इस हमले में बुरी तरह से घायल सिनवार को खान यूनिस के यूरोपीय अस्पताल में ले जाया गया था।

बता दें कि अब हमास ने गाजा के लिए अमेरिका के नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसमें संशोधन की मांग की है। कुछ बिंदुओं पर कुछ नोट्स और संशोधन हैं, विशेष रूप से अमेरिकी गारंटी, बंधकों की रिहाई का समय, सहायता की आपूर्ति और इजराइली सेना की वापसी पर। हमास के एक अलग बयान में कहा गया है कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थायी युद्ध विराम, गाजा से इजराइल की व्यापक वापसी और सहायता का सुनिश्चित प्रवाह है।

'भीख का कटोरा लेकर घूमते हैं हम'

पाक ने कबूली ये बात; किस देश को बताया अपना खास दोस्त?

इस्लामाबाद, 1 जून (एजेंसियां)। महंगाई, बुरी अर्थव्यवस्था और कर्ज के बोझ तले पाकिस्तान ने आखिरकार इस बात को स्वीकार कर ही लिया कि वो भीख का कटोरा लेकर दूसरे देशों से मदद मांगता है। क्वेटा में एक मीटिंग के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया से भीख मांगने वाले कटोरे के साथ नहीं, बल्कि समान साझेदार के रूप में व्यापार, निवेश और नवाचार के लिए संपर्क करना चाहता है।

किन देशों को अपना दोस्त मानता है पाकिस्तान?

क्वेटा में कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में सेना अधिकारियों को संबोधित करते हुए पीएम शरीफ ने कहा,चीन, पाकिस्तान का सबसे परखा दोस्त है। सऊदी, अरब, तुर्किये, कतर और यूएई जैसे देश हमारे सबसे भरोसेमंद सहयोगी हैं। यह सभी देश हमसे समान भागीदार की तरह जुड़ना चाहते हैं। हम साथ में व्यापार, नवाचार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में काम करना चाहते हैं। शहबाज शरीफ ने सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर का जिक्र करते हुए कहा, मैं और फील्ड मार्शल असीम मुनीर इस आर्थिक बोझ को कंधे पर उठाने वाले आखिरी लोग हैं। अब यह बोझ पूरे राष्ट्र के कंधों पर है।

दुनिया से लगातार कर्ज ले रहा पाकिस्तान

कुछ दिनों पहले ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर (लगभग 8,500 करोड़ रुपये) का नया लोन दिया है। वहीं, चीन ने पाकिस्तान को जून के अंत से पहले चीनी मुद्रा में 3.7 अरब डॉलर (32 हजार करोड़ रुपये) का वाणिज्यिक ऋण पुनः देने का आश्वासन दिया है। भारत पाकिस्तान तनाव के बीच पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस वित्तीय वर्ष में डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपये में कुछ गिरावट आई है। मंगलवार को एक डॉलर की कीमत 282.2 पाकिस्तानी रुपये के बराबर थी।

सिंधु जल समझौते स्थगित होने से बौखला उठा पाकिस्तान

वहीं,पाकिस्तानी सांसद सैयद अली जफर ने कुछ दिनों पहले सिंधु जल समझौते को लेकर बेचैनी दिखाई थी। उन्होंने कहा था कि अगर संकट का समाधान नहीं किया गया तो बड़ी आबादी भूख से मर सकती है। सिंधु बेसिन हमारी जीवन रेखा है। हमारा तीन-चौथाई पानी देश के बाहर से आता है। हर दस लोगों में से नौ लोग अंतरराष्ट्रीय सीमा बेसिनों पर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

ब्रिटन के लिए सबसे बड़ा खतरा है रूस

चीन को लेकर भी रहना होगा सतर्क; रक्षा समीक्षा रिपोर्ट में हुए कई अहम खुलासे

लंदन, 1 जून (एजेंसियां)। दुनिया भर में अलग-अलग देशों के बीच संघर्ष चल रहे हैं। इस बीच ब्रिटेन ने अपनी रक्षा समीक्षा में बड़ी चेतावनी जारी की है और आने वाले 10 सालों की रक्षा योजना की समीक्षा में रूस को बड़ा खतरा बताया है। ब्रिटेन ने चीन को लेकर भी प्रतिक्रिया दी है और चीन को जटिल चुनौती करार दिया है। रिपोर्ट् के मुताबिक, ब्रिटेन की कीर स्टार्मर की सरकार सोमवार को समीक्षा रिपोर्ट जारी कर सकती है। ब्रिटेन ने अपने सैन्य उपकरणों और सेवाओं के लिए 10 वर्षों की योजना को लेकर समीक्षा रिपोर्ट तैयार की है। पूर्व नाटो महासचिव जॉर्ज रॉबर्टसन की अध्यक्षता वाली टीम ने इस रिपोर्ट को तैयार किया है।

13 पन्नों की इस रिपोर्ट में चीन को जटिल चुनौती बताया गया है। चीन को जटिल इसलिए बताया गया है क्योंकि चीन कई बार रूस और ईरान, उत्तर कोरिया के साथ सहयोग करने को तैयार रहा है। इस रिपोर्ट में रूस को बड़ा खतरा भी बताया गया है। संभावना जताई जा रही है कि इस रिपोर्ट में ब्रिटिश सेना के आकार पर भी सवाल उठाए जा सकते हैं। यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिक काजा कालास ने भी कहा था कि यूरोप चीन और रूस को दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती के रूप में देखता है। उन्होंने कहा था कि जब चीन और रूस मिलकर 100 वर्षों में देखे गए परिवर्तनों और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था में संशोधन की बात करते हैं, तो हम सभी को बेहद चिंतित होना चाहिए। यदि हम चीन के बारे में चिंतित हैं, तो हमें रूस के बारे में भी चिंतित होना चाहिए।

ब्रिटेन में 6 नई हथियार फैक्ट्री

ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि वह हथियार और विस्फोटक बनाने वाली कम से कम 6 नई फैक्ट्री बनाएगी। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय की ओर से जानकारी दी गई है कि सरकार डिजिटल वेब टार्गेटिंग वेब में एक बिलियन पाउंड से अधिक का निवेश करेगी।

अमेरिकी स्टील्थ फाइटर एफ-47 को मिल सकता है पहला खरीदार

ट्रंप ने इस देश को ऑफर किया छठी पीढ़ी का जेट

वॉशिंगटन, 1 जून (एजेंसियां)। भारत अभी तक अपने लिए पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट की तलाश पूरी नहीं कर पाया है। इस बीच अमेरिका से खबर है कि ट्रंप प्रशासन छठी पीढ़ी के फाइटर जेट की अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहली एंट्री की तैयारी कर रहा है। अमेरिकी के स्टील्थ फाइटर जेट एफ-47 को अपना पहला खरीदार जल्द ही मिल सकता है। रिपोर्ट बताती हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान को बोइंग के छठी पीढ़ी के फाइटर जेट की पेशकश की है। यह जानकारी उन रिपोर्टों के बीच आई है जिसमें कहा गया है कि अमेरिका ग्लोबल कॉम्बैट प्रोग्राम (जीसीएपी) में जापान की भागीदारी से खुश नहीं है। अमेरिका का छठी पीढ़ी का लड़ाक जेट कार्यक्रम इटली, जापान और ब्रिटेन के साथ संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा है। जापान को इस बात पर संदेह है कि जीसीएपी अपने 2035 के रोलआउट लक्ष्य को पूरा कर पाएगा। इससे टोक्यों को अपने हवाई अंतराल को भरने के लिए दूसरी लड़ाकू विमानों पर मजबूर होना पड़ सकता है। दो उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि जापान के पास अधिक एफ-35 खरीदना या मौजूदा एफ-15 बेड़े को अपग्रेड करना विकल्प हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिका के एफ-47 ऑफर किए जाने के बाद जापान अपने बेड़े में छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान को शामिल करने पर विचार कर सकता है। जापानी अखबार असाही शिंबुन की रिपोर्ट में बताया गया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने 23 मई को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ फोन कॉल के दौरान एफ-47 की पेशकश की है। इशिबा प्रशासन के सूत्रों के हवाले से बताया कि यह कॉल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर आयोजित की गई थी। बातचीत के दौरान ट्रंप ने अमेरिका-जापान सैन्य गठबंधन पर चर्चा की और एफ-47, एफ-22 रैप्टर और एफ-35 लड़ाकू विमान के उन्नत संस्करण का उल्लेख किया। ट्रंप ने इशिबा से पूछा कि क्या वह अमेरिका के इन बेहतरीन विमानों को देखना चाहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप ने कहा कि वह जापान के लिए 'सर्वश्रेष्ठ' विमान लाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने इसी साल मार्च में बोइंग को छठी पीढ़ी के फाइटर जेट को बनाने का अनुबंध दिया था। इस दौरान उन्होंने फाइटर जेट के निर्यात संस्करण का भी जिक्र किया था। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सहयोगी एनजीएडी फाइटर के निर्यात संस्करण को प्राप्त करने के लिए लगातार कॉल कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, हम इसे कुछ सहयोगियों को बेचेंगे।।।। शायद कमजोर संस्करण। हम उन्हें लगभग 10 प्रतिशत कम करना चाहेंगे। यह शायद में आता है, क्योंकि किसी दिन शायद वे हमारे सहयोगी नहीं होंगे।

'यूक्रेन युद्ध ने सीमाओं को धुंधला कर दिया है'

रक्षा विशेषज्ञों की चेतावनी- बढ़ रहा वैश्विक खतरा

सिंगापुर, 1 जून (एजेंसियां)। शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन युद्ध ने सीमाओं को धुंधला कर दिया है। उन्होंने कहा कि चीन और उत्तर कोरिया ने जिस तरह से रूस की यूक्रेन के खिलाफ मदद की, उसका वैश्विक परिदृश्य पर बड़ा असर पड़ा है। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया ने रूस की मदद के लिए यूक्रेन के मोर्चे पर अपने सैनिक भेजे तो चीन ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर रूस को आर्थिक और तकनीकी मदद दी।

रूस में, पुल के गिरने से यात्री ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरे, 7 की मौत

मास्को, 1 जून (एजेंसियां)। रूस में भीषण ट्रेन हादसा हुआ है। पश्चिमी रूस के ब्रायंस्क क्षेत्र में रात एक पुल ढहने के बाद एक यात्री ट्रेन पटरी से उतर गई। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। करीब 30 लोग घायल हुए हैं। रूसी अधिकारियों ने इस ट्रेन हादसे के लिए 'अवैध हस्तक्षेप' को जिम्मेदार ठहराया है। पश्चिमी रूस में यह ट्रेन हादसा ब्रायंस्क क्षेत्र में हुआ है, जो यूक्रेन की सीमा से सटा हुआ है। साल 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमलों के बाद से इस एरिया में तनाव बढ़ा हुआ है। मॉस्को रेलवे के अनुसार, पुल परिवहन कार्यों में अवैध हस्तक्षेप के चलते ये गिर गया। पुल के गिरने से ट्रेन भी चपेट में आ गई। रोसावटोडोर ने पुष्टि की है कि पुल उस रेलवे लाइन के ऊपर से गुजरा था, जिस पर ट्रेन चल रही थी। अचानक पुल के ढहने से कंक्रीट के बड़े-बड़े टुकड़े पटरियों पर गिर पड़े, जो सीधे आने वाली ट्रेन के रास्ते में आ गए। ट्रेन पटरी से पलट गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आ रही तस्वीरों और वीडियो में मलबे से भरे दृश्य में ट्रेन के डिब्बे टूटे हुए और बिखरे हुए दिखाई दे रहे हैं। कुछ सोशल मीडिया वीडियो में पुल ढहने के दौरान का भयावह क्षण को कैद किया गया है, इसमें पुल के ढहने से गाड़ियां बाल-बाल बचीं हैं। ब्रायंस्क के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज़ ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। बोगोमाज़ ने कहा कि पीड़ितों को सभी जरूरी सहायता प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। साथ ही कहा कि आपातकालीन सेवाएं और स्थानीय अधिकारी घटनास्थल पर काम कर रहे हैं।

सरकार ने पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट को दी मंजूरी बनेगी 2560 मेगावाट बिजली

चित्तौड़गढ़, 1 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने रावतभाटा के सुखपुरा गांव में पहाड़ी पर पानी एकत्र कर बिजली उत्पादन के 2560 मेगावाट के पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। ग्रीनको सुखपुरा में यह प्रोजेक्ट लगाएगी। कम्पनी का रजिस्ट्रेशन किया है। रावतभाटा राजस्थान परमाणु बिजलीघर, पनबिजली घर से बिजली उत्पादन के बाद पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट से बिजली बनने के बाद बिजली उत्पादन का सबसे बड़ा हब बन जाएगा। अक्षय ऊर्जा निगम के प्रस्ताव पर जल संसाधन विभाग ने पानी आवंटन के लिए सैद्धांतिक सहमति भी दी है। पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट के लिए टाकरदा माला देवी

सिंचाई परियोजना और ब्राह्मनी नदी से पानी लेगी। इसके लिए तालाब बनाया जाएगा। भैंसरोडगढ़ पंचायत समिति की धांगडमऊ ग्राम पंचायत के नाहरगढ़, गोरकिया, लक्ष्मीखेड़ा और सुखपुरा गांव इस योजना में शामिल किए है। सुखपुरा में प्रस्तावित 2560 मेगावाट पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट में 857 हैक्टेयर भूमि उपयोग में आएगी। इसमें से 735 हैक्टेयर भूमि वन विभाग की है। प्रोजेक्ट के लिए जंगल घटेगा और हजारों पेड़ कटेंगे।

हाल ही में राजस्थान सरकार ने पहाड़ी पर पानी एकत्र करके बिजली उत्पादन करने के 8720 मेगावाट के 8 पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। इनमें तीन केन्द्र सरकार के उपक्रम एनएचपीसी, टीएचपीसी, एसजेवीएन के 3960 मेगावाट प्रोजेक्ट के लिए जमीन आवंटित की है। वहीं, निजी कंपनियों में ग्रीनको, जवाई एनर्जी, अवाडा एक्वा के 4760 मेगावाट क्षमता के प्रोजेक्ट के लिए रजिस्ट्रेशन कर लिया है। इनमें से ज्यादातर साइट बड़े बांध के पास है।

‘मंत्रियों से ज्यादा डोटासरा, जूली की चलती है’

कोटा में गरजे डोटासरा; बोले- ‘पपेट सीएम बैठा दिया’

जयपुर, 1 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली कोटा में पार्टी की संविधान बचाओ रैली में शामिल हुए। डोटासरा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा आरक्षण समाप्त करना चाहती है। इस पर राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना लागू करने की बात कही। उनकी सरकार बनने पर देश में जितने एससी-एसटी और ओबीसी के लोग हैं, उस अनुसार उन्हें आरक्षण दिया जाएगा। भाजपा संविधान का दुरुपयोग कर रही है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में लोकतांत्रित तरीके से मुख्यमंत्री चुनने की जगह

पर्ची से मुख्यमंत्री की घोषणा की गई। महिला आरक्षण का कानून बनाने के बाद उसकी पालना नहीं हो रही। भाजपा सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में प्रदेश के विकास के काम ठप हो गए। उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान में सीजफायर की घोषणा अमरीका कर रहा है। इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। अपनी मजबूत नीति से पाकिस्तान के 92 हजार सैनिकों को आत्मसमर्पण पर मजबूर कर दिया था।

भाजपा पदाधिकारी की कोई नहीं सुन रहा

डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में सीएम की बैठक में मुख्य सचिव नहीं होते। मंत्रिमंडल की बैठक में विभागीय सचिव नहीं होते है। सर्वदलीय बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नहीं होते है। भाजपा पदाधिकारी की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। विधायकों की बात मुख्यमंत्री नहीं सुन रहे हैं। मंत्रियों की अधिकारी नहीं सुन रहे। मंत्रियों से ज्यादा तो डोटासरा और टीकाराम जूली की चलती है। प्रदेश में पपेट मुख्यमंत्री बैठा दिया गया है। मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों की गुजरात में क्लास ली गई है।

जूली ने कहा कि भाजपा सरकार के पास गरीबों की पेंशन देने के लिए पैसे नहीं हैं। उनके पास गरीबों के इलाज के पैसे नहीं हैं। कृषि मंत्री के जिले में नकली खाद बिक रहा है। भाजपा लोकतंत्र की पालना नहीं कर रही। कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों के साथ द्वेषतापूर्ण कार्रवाई करते हुए अलोकतांत्रित तरीके से हटाया जा रहा है। कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष रविन्द्र त्यागी, देहात अध्यक्ष भानुप्रतापसिंह ने भी संबोधित किया।

कानून व्यवस्था चौपट

डोटासरा ने कहा भाजपा राज में 15 महीने तक किसान सड़क पर बैठा रहा। एक हजार किसानों की जान चली गई, लेकिन सरकार ने किसानों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए कांटे बिछा दिए। प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट हो गई है। युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही।

'छिपाने के लिए कुछ नहीं, हर सवाल का जवाब देने को तैयार'

कांग्रेस के आरोपों पर गजेंद्र सिंह शेखावत का पलटवार

जोधपुर, 1 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि संसद का हर सत्र चाहे वह मानसून सत्र हो या अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों को सवाल पूछने और विचार रखने का मंच देता है। शेखावत ने कहा, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसके लिए उचित तंत्र है। हमारे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। हम हर सवाल और हर चिंता का जवाब देने को तैयार हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों पर तंज कसते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोलते हैं तो कांग्रेस कहती है कि

वह बहुत बोलते हैं, और जब वह चुप रहते हैं, तो उनकी चुप्पी पर सवाल उठाए जाते हैं। उन्होंने कहा, “पिछले तीन दिनों में प्रधानमंत्री मोदी ने देश की वर्तमान स्थिति, ऑपरेशन सिंदूर और कई अहम मुद्दों पर विस्तार से बात की है। संसद सत्र जल्द शुरू होगा, तब और भी चर्चा का अवसर मिलेगा।”

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऑपरेशन सिंदूर और सीडीएस जनरल अनिल चौहान के हालिया इंटरव्यू को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। खड़गे ने आरोप लगाया कि सरकार देश को भ्रमित कर रही है और प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों पर सफाई देने की बजाय चुनावी प्रचार में व्यस्त हैं।

उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, “चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के सिंगापुर में दिए गए इंटरव्यू के बाद कुछ अहम सवाल उठते हैं। इन सवालों के जवाब तभी मिल सकते हैं जब संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए।”

मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी वायुसेना के पायलटों ने जान की बाज़ी लगाकर लड़ाई लड़ी। उन्होंने सीडीएस के बयान का हवाला देते हुए कहा कि ₹हमने गलती को सुधारा और दो दिन बाद फिर से मिशन को अंजाम दिया।₹ कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की कि कारगिल समीक्षा समिति की तर्ज पर रक्षा तैयारियों की स्वतंत्र समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, “हमारे जवानों की वीरता को सलाम, लेकिन इसकी आड़ में राजनीतिक लाभ उठाना ठीक नहीं। अब समय है कि रणनीतिक स्तर पर एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति इस पूरे प्रकरण और रक्षा तैयारियों की गहराई से जांच करे।”

देशभर में सप्लाई किया जा रहा था नकली उर्वरक

चार कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज

अजमेर, 1 जून (एजेंसियां)। मार्बल नगरी किशनगढ़ के आस-पास ग्रामीण क्षेत्रों में इफको के साथ कई अन्य नामी कंपनियों के नाम से भी नकली उर्वरक तैयार किया जा रहा था। इनमें सरताज, उत्तम समेत अन्य कंपनियों का नकली उर्वरक भी यहां से देशभर में सप्लाई किया जा रहा था। यही नहीं एक-दूसरे संचालकों तक नकली उर्वरक के खाली कट्टों की सप्लाई भी की जा रही थी। इससे नकली उर्वरक तैयार करने वालों की चेन से भी इनकार नहीं किया जा सकता। उधर, कृषि विभाग के अधिकारियों की ओर से किशनगढ़ थाने में मामले दर्ज करवाए गए हैं।

अजमेर जिले के किशनगढ़ क्षेत्र में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की ओर से छापामार कार्रवाई करने के दौरान इफको कंपनी के नकली उर्वरक के साथ, खाली कट्टों का भंडार भी मिला है। नकली उर्वरक बनाने वाले फैक्टरी संचालकों को अन्य फैक्टरी से डिमांड अनुसार कंपनी के टैग लगे कट्टों में नकली उर्वरक भरकर सप्लाई की जा सके।

डिमांड के अनुसार तैयार करते कंपनियों के कट्टे

नकली उर्वरक बनाने वाले फैक्टरी संचालकों को अन्य फैक्टरी से डिमांड अनुसार विभिन्न कंपनियों के नाम से बने कट्टों की सप्लाई की जाती है, ताकि डिमांड अनुसार कंपनी के टैग लगे कट्टों में नकली उर्वरक भरकर सप्लाई की जा सके।

इन कंपनियों के कट्टों की खेप मिली

इफको के साथ अन्य नामी कंपनियां सरताज, उत्तम, संगम सीएमएस आदि के कट्टे मिले हैं। इनमें नकली उर्वरक से भरे व खाली कट्टे फैक्टरियों में मिले।

लाइसेंस अन्य राज्यों के, काम अजमेर में

कृषि मंत्री की ओर से जब्त किए गए कागजात में यह भी सामने आया कि लाइसेंस दिल्ली, तमिलनाडु राज्य के बने थे, लेकिन उनकी मैन्युफैक्चरिंग अजमेर जिले में हो रही थी। ना तो कृषि विभाग ने लाइसेंस दिया ना राज्य सरकार से स्वीकृति ली गई।

इन चार कंपनी के खिलाफ मामले दर्ज

1. भूमि एग्रो इंडस्ट्री उदयपुरकलां के पार्टनर किशनगढ़ निवासी सोमील जैन एवं राकेश कुमार जैन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 में मामला दर्ज किया गया है।

2. कमला एग्रो इंडस्ट्री टिकावड़ा के पदमचंद जैन एवं धौलपुरिया निवासी हेमराज चौधरी के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया है।

3. श्रीगोवर्धन एग्रो फैक्टरी उदयपुरकलां के रघुनाथसिंह के खिलाफ नामजद मामला दर्ज।

4. मंगलदीप बायो फर्टिलाइजर एंड केमिकल एलएलपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।प्रकरण में मनीष अग्रवाल एवं महेंद्रसिंह दरोगा के नाम एफआईआर में नामजद किए गए हैं।

15 पौधे लगाने...1 साल तक देखभाल की शर्त पर अग्रिम जमानत, राजस्थान हाईकोर्ट ने एक मामले में दिया आदेश

जयपुर, 1 जून (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सार्वजनिक पार्क से पेड़ काटने के मामले में पार्क में नीम-पीपल आदि के 15 पौधे लगाने की शर्त पर आरोपी की अग्रिम जमानत मंजूर की है। कोर्ट ने कहा, हर व्यक्ति का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह पर्यावरण को स्वच्छ और हरा भरा रखे।

ऐसे में आरोपी नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी की उपस्थिति में पौधरोपण करे और पौधों की कम से कम एक साल तक देखभाल करे। नगरपालिका निगरानी रखे कि याचिकाकर्ता इन पौधों की देखभाल कर रहा है या नहीं।

आदेश को सजा के तौर पर नहीं देखा जाए: कोर्ट

न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन ने रमेश चन्द की अग्रिम जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि आदेश को सजा के तौर पर नहीं देखा जाए, इसे याचिकाकर्ता की स्वैच्छिक सेवा माना जाए।

पार्क से पेड़ काटने का मामला

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद ने कोर्ट को बताया कि नगर पालिका, झालरापाटन ने पिछले साल याचिकाकर्ता के खिलाफ झालरापाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई , जिसमें नगर पालिका के पार्क से कुछ पेड़ काटे जाने का आरोप लगाया गया।

याचिकाकर्ता के अनुसार उसके खिलाफ राजनीतिक द्वेषता से रिपोर्ट दर्ज कराई गई और वह अनुसंधान में सहयोग करने को तैयार है।

याचिकाकर्ता का कहना था कि यह अपराध ऐसा नहीं है, जिसमें गिरफ्तार कर पूछताछ की आवश्यकता हो। ऐसे में अग्रिम जमानत मंजूर की जाए।

3 किमी तक अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

एडिए ने बरसों पर जारी किए थे नोटिस

अजमेर, 1 जून (एजेंसियां)। अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा बांडी नदी के बहाव अब पक्के निर्माण पर भी पीला पंजा चलने लगा है। क्षेत्र को साफ कर निर्बाध करने की कार्रवाई पिछले करीब एक माह से की जा रही है। प्राधिकरण की टीम द्वारा बहाव क्षेत्र से निकाले जा रहे सिल्ट, मलबा व मिट्टी बहाव क्षेत्र के दोनों ओर पाल के रूप में जमाई जाकर अतिक्रमण रोकने के उपाय किए जा रहे हैं। नदी बहाव क्षेत्र के दोनों ओर जमाई जा रही मिट्टी से बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण पर रोक लगने के साथ ही नदी में गंदे पानी की जावक भी रुकेगी। इसके अलावा निकाली जा रही गाद को अन्यत्र डंप करने की कवायद की परेशानी व भारी व्यय से भी निजात मिल सकेगी। एडीए द्वारा बहाव क्षेत्र में चिन्हित पक्के निर्माण फिलहाल नहीं हटाए गए हैं। एडीए ने इन्हें हटाने के लिए बरसों पहले नोटिस जारी किए थे। बाद में मामला ठंडे बस्ते में चला गया। गत 22 अप्रेल को एडीए ने अतिक्रमियों को अंतिम नोटिस देकर पुलिस जाप्ता मांगा था। लेकिन 15 से अधिक अतिक्रमी अदालत से स्टे ले आए। प्राधिकरण की टीम ने पोकलेन व कई जेसीबी मशीन लगाकर वरुण सागर के चैनल गेट से करीब तीन किलोमीटर के बहाव क्षेत्र को क्लीयर कर दिया है।

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अंबाजी धाम में किए दर्शन

अंबे से मांगी टीम की जीत की दुआ

सिरोही, 1 जून (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री और आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की सह-मालकिन प्रीति जिंटा ने शक्तिपीठ अंबाजी धाम मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मां अंबे के दर्शन के साथ-साथ विश्व के सबसे बड़े श्री यंत्र की पूजा अर्चना भी की। प्रीति जिंटा शाम की संध्या आरती के बाद

मंदिर परिसर पहुंचीं। वे करीब 15 मिनट तक मंदिर परिसर में रहीं। सुरक्षा की दृष्टि से उनका दौरा पूरी तरह गोपनीय रखा गया था। वे मंदिर के पिछले प्रवेश द्वार से निजी सुरक्षा गार्ड और गुजरात पुलिस की सुरक्षा में मंदिर परिसर में दाखिल हुईं। उनकी मौजूदगी के दौरान आम श्रद्धालुओं को थोड़ी देर तक दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ा।

मंदिर में दर्शन के दौरान प्रीति जिंटा ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। पूजा अर्चना के बाद वे सीधे अहमदाबाद के लिए रवाना हो गईं। हालांकि, उनके पहुंचते ही बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मंदिर परिसर पहुंच गए। वहीं, मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं के लिए यह एक खास क्षण बन गया और कई प्रशंसक उन्हें देखकर उत्साहित हो गए।

गौरतलब है कि पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल के पहले क्वालिफायर में हार चुकी है। अब टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए आज शाम अहमदाबाद में खेले जाने वाले क्वालिफायर-2 मुकाबले में जीत दर्ज करनी होगी। प्रीति जिंटा का अंबाजी धाम आना मां अंबे से टीम की जीत की कामना से जोड़ा जा रहा है।

दिनदहाड़े ताले तोड़ने वाली गैंग के 4 सदस्य गिरफ्तार

सिरोही, 1 जून (एजेंसियां)। सिरोही सदर थाना पुलिस ने कृष्णगंज में दिनदहाड़े हुई चोरी की वारदात में शामिल एक चोरी की गैंग का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी घनश्यामसिंह ने बताया कि 2 मई 2025 को कृष्णगंज क्षेत्र में एक घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी की गई थी। पूछताछ में आरोपियों ने सिरोडी, कृष्णगंज, सिरोही और शिवगंज में भी ऐसी ही चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली है।

पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देश पर जिलेभर में चोरी और नकबजनी के मामलों को सुलझाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभुदयाल धानिया और वृताधिकारी मुकेश चौधरी की निगरानी में थाना स्तर की टीम गठित की गई, जिसमें थानाधिकारी घनश्यामसिंह के नेतृत्व में कार्रवाई हुई।

पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल श्यामा, कांस्टेबल सीताराम, डूंगरसिंह, लक्ष्मणसिंह, मूलाराम और इंदु की अहम भूमिका रही।

दिनदहाड़े ताला तोड़कर दिया वारदात को अंजाम

कृष्णगंज निवासी उज्जवल कुमार ने रिपोर्ट में बताया कि 2 मई को दोपहर 1 बजे वह और उनके दादाजी खेतलाजी मंदिर गए थे। दोपहर 3 बजे लौटने पर उन्होंने देखा कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है और गहने व नकदी गायब थे।

तलाश में जुटी पुलिस टीम, जगह-जगह छापेमारी

वारदात की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर अलग-अलग टीमें गठित की गईं। सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और तकनीकी निगरानी की मदद से जांच करते हुए पुलिस ने एक-एक कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सूने मकानों को बनाते थे निशाना

पुलिस के अनुसार, यह गैंग गांवों और शहरों में दिन व रात में सूने मकानों की रेकी करती थी। वारदात के समय एक सदस्य बाहर निगरानी करता था, जबकि बाकी अंदर घुसकर ताले तोड़ते और चोरी करते थे। पूछताछ में अब तक चार शहरों में चोरी करना स्वीकार किया गया है और आगे की जांच जारी है।

रिश्वत के मामले में प्रतापगढ़ पुलिस का कांस्टेबल गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़, 1 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) चित्तौड़गढ़ ने बड़ी कार्रवाई कर प्रतापगढ़ जिले के जलोदा जागीर थाने में तैनात कांस्टेबल मंजीत सिंह को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। रिश्वत की कार्रवाई के दौरान भनक लगते

ही कांस्टेबल फरार हो गया था। ऐसे में एसीबी का ट्रैप फेल हो गया था। इसी मामले में एसीबी ने डिप्टी सहित दो अन्य को जांच में रखा है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) चित्तौड़गढ़ एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने बताया कि आरोपी कांस्टेबल ने एक परिवादी से जब्त बाइक को छुड़वाने के बदले में पांच हजार रुपये की रिश्वत ली थी। इसके आगे 10 हजार रुपये की और मांग की थी। मामले में प्रार्थी 25 अक्तूबर 2024 को एसीबी कार्यालय प्रतापगढ़ पहुंचा था। यहां लिखित शिकायत दी कि उनके खिलाफ दर्ज एससी-एसटी एक्ट के मामले में बाइक छुड़वाने के एवज में कांस्टेबल मंजीत सिंह ने डिप्टी गोपाललाल हिंडोनिया के लिए रिश्वत मांगी जा रही है।

शिकायत के आधार पर उसी दिन सत्यापन कार्रवाई की गई, जिसमें कांस्टेबल मंजीत सिंह को पांच हजार रुपये दिए थे। हालांकि आरोपी कांस्टेबल को मामले की भनक लग गई, जिससे आगे ट्रैप की कार्रवाई नहीं हो सकी।

कांस्टेबल के खिलाफ जांच में पुष्टि होने के बाद मंजीत सिंह निवासी नैथला, जिला अलवर को 28 मई 2025 को गिरफ्तार कर 29 मई को विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, उदयपुर में पेश किया गया। यहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। प्रकरण में डीवाईएसपी गोपाल लाल हिंडोनिया एवं एएसआई दिलीप सिंह की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। दोनों के खिलाफ भी एसीबी की जांच जारी है।

तबादले का भय दिखा लेता था मासिक बंधी नहीं देने वाले 25 कार्मिकों का करवा दिया था तबादला

सीकर, 1 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट द्वितीय जयपुर टीम ने पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक दीपक अग्रवाल को सीकर शहर में एक रेजीडेंसी की पार्किंग से परिवादी से 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी संयुक्त निदेशक कर्मचारियों से मासिक बंधी वसूल रहा था और विरोध करने पर दूर दराज के जिलों में तबादला करने की धमकी देता था। वह अब तक करीब 100 कार्मिकों से वसुली कर चुका था। आरोपी की पत्नी पूर्व में भाजपा जिला कार्यकारिणी में पदाधिकारी रह चुकी हैं। राजनीतिक रसूखात के चलते ही वह सीकर के धोद तहसील में वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी के पद पर लगा था।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रविप्रकाश मेहरडा ने बताया कि स्पेशल यूनिट-द्वितीय एसीबी जयपुर को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी।परिवादी ने बताया कि पर्यवेक्षण अधिकारी द्वारा मासिक बन्धी के रूप में प्रतिमाह रिश्वत राशि तथा उसका इच्छित स्थान पर स्थानान्तरण करवाने के नाम पर आरोपी डॉ. दीपक अग्रवाल रिश्वत राशि की मांग कर परेशान कर रहा है। एसीबी जयपुर के उपमहानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन में एएसपी महावीर प्रसाद के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। उन्होंने अपनी टीम के साथ ट्रेप किया। उन्होंने बताया कि आरोपी संयुक्त निदेशक दीपक अग्रवाल करीब एक साल पहले धोद के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी के पद पर लगा था। सूत्रों ने बताया कि आरोपी राजनीतिक रसूख का फायदा उठाकर सीकर जिले में पद विरुद्ध संयुक्त निदेशक के पद पर नियुक्त हुआ था। करीब एक साल से आरोपी दीपक अग्रवाल लगातार विभाग के कर्मचारियों से अवैध वसूली कर रहा था। श्री कल्याण कन्या महाविद्यालय, सिल्वर जुबली रोड के सामने सुख सागर अपार्टमेंट की पार्किंग में 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते आरोपी दीपक अग्रवाल को रंगे हाथों एसीबी ने धर दबोचा। उसके हाथ धुलाए तो उन पर नोटों पर लगाया रंग उतर गया।

लिव इन में रह रही मां ने बेटी की हत्या कर शव छिपाया

अलमारी से बदबू आने के बाद हुआ खुलासा

बारां, 1 जून (एजेंसियां)। भंवरगढ़ थाना क्षेत्र के जैतपुरा गांव से मकान मालिक की सूचना पर लोहे की अलमारी से प्लास्टिक के कट्टे से चार साल की बालिका का शव बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि जयपुर में लिवइन में रह रहे युगल ने जयपुर में बालिका की हत्या की और शव को

खुर्दबुर्द करने व साक्ष्य मिटाने के लिए जैतपुरा ले आए। हालांकि आरोपी युगल दोनों फरार हैं। सहायक उप निरीक्षक हुकम चंद नागर ने बताया कि थाना क्षेत्र के जैतपुरा गांव निवासी जयराम बैरवा ने सूचना दी कि उसके घर के कमरे में रखी लोहे की अलमारी को बदबू आने पर खोलकर देखा तो सफेद प्लास्टिक के कट्टे से खून बह रहा था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे सहायक उप निरीक्षक नागर, हैड कांस्टेबल भानू प्रताप ङ्कूषसह ने अलमारी में रखे कट्टे को खोलकर देखा तो उसमें एक बच्ची का शव था। इसकी पहचान इशिका 4 के रूप में हुई। यह महावीर के साथ लिवइन रिलेशनशिप में रह रही रोशन बाई की पुत्री की है। नागर ने बताया कि शव को चुन्नी में बांध कर रखा था। उसे पोस्टमाटर्म के लिए भंवरगढ़ के राजकीय चिकित्सालय लाए वह मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम करवाया गया। हैड कांस्टेबल भानू प्रताप ने बताया कि फरियादी जयराम ने रिपोर्ट दी, इसमें बताया गया कि उक्त मृतका बालिका का नाम इशिका है। यह उसके लडक़े महावीर की दूसरी पत्नी (लिवइन रिलेशनशिप) रोशन बाई की लडक़ी है। महावीर और रोशन ने जयपुर में इशिका की हत्या की और शव को छुपाने और सबूत मिटने के लिए वे शव को जैतपुरा लाए। जयपुर से मिली सूचना के अनुसार घटना सांगानेर रेलवे स्टेशन के पास की है। यहां पर महावीर और रोशन बाई ने इशिका की दो दिन पूर्व गला दबाकर हत्या कर दी। मृतका इशिका की मां 7 महीने से महावीर के साथ जयपुर में रह रही थी।

मोदी सरकार ने सही शासन दिया : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन ने देश के लोगों को सही शासन दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मोदी का शासन 11 वर्षों तक बहुत पारदर्शी रहा है। शहर में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में किशन रेड्डी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को लोगों के बीच जाना चाहिए और लोगों को मोदी के 11 साल के शासन के बारे में बताना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें हर घर में जाकर लोगों को समझाना चाहिए। हमने सही शासन दिया है। दुनिया भारत की ओर देख रही है। पिछली यूपीए के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान घोटाले हुए थे। देश तभी आगे बढ़ेगा जब राज्य मजबूत होंगे। हम देश में वन नेशन वन राशन लागू कर रहे हैं। मोदी इसे आतंकवाद मुक्त देश बनाने के लिए कदम उठा रहे हैं। सभी ने देखा है कि हमने आतंकवादियों के ठिकानों को कैसे नष्ट किया है। मोदी के नेतृत्व में भारत एक नया देश है। रेड्डी ने कहा कि वे देश के 1300 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि उन्होंने व्यापार, वाणिज्य और बिजली के क्षेत्रों में ठोस विकास हासिल किया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा एक महिला हितैषी पार्टी है और उसकी सरकार जाति और धर्म से परे काम करती है। उन्होंने कहा, हमने बीसी आयोग को वैधानिकता दी है। कांग्रेस सरकार और भाजपा सरकार में बहुत फर्क है। हमने सेना में आत्मसम्मान हासिल किया है। हम विकसित देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मोदी का लक्ष्य विकसित देशों के सामने खड़ा होना है। रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य को 10 लाख करोड़ के कर्ज से बचाने की जरूरत है और आरोप लगाया कि विपक्षी बीआरएस पार्टी और सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने मिलकर राज्य को कर्ज के जाल में धकेल दिया है। तेलंगाना राज्य के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार आनी चाहिए। कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार विकेंद्रीकृत है। बीआरएस सरकार में भ्रष्टाचार केंद्रीकृत है। जनता के मुद्दों पर ईमानदारी से काम करने वाली पार्टी भाजपा है। भाजपा को छोड़कर कोई भी पार्टी तेलंगाना राज्य को नहीं बचा सकती है।

गर्भपात की गोलियां लेने के बाद जटिलताओं के कारण आदिवासी महिला की मृत्यु

आदिलाबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक आदिवासी गर्भवती महिला की शनिवार शाम यहां राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में इलाज के दौरान मौत हो गई। बंगारीगुडा की रहने वाली प्रवालिका (23) को उसके पति प्रशांत ने गर्भपात के लिए गोलियां खाने के लिए मजबूर किया। हालांकि, उसे बहुत ज़्यादा रक्तस्राव हुआ और उसे रिम्स-आदिलाबाद में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि प्रशांत को लगा कि जब वे नया घर बना रहे थे, तब उसकी पत्नी का गर्भवती होना अच्छा संकेत नहीं था। प्रवालिका के परिजनों से प्राप्त शिकायत के आधार पर प्रशांत के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

पीएम मोदी एडीबी के अध्यक्ष मसातो कांडा से मिले

इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 10 अरब डॉलर देने का वादा किया

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की। इस बैठक में भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर में 10 अरब डॉलर के निवेश को लेकर बातचीत की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एडीबी अध्यक्ष की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, मसातो कांडा के साथ एक शानदार बैठक हुई, जिसमें हमने कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। पिछले दशक में भारत के तेजी से हुए परिवर्तन ने अनगिनत लोगों को सशक्त बनाया है और हम इस यात्रा में और गति लाने के लिए काम कर रहे हैं।

कांडा ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा, विकसित भारत 2047 का विजन साहसिक है और एडीबी इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का समर्थन कर रहा है। हम अगले पांच वर्षों में नगर निगम के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, नए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर बनाने और शहर की सेवाओं के आधुनिकीकरण में थर्ड पार्टी कैपिटल सहित 10 अरब डॉलर का निवेश करेंगे।

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, एडीबी का संस्थापक सदस्य भारत हमारा सबसे बड़ा उधारकर्ता है और एक मजबूत साझेदार है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए फाइनेंस को बढ़ाकर, ज्ञान सहयोग को गहरा करके और पूंजी जुटाकर हम 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने और अपने 1.4 अरब लोगों के लिए समावेशी, लचीला और टिकाऊ विकास प्रदान करने के भारत के अभियान का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।

एडीबी ने कथित तौर पर जल आपूर्ति, स्वच्छता, आवास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं पर 22 राज्यों के 110 से अधिक शहरों के साथ साझेदारी की है, जिसमें 5.15 अरब डॉलर की राशि के 27 लोन शामिल हैं। इससे पहले, एडीबी अध्यक्ष ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की, जहां दोनों लीडर्स ने ग्रामीण क्षेत्र में समृद्धि लाने, रूफ टॉप सोलर एनर्जी क्षमता बढ़ाने और यूसीएफ को चालू करने की योजनाओं पर चर्चा की।

सिर्फ नारे लगाता रहा विपक्ष

पीएम मोदी ने किया असली काम : 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को कहा कि (नरेंद्र) मोदी सरकार ने महिलाओं, किसानों और वंचित वर्गों को असल मायनों में सशक्त किया है, जबकि विपक्षी पार्टियां केवल नारे लगाते रहे।

नड्डा नई दिल्ली में 'एकात्म मानववाद' पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्याख्यानों के 60 साल पूरे होने पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कई अहम कदम उठाए हैं।

उन्होंने बताया कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज मिला है। सरकार ने 10 करोड़ से ज्यादा घरों में रसोई गैस कनेक्शन, 12 करोड़ शौचालय और 4 करोड़ पक्के घर बनवाए हैं।

नड्डा ने कहा, कई नेता केवल गरीबों के हक की बात करते रहे, लेकिन गरीबों के लिए असली काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। उन्होंने मुफ्त राशन दिया, किसानों के लिए सम्मान निधि योजना शुरू की, फसल बीमा योजना दी और मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी योजनाएं लेकर आए।

उन्होंने कहा कि पहले सिर्फ किसान राजनीति का मुद्दा बनते थे, लेकिन पहले (दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री) अटल बिहारी वाजपेयी और अब नरेंद्र मोदी ने किसानों की स्थिति बदलने के लिए ठोस कदम उठाए।

तेलंगाना को नष्ट कर रहे हैं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी : दासोजू श्रवण

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने तेलंगाना स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला किया और उन पर दशकों के संघर्ष और बलिदान से हासिल राज्य के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी, जिन्होंने कभी संघर्ष में हिस्सा नहीं लिया, उनके मन में इसके लिए कोई सम्मान नहीं है और उन्होंने कभी 'जय तेलंगाना' नहीं कहा।

तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए श्रवण ने कहा कि पार्टी सोमवार को तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर पूरे राज्य में जश्न मनाएगी। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव टेक्सास के डलास में बीआरएस रजत जयंती समारोह के साथ-साथ स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगे। उन्होंने कहा, तेलंगाना को कई सालों के संघर्ष के बाद राज्य का दर्जा मिला है। कई मौकों पर आंदोलन के दमन के बाद, बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने राज्य के लिए अपनी लड़ाई

शुरू की और इसे हासिल किया। लेकिन रेवंत रेड्डी जैसे नेताओं ने आंदोलन के दौरान गुलाम मानसिकता के साथ काम किया।

बीआरएस नेता ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने और भ्रष्ट तरीकों से सत्ता में आने के लिए रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि संघर्ष से बना तेलंगाना अब कांग्रेस की भ्रष्ट और किसान विरोधी सरकार के हाथों में चला गया है। उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना को (जो आर्थिक रूप से अधिशेष राज्य था) मात्र 18 महीनों के भीतर बर्बाद कर दिया। उन्होंने दलित बंधु को रोकने, कालेश्वरम परियोजना को स्थगित करने और स्थानीय शासन को कमजोर करने के लिए सरकार की आलोचना की।

श्रवण ने मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं का भी मज़ाक उड़ाया। उन्होंने कहा, उनके पास सौंदर्य प्रतियोगिताओं के लिए तो समय है, लेकिन किसानों के लिए नहीं। उन्होंने मांग की कि सरकार मिल्ली मैगी जांच रिपोर्ट जारी करे। उन्होंने पुलिस कमांड और कंट्रोल सेंटर में समीक्षा बैठकों का हवाला देते हुए कहा कि रेवंत रेड्डी एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो पुलिस थानों से राज्य पर शासन कर रहे हैं।

टीजी एड सीईटी-2025 ऑनलाइन परीक्षा संपन्न

राज्य भर में 83 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज

वारंगल, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए टीजी एड सीईटी-2025 ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा 83 प्रतिशत उपस्थिति के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई, यह जानकारी परीक्षा संयोजक प्रो. बी वेंकटराम रेड्डी ने दी। उन्होंने बताया कि रविवार को दो सत्रों में आयोजित परीक्षा के लिए 38,758 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था और 32,106 अभ्यर्थी तेलंगाना राज्य में सुबह के सत्र में 74 केंद्रों और दोपहर के सत्र में 73 केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए।

इससे पहले दिन में, तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. वी बालकिष्टा रेड्डी ने पहले सत्र के लिए 'सेट ए' प्रश्न पत्र का चयन किया, जबकि टीजी एड. सीईटी-2025 के अध्यक्ष, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. प्रताप रेड्डी ने दूसरे सत्र के लिए 'सेट बी' का चयन किया। रजिस्ट्रार प्रो. वी. रामचंद्रम ने संयोजक प्रो. वेंकटराम रेड्डी, उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो.ई. पुरुषोत्तम और प्रो. मोहम्मद, सचिव प्रो. श्रीराम वेंकटेश, शिक्षा विभाग के डीन प्रो.एम. रामनाथ किशन, एसडीएलसीई के निदेशक प्रो.बी. सुरेश लाल की मौजूदगी में प्रवेश परीक्षा का पासवर्ड जारी किया। बाद में दिन में उन्होंने वारंगल शहर में कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

विशेष अभियान के दौरान 305 शराबी ड्राइवर पर कार्रवाई

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शनिवार रात को विशेष अभियान चलाकर 305 लोगों को पकड़ा। पकड़े गए लोगों में 242 दोपहिया वाहन चालक, 16 तिपहिया वाहन चालक और 47 चार पहिया वाहन चालक शामिल हैं। साइबराबाद के सभी ट्रैफिक पुलिस स्टेशनों पर विशेष शराबी अभियान चलाया गया। सबसे ज्यादा मियापुर में 52 लोग पकड़े गए, जबकि चेवेल्ला पुलिस और बालानगर पुलिस ने 30-30 लोगों को पकड़ा, इसके बाद शमशाबाद पुलिस ने 28 लोगों को पकड़ा।

कुल 305 व्यक्तियों में से 116 व्यक्ति 31 से 40 वर्ष की आयु के हैं, तथा 92 व्यक्ति 21 से 30 वर्ष की आयु के हैं।

दुर्घटना में राजमिस्त्री की मौत

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को नागोल में एक सड़क दुर्घटना में एक राजमिस्त्री की मौत हो गई। नागोल के आनंदनगर निवासी जी मल्लिकार्जुन (40) अपने दोस्त शिव कृष्ण के साथ इलेक्ट्रिक बाइक पर किसी काम से जा रहे थे। नागोल के सब इंस्पेक्टर वी रमेश ने बताया कि जयपुरी वाई जंक्शन पहुंचने पर तेज रफ्तार अशोक लीलैंड ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। मल्लिकार्जुन और शिव कृष्ण को गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मल्लिकार्जुन की मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। ट्रक को भी जब्त कर थाने ले जाया गया है।

पीड़ितों की सभी शिकायतें तुरंत दर्ज करे : पुलिस महानिदेशक

एसएचओ के साथ आयोजित समीक्षा में दिए कई निर्देश

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने राज्य भर के पुलिस थानों में पीड़ितों से प्राप्त शिकायतों को तुरंत दर्ज करने के महत्व पर जोर दिया। शनिवार को विभिन्न इकाइयों के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में डीजीपी ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी शिकायत दर्ज न की जाए और अधिकारियों को जनता की शिकायतों को दूर करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि दर्ज मामलों की संख्या में वृद्धि से चिंता नहीं होनी चाहिए और एसएचओ से केवल अधिक मामले दर्ज करने के लिए सवाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पीड़ितों को न्याय उचित जांच के माध्यम से सुनिश्चित किया जाना चाहिए, आपराधिक न्याय प्रणाली के सिद्धांतों को कायम रखना चाहिए। उन्होंने कहा, जब पीड़ितों को न्याय से वंचित किया जाता है, तो वे बाहरी सिफारिशों की तलाश करते हैं।

समय पर न्याय जनता का विश्वास और पेशेवर संतुष्टि बढ़ाता है। डीजीपी ने नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग को प्रोत्साहित किया और कहा कि तेलंगाना पुलिस को प्रभावी और उत्तरदायी सेवाएं देने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि बेहतर कानून और व्यवस्था हैदराबाद में विदेशी निवेश को आकर्षित कर रही है, जिससे शहर के विकास को बढ़ावा मिल रहा है। क्यूआर कोड फीडबैक के माध्यम से शिकायतकर्ताओं से 100 प्रतिशत संतुष्टि रेटिंग प्राप्त करने वाले पुलिस स्टेशनों की सराहना करते हुए, डीजीपी ने पूछा कि यह मानक सभी स्टेशनों में क्यों नहीं दोहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि क्यूआर कोड का उपयोग करके फीडबैक की निगरानी जारी रहेगी और महिला पुलिस कर्मियों की प्रभावी तैनाती का सुझाव दिया। अतिरिक्त डीजीपी (कानून और व्यवस्था) महेश एम. भागवत ने सभा को संबोधित करते हुए एसएचओ के प्रदर्शन का आकलन करने में क्यूआर कोड-आधारित फीडबैक के महत्व पर जोर दिया। एडीजीपी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि शिकायतकर्ता इस प्रणाली से अवगत हों। एडीजीपी ने आगामी बकरीद त्योहार के संबंध में भी निर्देश जारी किए, जिसमें अवैध गाय परिवहन को रोकने के लिए सतर्कता बरतने की सलाह दी गई और नए आपराधिक कानूनों के तहत सक्रिय कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की गई। बैठक में एआईजी रमण कुमार, डीएसपी श्री सत्यनारायण भी शामिल हुए।

अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार से युसीबी को प्राप्त हो रहा अधिकतम समर्थन सराहनीय : प्रमोद कुमार केडिया

हैदराबाद, 1 जून(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-आप. अर्बन बैंक लिमिटेड के मुख्यालय सिध्दिअंबर बाजार परिसर में, सहकारिता या को-आपरेटिव्ज 2025 की अंतर्राष्ट्रीय वर्ष पर ग्राहकों की बैठक (कस्टमर्स मीटींग) आयोजित हुई। इस महत्वपूर्ण ग्राहकों की बैठक का आयोजन 31 मई 2025 को हुवा।

इस संदर्भ में, तत्संबंधित अग्रसेन बैंक आधिकारिक सूत्रों नुसार, बैंक सीईओ सी.वी. राव ने इस महत्वपूर्ण ग्राहकों की बैठक में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया। तत्पश्चात् बैंक चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने राज्य सरकारी पदाधिकारियों एवं बैंक के सभी ग्राहकों का हार्दिक स्वागत कर, ग्राहकों की बैठक का उद्घाटन किया।

इस शुभावसर पर चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने बताया कि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय के गठन के पश्चात् केंद्रीय सरकार से युसीबी को अधिकतम समर्थन प्राप्त हो रहा है, जो सराहनीय विषय है। इस दौरान तेलंगाना सरकार के प्रमुख अधिकारी वेंकन्ना ने संयुक्त राष्ट्र परिषद (युएन काउंसिल बोर्ड) की घोषणा 2025 की आवश्यकता पर जोर दिया तथा बताया कि, आगामी वर्ष 2030 तक समस्त सहकारिता विभाग सतत विकास के लक्ष्य को पूरा कर सकेगा।

इस अवसर पर जायंट रजिस्ट्रार/फैकल्टी, तेलंगाना को-आप. युनियन लि. श्रीमती आर. संगीता ने अपने संबोधन में कहा कि, किसी भी निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पब्लिक सेक्टर बैंकों) की तुलना में युसीबी को अबसे आगेसे कम स्तरीय आंकना गलत होगा। क्योंकि हमेशा सभी अन्य बैंकों की तुलना में युसीबी सभी तत्सबंधित सेवाएं प्रदान कर रही है।

इस महत्वपूर्ण ग्राहकों की बैठक में जिन प्रमुखों ने भाग लिया उनमें, बैंक चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया, सीनि. वाईस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल, वाईस चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल एवं बोर्ड मैनेजमेंट चेयरमैन नारायण दत्त शामिल हैं। जिसमें डीजीएम आनंद अग्रवाल एवं अग्रसेन बैंक के अन्य स्टाफ मेम्बर्स ने भी भाग लिया।

इस कस्टमर्स मीटींग में तत्संबंधित अन्य प्रमुखों जैसे तेलंगाना सरकार से डा. भुक्या वेन्कन्ना एवं जायंट रजिस्ट्रार/फैकल्टी, तेलंगाना को-आप. युनियन लि. गनफाउण्ड्री हैदराबाद श्रीमती आर. संगीता तथा असिस्टंट रजिस्ट्रार, को-आप. डिपार्टमेंट हैदराबाद श्रीमती एल. शारदा ने भी भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढाई।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत वैज्ञानिक और किसान एकजुट

वैज्ञानिकों ने किसानों से सीधा संवाद किया

किसानों को कृषि में आधुनिक तकनीक से परिचित कराया गया

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), रंगा रेड्डी जिला और केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआरआईडीए) के संयुक्त तत्वावधान में, " विकसित कृषि संकल्प अभियान" की अवधारणा पर एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आज (31 मई पशनिवार) किसान मंच पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें पामिना, चंवेल्ली, कनकममिडी, चिलकुर, अजीजनगर, एनके पल्ली, चियानडिप्पा, परवेदा और एल्वर्थी गांवों से उत्साही भागीदारी हुई।

इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए उभरती कृषि प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के प्रति कृषक समुदाय को संवेदनशील बनाना था।

पारंपरिक पदानुक्रम को तोड़ते हुए, अधिकारी और किसान एक साथ बैठकर मिट्टी के नमूने और परीक्षण, बागवानी नवाचारों, सरकारी योजनाओं और कृषि उच्च शिक्षा के अवसरों सहित प्रमुख कृषि विषयों पर चर्चा करते हैं।

सत्र में दो-तरफ़ा ज्ञान के आदान-प्रदान पर जोर दिया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने किसानों की चुनौतियों को सुना और व्यावहारिक समाधान पेश किए।

किसानों को कृषि में हुए अभिनव विकास से परिचित कराया गया, जिसमें उन्नत फसल पद्धतियों को अपनाना, उच्च उपज और उच्च लाभ वाली बागवानी तकनीकें, तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृषि कार्यों में स्वचालन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के व्यावहारिक अनुप्रयोग शामिल हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि इन तकनीकों का उपयोग सटीक कृषि, कुशल संसाधन उपयोग, फसल स्वास्थ्य की वास्तविक समय निगरानी, स्वचालित सिंचाई प्रणाली और बेहतर कृषि निर्णय लेने के लिए कैसे किया जा सकता है।

कार्यक्रम के एक प्रमुख घटक में किसानों के खेतों से मिट्टी के नमूनों का वैज्ञानिक तरीके से संग्रह करना शामिल है, जिसका विश्लेषण करके मिट्टी की पोषकता का निर्धारण किया जाएगा, जिससे विशेषज्ञ दीर्घकालिक मिट्टी के स्वास्थ्य और बेहतर फसल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उचित और संतुलित उर्वरक अनुप्रयोग कार्यक्रम की सिफारिश कर सकेंगे।

इसके अतिरिक्त, पशुधन स्वास्थ्य प्रबंधन, मवेशियों को प्रभावित करने वाली आम बीमारियों, निवारक देखभाल रणनीतियों, तथा उच्च पोषण वाली चारा फसलों और उन्नत घास प्रजातियों के बारे में जानकारी पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए। यह कार्यक्रम किसान-वैज्ञानिक बातचीत के लिए एक एकीकृत मंच के रूप में कार्य करता है, जिससे जमीनी स्तर पर ज्ञान के आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण को बढ़ावा मिलता है।

यह अभियान किसानों को वैज्ञानिकों से बातचीत करने, तकनीकी सलाह देने और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए मंच प्रदान करता है।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले गांवों के कुल 1241 किसानों की सक्रिय भागीदारी देखी गई और इसका नेतृत्व वैज्ञानिकों और कृषि अधिकारियों की एक समर्पित टीम ने किया, जिसमें डॉ. चंद्रकांत एमएच, डॉ. प्रिया, डॉ.डी. सुधीर, डॉ. श्रीकृष्ण, डॉ. दिलीप, डॉ. वीर गौतम चौहान के साथ-साथ कृषि अधिकारी श्री श्री वेंकटेश और श्री श्री शंकर लाल, कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती गीता और श्रीमती मनीषा और बागवानी अधिकारी श्रीमती गीता कृष्णा शामिल थीं।

9वीं शताब्दी की जैन शैलकृत गुफाओं को तत्काल संरक्षण की आवश्यकता

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के पर्वतीय स्थल अनंतगिरी में नौवीं शताब्दी की चट्टानों को काटकर बनाई गई 15 जैन गुफाओं का समूह संरक्षण की मांग कर रहा है। शनिवार को गुफाओं का दौरा करने वाले पुरातत्वविद् ई. सिवनगिरेड्डी के अनुसार, यहां 15 गुफाएं हैं जो योजना के अनुसार वर्गाकार और आयताकार हैं तथा इनका आकार दो से छह मीटर लंबा, दो से तीन मीटर चौड़ा और 2.5 मीटर गहरा है तथा इनका द्वार पूर्व की ओर है।

उन्होंने कहा कि ये जैन धर्म से संबंधित हैं और इनका उत्खनन जैन साधुओं को वर्षा ऋतु बिताने तथा सल्लेखना व्रत (आमरण उपवास) करने में सुविधा प्रदान करने के लिए किया जाना चाहिए था। शिवनगिरेड्डी ने बताया कि चट्टान काटकर बनाई गई 15 गुफाओं में से छह गुफाएं बरकरार हैं और बाकी गुफाएं मूसी नदी के उद्गम स्थल, जहां से इसकी यात्रा शुरू होती है, तक जाने वाले मार्ग को चौड़ा करने के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

उन्होंने कहा कि फर्श पर चट्टानों को काटकर बनाए गए बिस्तर, दीपक रखने के लिए दीवारों पर बने आले तथा अर्थ पर्यंकासन में बैठी एक क्षत-विक्षत जैन प्रतिमा, गुफा के जैन संबद्धता के बारे में पर्याप्त संकेत देते हैं। शिवनगिरेड्डी ने अनंत पद्मनाभ स्वामी मंदिर और विकाराबाद नगर पालिका के अधिकारियों से गुफाओं की दीवारों पर की गई सफेदी हटाने की अपील की। उन्होंने आग्रह किया कि रास्ते विकसित किए जाने चाहिए और गुफाओं के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को समझाने वाले संकेत लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मंदिर के अध्यक्ष डॉ. पद्मनाभम ने आश्वासन दिया कि वे इस संबंध में आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे। इस अन्वेषण में विरासत कार्यकर्ता डी.आर. श्यामसुंदर राव, बी. वेंकटरेड्डी, बी. साई किरण रेड्डी और एल्लैया ने भाग लिया।

सीपी ने सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सी.वी. आनंद ने हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्तालय में सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले 39 पुलिस अधिकारियों को भव्य रूप से सम्मानित किया और विदाई दी। सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों में 1 एसीपी, 1 आरआई, 16 एसआई, 11 एएसआई, 8 एचसी और 2 एलजीई शामिल थे। इस अवसर पर आयोजित सेवानिवृत्ति विदाई सभा के दौरान, सी.वी. आनंद ने सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा, मैं हर सेवानिवृत्ति विदाई समारोह में भाग लेने की कोशिश करता हूं क्योंकि, आयुक्त के रूप में, मैं पुलिस विभाग के लिए आपकी लंबी और समर्पित सेवा के लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जो लगभग 42 वर्षों तक फैली हुई है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सेवानिवृत्ति के बाद किसी को भी दुखी महसूस नहीं करना चाहिए, यही वजह है कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि सेवानिवृत्ति के दिन ही सभी लाभ वितरित किए जाएं। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवार के सदस्यों को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने उनके पूरे करियर के दौरान उनका साथ दिया। उन्होंने सभी को सलाह दी कि वे अपने स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन कुछ न कुछ करते रहें, उन्होंने कहा कि हर दिन कुछ न कुछ करने से स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीसीसीआई को मिलेगा नया अध्यक्ष?

रोजर बिन्नी को रिप्लेस करने की रेस में ये दिग्गजराजीव शुक्ला सबसे आगे

मुंबई, 1 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में जल्द ही एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है. मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी 19 जुलाई 2025 को 70 साल के हो जाएंगे, जिसके बाद बीसीसीआई के नियमों के अनुसार उन्हें अपने पद से हटना होगा. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नियम के तहत बीसीसीआई के सभी पदाधिकारियों को 70 साल की उम्र के बाद अपने पद छोड़ने होते हैं. ऐसे में रोजर बिन्नी को रिप्लेस करने की रेस में एक दिग्गज सबसे आगे हैं. ये दिग्गज अंतरिम अध्यक्ष के रूप में जुलाई में ही यह जिम्मेदारी संभाल सकता है.

रोजर बिन्नी को रिप्लेस करेगा ये दिग्गज!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी को रिप्लेस कर सकते हैं. अंतरिम अध्यक्ष के रूप में जुलाई में ही यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं. राजीव शुक्ला लंबे समय से भारतीय क्रिकेट प्रशासन से जुड़े रहे हैं. वह पहले आईपीएल के चेयरमैन रह चुके हैं और बीसीसीआई में कई अहम भूमिकाएं निभा चुके हैं.

एक अनुभवी राजनेता और पूर्व पत्रकार होने के नाते, शुक्ला का क्रिकेट जगत में काफी अनुभव है. क्रिकब्लॉगर ने बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए दावा किया है कि राजीव शुक्ला जुलाई में ही रोजर बिन्नी की जगह ले सकते हैं और बोर्ड के अधिकारी पहले से ही उनके नाम पर चर्चा कर रहे हैं.

साल 2022 में बने थे बीसीसीआई अध्यक्ष

बता दें, रोजर बिन्नी ने 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभाला था. उन्होंने सौरव गांगुली को रिप्लेस किया था. वह 1983 में भारत की पहली वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी थे. उस टूर्नामेंट में उन्होंने सबसे ज्यादा 18 विकेट लिए थे, जिसने भारत को ऐतिहासिक खिताब दिलाने में मदद की. बिन्नी ने अपने कार्यकाल के दौरान कई अहम फैसले लिए, जिसमें भारतीय क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर मजबूत करना और प्रशासनिक सुधार शामिल हैं. हालांकि, उम्र सीमा के नियम के कारण अब उन्हें यह पद छोड़ना होगा. जिसके चलते राजीव शुक्ला को नया अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है.

भाला फेंक में भारत के नए स्टार सचिन यादव

1.24 मीटर से पाकिस्तान के नदीम को धूल चटाने से चूके

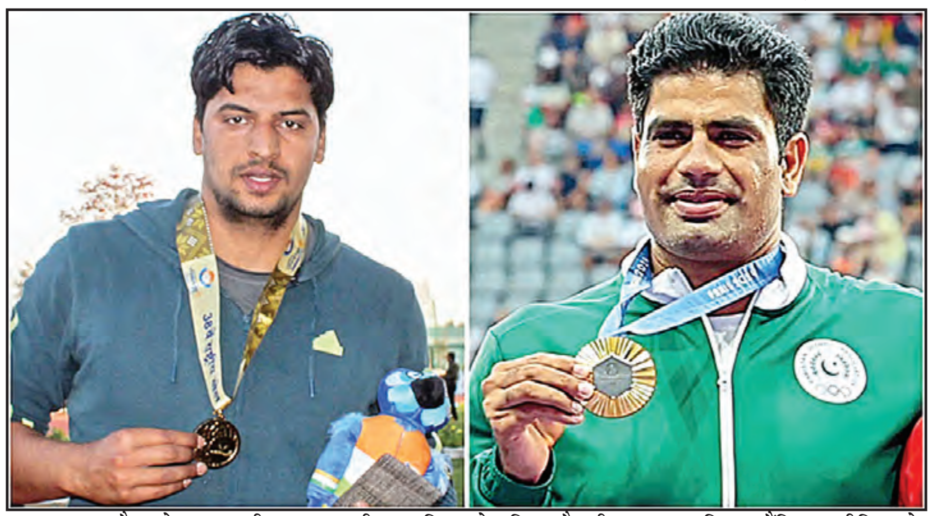

गुमी, 1 जून (एजेंसियां)। उभरते हुए भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कमाल कर दिया। उन्होंने दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक अपने नाम किया। 25 वर्षीय सचिन ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.16 मीटर तक भाला फेंका। वह मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 86.40 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश में बागपत के निकट खेकड़ा गांव के एक किसान परिवार में जन्में सचिन का इससे पहले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.39 मीटर था। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी यशवीर सिंह ने भी प्रभावित किया और 82.57 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया।

सचिन इससे पहले एनसी क्लासिक की तैयारी कर रहे थे, लेकिन उसके स्थगित होने से वह निराश हो गए। उन्हें इस खेल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा का फायदा उठाकर अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर करने की उम्मीद थी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण प्रतियोगिता को स्थगित किए जाने से पहले सुपरस्टार और मेजबान नीरज चोपड़ा और सचिन सहित कुल पांच भारतीयों को टूर्नामेंट के पहले सत्र में हिस्सा लेना था। बेंगलुरु में होने वाली इस प्रतियोगिता की नई तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है।

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों और कोच्चि में फेडरेशन कप राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले 25 वर्षीय सचिन ने बताया था कि वह एनसी क्लासिक में मजबूत प्रदर्शन के साथ इस साल होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करना चाहते थे। सचिन ने दक्षिण कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप के लिए रवाना होने से पहले कहा, 'मैं एनसी क्लासिक के लिए तैयारी कर रहा था। टूर्नामेंट में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को हिस्सा लेना था और जब आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं तो आप बेहतर प्रदर्शन करते हैं। मैं एनसी क्लासिक के दौरान विश्व चैंपियनशिप के क्वालिफाइंग स्तर को हासिल करने की उम्मीद कर रहा था, इसलिए मैं थोड़ा निराश हूं।'

दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर), 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता जर्मनी के थॉमस रोहलर (निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.90 मीटर), 2015 विश्व चैंपियन कीनिया के जूलियस येगो (निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 92.72 मीटर), अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के जेनकी डीन (निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.28 मीटर) को एनसी क्लासिक में हिस्सा लेना था। इस प्रतियोगिता में कुल 12 खिलाड़ियों को शिकरत करनी थी। टोक्यो में 13 से 21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप का स्वतः क्वालिफाइंग स्तर 85.50 मीटर है। सचिन गुमी में इसे पार करने से चूक गए। केवल दो बार ओलंपिक पदक जीतने वाले नीरज ने विश्व चैंपियनशिप की भाला फेंक स्पर्धा के लिए क्वालिफाई किया है। किशोर जेना और सचिन को इस आंकड़े को पार करना होगा, तभी वह विश्व चैंपियनशिप के लिए योग्य हो पाएंगे।

उत्तर प्रदेश के बागपत के पास खेकड़ा गांव के एक किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले आने वाले यादव एशियाई चैंपियनशिप के रूप में अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्हें नीरज के बाद पुरुषों की भाला फेंक में अगला बड़ा नाम माना जा रहा है। सचिन का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है अब 85.16 मीटर है। हालांकि, वह विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाने से निराश हैं। सचिन को भाला फेंक से उनके पड़ोसी संदीप यादव ने परिचित कराया था जिन्होंने बाद में उन्हें नई दिल्ली (जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एनसीओई में) में जाने-माने भाला फेंक कोच नवल सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेने की सलाह दी। वह खेल कोटे के तहत 2023 में उत्तर प्रदेश पुलिस में शामिल हुए। संदीप भी उत्तर प्रदेश पुलिस में हैं। सचिन ने कहा, 'नवल सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ने मेरी जिंदगी बदल दी। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इस मुकाम तक पहुंचूंगा। लेकिन संदीप भाई और गुरुजी (नवल सिंह) की वजह से ऐसा हुआ।'

विराट कोहली का अपमान! अब मुकेश कुमार को दी गई 18 नंबर की जर्सी

कैंटरबरी, 1 जून (एजेंसियां)। इंडिया ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट मैच के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. टीम इंडिया का एक खिलाड़ी 18 नंबर की जर्सी में नजर आए है, यह जर्सी नंबर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली से लंबे समय तक जुड़ा रहा है.

इंडिया ए की टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां वह इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 2 अनऑफिशियल टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है. इस दौरान भारत की सीनियर टीम भी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी. इस दौरे पर विराट कोहली टीम का हिस्सा नहीं होंगे. उन्होंने 18 ही में टेस्ट ने रिटायरमेंट लिया है. इसी बीच कैंटरबरी में खेले जा रहे अनऑफिशियल टेस्ट मैच में भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार 18 नंबर की जर्सी में नजर आए हैं, जिसने क्रिकेट फैंस के बीच एक नया विवाद खड़ा कर दिया है.

विराट की जगह ये खिलाड़ी पहनेगा 18 नंबर की जर्सी?

यह जर्सी नंबर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली से लंबे समय तक जुड़ा रहा है, और उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद इसके इस्तेमाल ने फैंस की भावनाओं को आहत किया है. सोशल मीडिया पर फैंस इस बात से नाराज हैं कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस जर्सी नंबर को इतनी जल्दी किसी और खिलाड़ी को दे दिया. कई फैंस का मानना है कि कोहली के योगदान को देखते हुए BCCI को 18 नंबर की जर्सी को टेस्ट क्रिकेट में रिटायर कर देना चाहिए. ऐसे में मुकेश कुमार को 18 नंबर की जर्सी में देखकर फैंस काफी नाराज हैं. हालांकि, मुकेश कुमार आगे भी 18 नंबर की जर्सी पहनेंगे या नहीं ये अभी तक काफी नहीं हो सका है.

कुछ फैंस का ये भी मानना है कि मुकेश कुमार ने विराट कोहली को ट्रिब्यूट देने के लिए 18 नंबर की जर्सी पहनी है. दूसरी ओर बीसीसीआई ने पहले भी कुछ दिग्गज खिलाड़ियों की जर्सी नंबर को रिटायर किया है. सचिन तेंडुलकर की 10 नंबर और महेंद्र सिंह धोनी की 7 नंबर की जर्सी को सभी फॉर्मेट में रिटायर किया गया है. लेकिन रोहित और विराट अभी भी वनडे फॉर्मेट का हिस्सा हैं, ऐसे में फिलहाल उनकी जर्सी को रिटायर करना मुश्किल है.

18 नंबर की जर्सी से विराट का रिश्ता

विराट कोहली का 18 नंबर की जर्सी के साथ गहरा निजी और पेशेवर रिश्ता रहा है. यह नंबर उनके लिए सिर्फ एक संख्या नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी के महत्वपूर्ण पड़ावों का प्रतीक है.

कोहली ने 18 अगस्त को अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी, और उनके पिता का निधन 18 दिसंबर, 2006 को हुआ था. इस वजह से यह नंबर उनके लिए भावनात्मक रूप से खास है.

रोहित-विराट के बाद कोच सोहम देसाई का टीम इंडिया के साथ खत्म हुआ सफर

मुंबई, 1 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ बड़ी सीरीज से पहले टीम इंडिया से एक और दिग्गज का सफर खत्म हो गया है। हम बात कर हैं खिलाड़ियों को फिट रखने और उनको मजबूत बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाने वाले सोहम देसाई की, जो भारतीय टीम से अलग हो गए हैं। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के साथ इस बात का खुलासा किया है।

सोहम देसाई की बात करें तो वे रवि शास्त्री के दौर से ही भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कई कोचिंग स्टाफ के साथ काम किया है और टीम की फिटनेस में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने एक इमोशनल पोस्ट के साथ टीम इंडिया के साथ अपने सफर को याद किया और इस दौरान पूर्व कोच रवि शास्त्री और विराट कोहली से मिले सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा द्वारा दिखाए गए भरोसे को भी स्वीकार किया।

पिछले महीने भारतीय टीम में बड़े पैमाने पर बदलाव के बाद ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि उनकी भी टीम से विदाई होगी और बाद में ऐसा ही हुआ। इन बदलावों में विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास के साथ असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर, फील्डिंग कोच टी दिलीप और एक मालिश करने वाले को पद से हटाना भी शामिल है।

दिलचस्प बात यह है कि बीसीसीआई ने रोहित शर्मा की वजह से दिलीप को फिर से बहाल कर दिया है। हालांकि सोहम देसाई के रहते भारत ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की, लेकिन कथित तौर पर ऑस्ट्रेलिया में टीम की पिछली टेस्ट सीरीज की हार के की वजह से टीम में कई बदलाव किए गए।

पैरों ने नहीं दिया साथ, काशी की बेटी ने रचा इतिहास; कोरिया में जीता कांस्य

वाराणसी, 1 जून (एजेंसियां)। वाराणसी के मानस नगर एक्सटेंशन की रहने वाली सुमेधा पाठक ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने यह सफलता दक्षिण कोरिया में आयोजित वर्ल्ड पैरा निशानेबाजी में कांस्य पर निशाना साधा है।

उनके पिता बृजेश कुमार पाठक ने बताया कि सुमेधा अबतक 10 मीटर शूटिंग में 15 पदक जीत चुकी है। सुमेधा को दसवीं तक उन्हें कोई दिक्कत नहीं थी। वह सामान्य छात्रों की तरह खेलती और पढ़ती थी।

इसके बाद 10 मीटर एयर पिस्टल में अभ्यास शुरू किया। 2018 में प्री-स्टेट शूटिंग में स्वर्ण जीतकर शानदार जगह बनाई। स्टेट प्रतियोगिता के बाद मद्रास में जीवी मावलंकर प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। 2021 में दूसरे पैरा नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

तीसरे और चौथे पैरा नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण जीत कर काशी का मान बढ़ाया। 2022 में फ्रांस के सेटूरेक्स वर्ल्ड कप और कोरिया में टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। 2023 में चीन में एशियन गेम्स की शूटिंग प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची और सातवां स्थान हासिल किया।

बीमारी भी नहीं रोक सकी राह

10वीं की पढ़ाई के दौरान 2013 में सुमेधा को मल्टी ड्रग ट्यूबरक्लॉसिस बीमारी ने अटैक किया। शरीर के निचले हिस्से में कमर से लेकर पैरों तक ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद से सुमेधा का संघर्ष शुरू हो गया। परिवार ने भी हौसला बढ़ाया और उन्होंने शूटिंग करने का फैसला किया।

पेरिस में आगजनी और पुलिस पर हमला

पीएसजी के पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतने पर फैंस ने मचाया उत्पात

पेरिस, 1 जून (एजेंसियां)। फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया है। मुकाबले में पीएसजी ने इटैलियन क्लब इंटर मिलान को 5-0 से रौंद दिया। यह पीएसजी का पहला चैंपियंस लीग खिताब है और इसके बाद पेरिस में जश्न मनाने के लिए लोग सड़कों पर आ गए। पेरिस में जश्न मनाने को लेकर खूब बवाल हुआ और पुलिस को मामले को शांत कराना पड़ा। इसके कई वीडियोज भी सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फैंस ने पुलिस पर हमला भी किया। गाड़ियों में भी आग लगाई और जमकर बवाल काटा।

जर्मनी के म्यूनिख के एलियांज अरेना में खेले गए फाइनल में पीएसजी ने एकतरफा अंदाज में मैच जीता। टीम ने 12वें मिनट में अशरफ हकीमी के गोल से बढ़त बना ली थी। इसके बाद डेआईरी डूआय ने 20वें मिनट में गोल दाग पीएसजी को 2-0 से बढ़त दिला दी। हाफ टाइम तक पीएसजी 2-0 से आगे थी। इसके बाद 63वें मिनट में डेआईरी ने मैच में अपना दूसरा और पीएसजी का तीसरा गोल दागा। फिर ख्विचा क्वारातखेलिया ने 73वें मिनट और सेनी मयूलू ने 86वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को 5-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद इंटर मिलान के लिए वापसी करना नामुमकिन था। इस तरह पीएसजी ने अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब जीता।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ की गीदड़भभकी

भारत से मेजबानी छीनने की मांग करने की दी धमकी

कराची, 1 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) का कहना है कि अगर भारत में होने वाले हॉकी एशिया कप के लिए उसके राष्ट्रीय टीम को वीजा मिलने की गांरटी नहीं दी जाती है तो वह इस टूर्नामेंट को भारत से बाहर आयोजित करने की मांग करेगा। मालूम हो कि हॉकी एशिया कप का आयोजन इस साल अगस्त-सितंबर में भारत में होना है। यह टूर्नामेंट काफी अहम है क्योंकि इसके विजेता को गले साल यूरोप में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफिकेशन मिलेगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से तनाव चल रहा है। इसी के बीच पीएचएफ ने गीदड़भभकी दी है। पीएचएफ के प्रवक्ता का कहना है कि महासंघ अपनी टीम को टूर्नामेंट में भेजने पर तभी विचार करेगा जब एशियाई हॉकी महासंघ और स्थानीय आयोजक वीजा जारी करने का लिखित आश्वासन देंगे। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद अगर वीजा की गारंटी दी जाती है तो हम भारत में खेलने की मंजूरी के लिए अपनी सरकार से संपर्क करेंगे। हमारी सरकार द्वारा जो भी निर्देश दिए जाएंगे हम उनका पालन करेंगे, लेकिन पाकिस्तान की नीति हमेशा से खेल और राजनीति को अलग रखने की रही है।

पीएचएफ ने खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भी चिंता जताई और कहा कि सभी भाग लेने वाली टीमों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मेजबान देश की जिम्मेदारी है। पाकिस्तान हॉकी टीम पिछले दो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है। टीम पिछले हॉकी विश्व कप में भी जगह बनाने से चूक गई थी।

सिनर ने ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वां मैच जीता, जोकोविच-ज्वेरेव और गॉफ-कीज भी चौथे दौर में पहुंचे

पेरिस, 1 जून (एजेंसियां)। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर ने फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में अपना दबदबा कायम करते हुए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को एकतरफा मुकाबले में 6-0, 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। इटली के सिनर ने 23 साल के लेहेका को एक घंटे 34 मिनट में हराकर इस सत्र की सबसे तेज जीत दर्ज की। यह ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में उनकी लगातार 17वीं जीत रही। इसके अलावा सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच, जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव भी पुरुषों में चौथे दौर में जगह बनाने में कामयाब रहे। वहीं, महिला एकल में कोको गॉफ, मेडिसन कीज और आंद्रीवा भी अगले दौर में जगह बनाने में कामयाब रहीं। पाउला बडोसा को हालांकि, उलटफेर का शिकार होना पड़ा।

सिनर ने विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी पर जीत दर्ज करने के बाद कहा, 'हम सुधार करने की कोशिश करते हैं लेकिन इस परिणाम के बाद मुझे नहीं लगता कि ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनमें मैं सुधार कर सकता हूं।' पुरुष एकल में अन्य नतीजों में छठी वरीयता प्राप्त जोकोविच ने मिसोलिच को लगातार सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हरा दिया। कैमरन नॉरी ने जैकब फर्नले को 6-3, 7-6, 6-2 से हरा दिया। बुबलिक ने रोचा को 7-5, 6-1, 6-2 से हरा दिया। पांचवीं वरीयता प्राप्त जेक ड्रेपर ने फोनसेस्का को 6-2, 6-4, 6-2 से और तीसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने कोबोली को 6-2, 7-6, 6-1 से हरा दिया। रुबलेव को वॉकओवर मिला क्योंकि फिल्स फिट नहीं थे।

वहीं, महिलाओं में दूसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने बूजकोवा को 6-1, 7-6 से हरा दिया। सातवीं वरीयता प्राप्त मेडिसन कीज ने सोफिया केनिन 4-6, 6-3, 7-5 से हरा दिया। बपतिस्ते ने बूजस को 7-6, 6-1 से हरा दिया। वहीं, एलेक्जेंड्रोवा ने कुदरमेतोवा को 6-2, 6-2 से हरा दिया। बोयसन ने जेकमोट को 6-3, 0-6, 7-5 से हरा दिया। वहीं, तीसरी वरीयता प्राप्त पेगुला को वोंद्रोसोवा को 6-3, 4-6, 6-2 से हरा दिया। छठी वरीयता प्राप्त आंद्रीवा ने पुतिनसेवा को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं, 10वीं वरीयता प्राप्त बडोसा को 17वीं वरयीता प्राप्त कसातकिना ने 6-1, 7-5 से हरा दिया।

बालाजी और रेयेस-वारेला फ्रेंच ओपन से बाहर

भारत के एन श्रीराम बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल रेयेस-वारेला का फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम में सफर इटली के चौथी वरीयता प्राप्त सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावस्सोरी की जोड़ी से दूसरे दौर में मिली हार के साथ समाप्त हो गया। बालाजी और रेयेस-वारेला एक घंटे 24 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में 3-6, 4-6 से पराजित हो गए। बालाजी का ग्रैंडस्लैम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल इस टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचना है। भारत के अन्य दावेदार प्रतियोगिता में बने हुए हैं जिसमें युकी भांबरी और रोहन बोपन्ना अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।

'वह बहुत मजबूत और संतुलित टीम है'

शिखर धवन ने चुनी आईपीएल 2025 की विनर टीम

मुंबई, 1 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का कारवां अब आखिरी पड़ाव पर है, जहां रविवार को फाइनल के लिए मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच मुकाबला होगा। रजत पाटीदार की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहले ही पंजाब को हराकर फाइनल में जगह पक्की कर चुकी है। मुंबई-पंजाब के बीच दूसरा क्वालीफायर मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच से पहले टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने बड़ी भविष्यवाणी की है।

आईपीएल 2025 की विनर टीम के रूप में मुंबई इंडियंस को चुना है। उन्होंने कहा कि मुंबई इस समय काफी संतुलित और मजबूत टीम नजर आ रही है, जिसने सही समय पर स्पीड पकड़ी है। धवन ने कहा, 'मैं मुंबई इंडियंस के साथ हूं जिस तरह से उन्होंने स्पीड पकड़ी है, वह शानदार है। वे बहुत मजबूत और संतुलित टीम हैं। उनके इस बयान ने कई लोगों को चौंका दिया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे काफी साल तक पंजाब के लिए खेले हैं, जिसके बाद फैंस उनसे पंजाब पर दांव लगाने की उम्मीद कर रहे थे। धवन ने 2022 से 2024 तक पंजाब किंग्स के लिए 17 मैचों में टीम की अगुवाई की। हालांकि नतीजे उनके पक्ष में नहीं रहे, जहां उनके कप्तान रहते पंजाब ने सिर्फ छह मैचों में ही जीत दर्ज की। इस दौरान वह चोटिल हो गए, जिसके बाद उन्होंने कई मैच मिस किए। उनके रहते पंजाब की टीम बेशक प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा।

तेलंगाना के सभी सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में आज से स्लॉट बुकिंग शुरू : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि राज्य सरकार सोमवार 2 जून से तेलंगाना के सभी सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्लॉट बुकिंग सिस्टम लागू करके नागरिकों के लिए बेहतर और अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल सेवाएं शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य भर के 144 सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में से 47 स्थानों पर दो चरणों में स्लॉट बुकिंग सिस्टम का परीक्षण किया गया है और 2 जून से इसे शेष 97 सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में शुरू किया जाएगा। रविवार को स्टाम्प और पंजीकरण के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने उल्लेख किया कि स्लॉट बुकिंग सिस्टम को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त तरीके से सेवाएं प्रदान करते हुए संपत्ति खरीदारों और विक्रेताओं के लिए प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। उन्होंने बताया कि इस पहल को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और 94 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं ने

अपनी संतुष्टि व्यक्त की है। उन्होंने कहा, 10 अप्रैल से शुरू हुए शुरूआती चरण में 22 उप-पंजीयक कार्यालयों में कुल 30,592 दस्तावेज दर्ज किए गए हैं। इसके बाद 12 मई से शुरू हुए दूसरे चरण में 25 उप-पंजीयक कार्यालयों में 14,099 दस्तावेज पंजीकृत किए गए, जिससे कुल मिलाकर 45,191 दस्तावेज पंजीकृत हो गए। स्लॉट बुकिंग सिस्टम के लॉन्च होने के साथ ही तेलंगाना में 3,000 से ज़्यादा दस्तावेज पंजीकृत हो चुके हैं। पोंगुलेटी ने कहा, सरकार ऐसे फ़ैसले ले रही है और लागू कर रही है जो लोगों के विचारों, राय और इच्छाओं को दर्शाते हैं। इस सरकार का मुख्य उद्देश्य अपने नागरिकों को संतोषजनक सेवाएं प्रदान करना है। मंत्री ने आगे बताया कि अब सभी उप-पंजीयक कार्यालयों के पास स्लॉट बुकिंग प्रणाली के साथ-साथ एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एकीकृत चैटबॉट तक पहुंच है, जो व्हाट्सएप नंबर मेधा 82476 23578 के माध्यम से उपलब्ध है। उन्होंने उल्लेख किया कि नई प्रक्रिया का उद्देश्य पंजीकरण करने वाले व्यक्तियों की चिंताओं को कम करना है, साथ ही पंजीकरण कार्यालयों के स्थान, उपलब्ध स्लॉट के बारे में विवरण और समय की उपलब्धता जैसी जानकारी भी प्रदान करना है। पोंगुलेटी ने कहा कि मेधा नामक एआई चैटबॉट के साथ, उपयोगकर्ता उपहार विलेखों, बिक्री विलेखों, बाजार मूल्यों और अधिक के लिए पंजीकरण शुल्क सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पूरे तेलंगाना राज्य में स्लॉट बुकिंग शुरू की जा रही है, इसलिए अधिकारियों को किसी भी तकनीकी समस्या को रोकने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मंत्री ने यह भी कहा कि स्लॉट बुकिंग के साथ पंजीकरण प्रक्रिया को और तेज करने के लिए आधार ई-हस्ताक्षर शुरू किया जा रहा है। इस सुविधा का परीक्षण वर्तमान में निजामाबाद जिले के अरमुर और खम्मम जिले के कुसुमांची उप-पंजीयक कार्यालयों में किया जा रहा है, तथा निकट भविष्य में इसे पूरे तेलंगाना राज्य में व्यापक रूप से लागू करने की योजना है।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की सफलता पर जूपल्ली ने जताई खुशी

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता-2025 की शानदार सफलता पर खुशी जताई है। उन्होंने इस प्रतियोगिता की शानदार सफलता में योगदान देने वाले सभी लोगों का दिल से आभार जताया है। रविवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में मंत्री ने मिस वर्ल्ड संगठन, दुनिया भर से आए प्रतिभागियों, अधिकारियों और सभी प्रतिनिधियों की विशेष सराहना की, जिन्होंने इस प्रतियोगिता को सौंदर्य, संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय सद्भाव का यादगार उत्सव बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मिस वर्ल्ड 2025 की विजेता को भी बधाई दी और प्रतियोगिता के दौरान उनकी उल्लेखनीय शिष्टता, प्रतिभा और प्रेरक उपस्थिति की सराहना की। जूपल्ली कृष्ण राव ने पर्दे के पीछे की सभी टीमों, विभागों और समर्थकों को उनके समर्पण और निर्बाध समन्वय के लिए धन्यवाद दिया।

मंदा कृष्ण मदिगा ने सीएम रेवंत से मुलाकात की

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और मादिगा आरक्षण पोराटा समिति के संस्थापक अध्यक्ष, मंदा कृष्ण मदिगा ने रविवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर, रेवंत रेड्डी ने मंदा कृष्ण मदिगा को हार्दिक बधाई दी, जिन्हें हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार मिला है। इसके बाद, रेवंत रेड्डी ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। इसी तरह, मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय और अनुसूचित जातियों (एससी) के वर्गीकरण के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए मंदा कृष्ण की सराहना की। दोनों नेताओं ने एमआरपीएस आंदोलन के महत्वपूर्ण क्षणों पर विचार किया, सामने आई चुनौतियों, उनके पिछले अनुभवों और एससी वर्गीकरण की समग्र यात्रा पर चर्चा की।

मादक पदार्थ बेचने वाले दो गिरफ्तार, 1.6 किलोग्राम गांजा जब्त

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के कमिश्नर टास्क फोर्स, उत्तरी क्षेत्र टीम के अधिकारियों ने मारेडपल्ली और गांधीनगर पुलिस स्टेशन के साथ मिलकर दो गांजा बेचने वालों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बंदाल गणपति लखन उर्फ चिन्ना और जेरिपोथुला तेजा उर्फ निखिल हैं। इनके पास से 1.6 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है। पुलिस उपायुक्त, टास्क फोर्स, हैदराबाद शहर, वाई.वी.एस.सुधींद्र ने बताया कि बांधल गणपति लखन उर्फ चिन्ना, निवासी रिसाला बाजार, एयरफोर्स गेट, फेज-I अलवाल सिकंदराबाद, जेरिपोथुला तेजा उर्फ निखिल, निवासी चाचानगर, बंसीलालपेट, सिकंदराबाद गांजा कारोबार में लगे हुए थे। इस मामले में मुख्य गांजा आपूर्तिकर्ता शब्बीर निवासी नागपुर, गुड्डू निवासी नागपुर फरार है। उन्होंने बताया कि बंधल गणपति लखन उर्फ चिन्ना रिसाला बाजार,

एयरफोर्स गेट, फेज 1, अलवल का निवासी है और वह अपनी आजीविका के लिए इलेक्ट्रिकल का काम करता था। उसे अपने खर्चों के लिए पर्याप्त पैसे नहीं मिलते थे और उसने आसानी से पैसा कमाने के लिए गांजा बेचने की योजना बनाई। उसने अपनी योजना अपने दोस्त जेरिपोथुला तेजा उर्फ निखिल निवासी चाचानगर, बंसीलालपेट, सिकंदराबाद को बताई। तेजा ने लखन को 20,000 रुपये की रकम का इंतजाम किया और गांजा खरीदने और लाने को कहा। लखन ने नागपुर जाकर शब्बीर और गुड्डू से गांजा खरीदा है। हैदराबाद लौटने के बाद उसने तेजा को उसके हिस्से के रूप में 1/2 किलोग्राम गांजा दिया, बाकी को बेचने के लिए अपने पास रख लिया। 30 मई को विश्वसनीय सूचना पर आरोपी जेरिपोथुला तेजा उर्फ निखिल को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पास से 1/2 किलोग्राम गांजा जब्त कर लिया गया। आगे प्रयास किए गए और 31 मई को जुबली बस स्टेशन, सिकंदराबाद के पास गांजा ले जाते समय बंदाल गणपति लखन उर्फ चिन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पास से 1.1 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। आगे की कार्रवाई के लिए दोनों को संबंधित पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। गिरफ्तारी की कार्रवाई टास्क फोर्स के पुलिस इंस्पेक्टर पी.राघवेंद्र, मारेडपल्ली पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर एन.वेंकटेश, गांधीनगर पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर एन.बोस किरण और उत्तरी क्षेत्र टास्क फोर्स के एसआई सी.राघवेंद्र रेड्डी, श्रीनिवासुलु दासू और पी. ज्ञानदीप द्वारा की गई।

खाद्य निरीक्षक की नौकरी दिलाने के नाम पर ठगने वाला जालसाज गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर उत्तरी क्षेत्र टीम आयुक्त टास्क फोर्स के अधिकारियों ने तिरूमलगिरी पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर एक धोखेबाज को गिरफ्तार किया, जिसने निर्दोष लोगों को छावनी बोर्ड में नौकरी दिलाने का झूठा वादा कर ठगा था। गिरफ्तार आरोपी आरोपी कोल्लापुरम श्रवण कुमार, बापूजीनगर, बोइनपल्ली, सिकंदराबाद का रहने वाला है। उसे खिलाफ तेलंगाना के कई पुलिस थाने में ठगी के मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद शहर वाई.वी.एस.सुधींद्र ने बताया कि आरोपी कोल्लापुरम श्रवण कुमार बोइनपल्ली का निवासी है। कोई नौकरी नहीं करता है, लेकिन वह एक अपराधी बन गया है और नौकरी की चाहत रखने वाले भोले-भाले लोगों को धोखा देता है। उनसे रकम वसूलता है और उसके बाद उन्हें टालता है, उनके फोन कॉल का जवाब नहीं देता है, न ही उनकी रकम वापस करता है। इससे पहले वर्ष 2019 और 2024 में वह (6) ऐसे ही मामलों में शामिल था, जिसमें उसे गिरफ्तार किया गया था। वर्ष 2024 में वह बेगमपेट पीएस के एक ऐसे ही मामले में शामिल था और तब से फरार पाया गया। उसके बाद, उसने बोइनपल्ली, बेगमपेट पीएस की सीमाओं में इसी तरह की धोखाधड़ी की। बीते 14 सितंबर 2024 को उसने श्रीलेखा से खाद्य जांच निरीक्षक और चुनाव वरिष्ठ, रक्षा मंत्रालय के रूप में छावनी बोर्ड में नौकरी दिलाने का झूठा वादा करके 22 हजार रुपये लिए। संभवतः बोइनपल्ली पुलिस थाने क्षेत्र के रहने वाले से पवन से 35 हजार, बेगमपेट पुलिस थाने के रहने वाले श्रीनिवास से 20 हजार और विशाल से 32 हजार तथा वेमुलावाड़ा पुलिस थाने के साई कृष्णा से 50 हजार तथा अन्य लोगों से कैंटोनमेंट बोर्ड में खाद्य निरीक्षक की नौकरी दिलाने का वादा करके ठगी की। आरोपी की पी.राघवेंद्र, पुलिस निरीक्षक, टास्क फोर्स, जी.नागराजू, पुलिस निरीक्षक, तिरूमलगिरी पुलिस थाने, उत्तरी क्षेत्र टास्क फोर्स के एसआई आदि द्वारा गिरफ्तारी की गई।

बिहार के दो ड्रग तस्कर गांजा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नचाराम पुलिस ने शनिवार को दो ड्रग तस्करों को पकड़कर उनके पास से 60 ग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में टुनटुन कुमार शर्मा (20) और बिंदेश्वरी शर्मा (47) शामिल हैं, जो बिहार के मूल निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, पिछले तीन महीनों से दोनों बिहार के अक्षय कुमार नामक व्यक्ति से गांजा खरीदकर नाचारम में स्थानीय ग्राहकों को खुदरा में बेच रहे थे। सूचना मिलने पर उसे पकड़ लिया गया। दोनों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया।

पाकिस्तानी पति ने हैदराबादी महिला को दिया धोखा

खाड़ी में कष्ट सहने के बाद घर लौटी महिला

दुबई, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पाकिस्तानी पति द्वारा धोखा दिए जाने के बाद खाड़ी देश में फंसी एक हैदराबादी महिला घर लौट आई है। इससे पहले, उनकी जिंदगी एक मोबाइल नंबर के इर्द-गिर्द घूमती थी, जो अबू-धाबी में उनके पति से संपर्क करने का एकमात्र जरिया था, लेकिन वह बंद था, जिससे वह बेखबर और असहाय थीं। हैदराबाद के दोमलागुडा की रहने वाली 22 वर्षीय महिला के माता-पिता की मृत्यु हो गई थी और वह विजिट वीजा पर यूएई पहुंची थी और अबू-धाबी में एक सुपरमार्केट में काम करती थी। वहां उसकी दोस्ती एक 30 वर्षीय पाकिस्तानी व्यक्ति से हुई। महिला के अनुसार, उसने कथित तौर पर उसे नियमित वीजा दिलाने का वादा किया और उसे प्रपोज भी किया। उन्होंने शादी कर ली और अबू-धाबी कोर्ट ने शादी को औपचारिक रूप दिया।

कुछ महीनों के बाद, जब वह गर्भवती हुई तो उसके पति ने उसे अपने परिवार से मिलने और नियमित वीज़ा पर जल्द ही वापस लौटने के लिए हैदराबाद भेज दिया। हालांकि, उसके बाद वह संपर्क से दूर हो गया, जबकि हाल ही में भारत-पाक सीमा पर तनाव के कारण आने वाले बच्चे के भविष्य को लेकर उसकी चिंताएं और बढ़ गईं। उसने आरोप लगाया कि उसके पति ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया और फिर भारतीय नंबरों के लिए डायलिंग कोड भी ब्लॉक कर दिया, जिससे उसके लिए उस तक पहुंचना असंभव हो गया।

हालांकि, कई प्रयासों के बाद, वह आखिरकार उससे बात करने में सफल रही और उसने उसे कतर पहुंचने के लिए कहा। उस पर विश्वास करते हुए, वह दोहा पहुंची लेकिन पाया कि वह फिर से संपर्क से बाहर हो गया था। घबराकर, उसने अपने पति से मिलने के लिए यूएई जाने के लिए कतर में मदद मांगना शुरू कर दिया। हालांकि, उसका कतर वीज़ा, जो 48 घंटे के लिए था, समाप्त होने वाला था और गर्भावस्था के 36वें सप्ताह में पहुंचने के साथ, उसकी हवाई यात्रा भी एक समस्या बन गई। विजिट वीजा पर नवजात शिशु के साथ कठोर नियमों और पति के विवरण के बिना वित्तीय चिंताओं को महसूस करने के बाद, उन्होंने अंततः कतर में भारतीय दूतावास की मदद से घर लौटने का फैसला किया और शुक्रवार को हैदराबाद पहुंच गईं।

जेएनटीयू हैदराबाद 92,000 से अधिक डिग्री, प्रदान करेगा 74 स्वर्ण पदक

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू)- हैदराबाद 3 जून को निर्धारित अपने तेरहवें दीक्षांत समारोह के दौरान अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर टीजी सीताराम को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान करेगा। समारोह के दौरान, मेधावी छात्रों को 74 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के दौरान सफल विद्यार्थियों को 77,559 स्नातक, 13,063 स्नातकोत्तर, 950 डॉक्टर ऑफ फार्मेसी, 305 डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी और 241 अन्य डिग्रियां कुल 92,118 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।

रविवार को विश्वविद्यालय परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए जेएनटीयू-हैदराबाद के कुलपति प्रो.टी किशन कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, जो जेएनटीयू-हैदराबाद के कुलाधिपति भी हैं, दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे और प्रो. सीताराम दीक्षांत भाषण देंगे। प्रोफेसर रेड्डी ने कहा कि विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम और सभी यूजी और पीजी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को आर25 विनियमों के रूप में संशोधित करने की प्रक्रिया में है, जो शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू होगा। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम संशोधन का मुख्य उद्देश्य उद्योग की जरूरत के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार करना है, जिससे रोजगार योग्यता कौशल में वृद्धि होगी।

प्रोफेसर रेड्डी ने कहा कि यूजी, पीजी और आईडीपी कार्यक्रमों की सभी शाखाओं में कैंपस प्लेसमेंट उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए कैंपस इंटरव्यू के दौरान जेएनटीयू-हैदराबाद विश्वविद्यालय के कॉलेजों/इकाइयों के कुल 791 छात्रों को प्लेसमेंट मिला है।

आरक्षण की लड़ाई में तेलंगाना जागृति के साथ शामिल होगा यूनाइटेड फुले फ्रंट पिछड़ा वर्ग

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछड़ा वर्ग आरक्षण में वृद्धि के कार्यान्वयन के लिए एकीकृत लड़ाई के प्रयासों के तहत यूनाइटेड फुले फ्रंट (यूपीएफ) अब तेलंगाना जागृति के एक सहयोगी के रूप में काम करेगा। बीआरएस एमएलसी के. कविता ने रविवार को अपने कार्यालय में तेलंगाना जागृति और यूपीएफ नेताओं की एक संयुक्त बैठक के बाद यह घोषणा की। यूपीएफ की एक नई कार्यकारी समिति का गठन किया गया, जिसमें बोल्ला शिवशंकर को संयोजक, अलकुंता हरि को संयोजक और गट्टू रामचंद्र राव को सलाहकार के साथ 50 सह-

संयोजकों के साथ नियुक्त किया गया।

कविता ने याद दिलाया कि तेलंगाना जागृति और यूपीएफ के निरंतर संयुक्त आंदोलनों के माध्यम से ही कांग्रेस सरकार पर स्थानीय निकायों, शिक्षा और रोजगार में 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण लागू करने के लिए दबाव डाला गया था। हालांकि, उन्होंने केंद्र की एनडीए सरकार और राज्य की कांग्रेस सरकार पर जानबूझकर विधेयकों के क्रियान्वयन में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे विधेयकों को ठंडे बस्ते में डालना चाहते हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे।

यूपीएफ के संयोजक शिवशंकर ने कहा कि दोनों संगठन दोनों सरकारों की कथित साजिश को उजागर करने के लिए एक जन जागरूकता अभियान शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी बी.सी. समुदायों को एकजुट करेंगे और इस लड़ाई को आगे ले जाएंगे।

सरकार आज से किसानों को बीज वितरित करेगी : तुम्मला

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के किसानों को खुशखबरी मिली है, क्योंकि राज्य सरकार राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार, 2 जून को बीज वितरित करना शुरू करने जा रही है।

रविवार को जारी एक बयान में, कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने घोषणा की कि पांच अलग-अलग फसलों के बीज चुनिंदा किसानों को दिए जाएंगे, जिससे लगभग 11,000 गांवों के लगभग 40,000 लोगों को लाभ होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वितरण की निगरानी संबंधित क्षेत्रों के मंत्री और निर्वाचित प्रतिनिधि करेंगे। मंत्री ने अधिकारियों को सुचारू वितरण प्रक्रिया सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है, ताकि किसानों को कोई परेशानी न हो।

हरीश राव ने बीआरएस कार्यकर्ता के परिवार को सौंपी 5 लाख रुपये की सहायता

निरंतर समर्थन का दिया आश्वासन

सिद्दीपेट, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने बीआरएस पार्टी कार्यकर्ता चकली कनकैया (35) की विधवा को 5 लाख रुपये का चेक सौंपा, जिनकी 27 अप्रैल को एलकाथुर्थी में आयोजित बीआरएस रजत जयंती समारोह में भाग लेने के बाद अपने घर लौटते समय सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। कनकैया के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियाँ हैं। हरीश राव ने रविवार को वारगल मंडल के थुनकी माक्था में कनकैया के घर का दौरा किया।

राव ने कहा कि बीआरएस पार्टी हमेशा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी रहेगी। परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हुए उन्होंने कहा कि वे सुनिश्चित करेंगे कि दोनों बच्चों का दाखिला सरकारी आवासीय विद्यालयों में हो। पूर्व मंत्री ने कहा कि वे पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के निर्देश पर चेक सौंप रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद वे आगे भी समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि जब भी परिवार को किसी तरह की मदद की जरूरत होगी, स्थानीय बीआरएस नेता हरसंभव मदद करेंगे।

श्रीशैलम बांध को 30,000 क्युसेक से अधिक प्राप्त हुआ पानी

जल वर्ष 2025-26 के पहले दिन बड़ी उपलब्धि, किसानों की उम्मीदें बढ़ीं

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा नदी बेसिन ने 2025-2026 जल वर्ष की शानदार शुरुआत की है, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त परियोजना श्रीशैलम बांध में पहले दिन (रविवार को) 30,000 क्युसेक से अधिक पानी का प्रभावशाली प्रवाह हुआ। महाराष्ट्र और कर्नाटक के ऊपरी इलाकों में व्यापक वर्षा से प्रेरित इस प्रवाह ने दोनों राज्यों के किसानों के चेहरे पर खुशी ला दी है।

पिछले तीन दिनों से श्रीशैलम बांध में लगातार बाढ़ का प्रवाह जारी है, जिसका स्तर दो दिन पहले एक लाख क्युसेक के करीब पहुंच गया था। सिंचाई

अधिकारियों के अनुसार, पिछले जल वर्ष (2024-2025) के आखिरी तीन दिनों में बांध में लगभग 15 (टीएमसी) पानी आया है, जो हाल के इतिहास में एक दुर्लभ घटना है। इस पर्याप्त प्रवाह ने जलाशय के लाइव स्टोरेज को बढ़ाने में मदद की, जिससे तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की कृषि और पेयजल जरूरतों को बहुत राहत मिली।

सिंचाई विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'श्रीशैलम में शुरुआती और मजबूत प्रवाह जल वर्ष के लिए एक आशाजनक संकेत है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में भारी बारिश ने कृष्णा नदी और उसकी सहायक नदियों को उफान पर ला दिया है, जिससे बांध में लगातार प्रवाह सुनिश्चित हुआ है। यह एक दुर्लभ और स्वागत योग्य घटना है, खासकर अनियमित मानसून के कारण वर्षों से उतार-चढ़ाव वाले प्रवाह के बाद।' बेसिन की दोनों अपस्ट्रीम परियोजनाओं, जुराला और तुंगभद्रा में भी अच्छा जल प्रवाह हो रहा है और वे प्रतिदिन पांच से छह टीएमसी जल का योगदान दे रही हैं, जिससे श्रीशैलम परियोजना के भंडारण में वृद्धि हो रही है।

पास्तापुर में एक व्यक्ति की मौत, दूसरा घायल

संगारेड्डी, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह जहीराबाद कस्बे के पास पास्तापुर में एनएच-65 फ्लाईओवर से एक लॉरी सर्विस रोड पर गिर गई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

घायलों को इलाज के लिए जहीराबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सर्विस रोड पर कोई नहीं चल रहा था, इसलिए बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जल निकासी कार्य जारी रहने के कारण मलकपेट में यातायात डायवर्जन

हैदराबाद, 1 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद यातायात पुलिस ने कहा कि मलकपेट में अकबर प्लाजा बिल्डिंग के पास चल रहे ड्रेनेज पाइपलाइन कार्य के मद्देनजर लगाया गया यातायात डायवर्जन सोमवार को सुबह 8 बजे तक जारी रहेगा। एक प्रेस विज्ञप्ति में, यातायात पुलिस ने कहा कि एमजीबीएस और चदरघाट ब्रिज से आने वाले यातायात को चदरघाट एक्स रोड और मलकपेट की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसी तरह, कोटी और रंगमहल से चदरघाट के माध्यम से आने वाले यातायात को चदरघाट रोटरी, चदरघाट छोटा ब्रिज और मलकपेट की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यातायात डायवर्जन मार्ग :

एमजीबीएस निकास द्वार से आने वाली और विजयवाड़ा, सूर्यपेट, नलगोंडा, खम्मम की ओर जाने वाली आरटीसी बसों के यातायात को चदरघाट रोटरी पर चदरघाट एक्स रोड्स- निम्बोलियाअड्डा- अंबरपेट नए फ्लाईओवर- रमनथपुर- उप्पल- एलबी नगर, विजयवाड़ा राजमार्ग की ओर मोड़ दिया जाएगा और कलवाकुर्ती, देवरकोंडा, श्रीशैलम जाने वाली बसों को भी उसी मार्ग से मोड़ दिया जाएगा। दिलसुखनगर, एलबी नगर, साईबाबाद, इब्राहिमपटनम की ओर जाने वाली सिटी आरटीसी बसों को चदरघाट एक्स रोड, निम्बोलिअड्डा, 6 नंबर जंक्शन, न्यू गोलनाका ब्रिज, मूसारामबाग आरटीए, मूसारामबाग एक्स रोड, दिलसुखनगर की ओर बाएं मुड़ने और नलगोंडा एक्स रोड, चंचलगुडा, सैदाबाद, आईएस सदन की ओर दाएं मुड़ने पर डायवर्ट किया जाएगा।

यातायात पुलिस ने बताया कि यातायात परिवर्तन के दौरान एमजे मार्केट, कोटी, रंग महल 'एक्स' रोड, चादरघाट, एसजे रोटरी, निम्बोलिअड्डा, गोलनाका आदि स्थानों पर यातायात जाम हो सकता है। इसलिए, यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग चुन सकते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.